4 अगस्त 2025
सोमवार

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

वेल्डिंग मिस्त्री की करंट लगने से मौत, दुकानदार झुलसा परिजनों ने शव रखकर चौसा-मोहनिया पथ किया जाम
2

चुनाव आयोग ने तेजस्वी यादव से मांगा जवाब... कहां से आया दो-दो इपिक नंबर

एजेंसी/नई दिल्ली

मतदाता पुनरीक्षण कार्य और नए वोटर लिस्ट को लेकर लगातार केंद्र सरकार और चुनाव आयोग पर हमलावर रहे तेजस्वी यादव खुद सवालों के घेरे में आ गए हैं। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के नेता तेजस्वी यादव पर हमला बोल रही है। उन पर मतदाता पहचान पत्र घोटाला का आरोप लगा रही है। अब चुनाव आयोग ने नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव को नोटिस भेज दिया है। उनसे सवाल पूछा कि दो-दो इपिक नंबर आपने कहां से लाया। इसलिए आप अपने वोटर आई कार्ड का विवरण मूल प्रति सहित आयोग को उपलब्ध कराएं।

● तेजस्वी पर मतदाता पहचान पत्र घोटाला का आरोप

चुनाव आयोग ने यह कार्ड उपलब्ध कराने को कहा : चुनाव आयोग ने लेटर जारी कर कहा कि दो अगस्त को आयोजित प्रेस वार्ता में आपके द्वारा आपका नाम प्रारूप मतदाता सूची में अंकित नहीं होने की बात बतायी गयी। जांचोपरांत यह पाया गया कि आपका नाम मतदान केन्द्र संख्या 204 (बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय का पुस्तकालय भवन) के क्रम संख्या 416 पर अंकित है, जिसका इपिक

संख्या आरएबी 0456228 है। प्रेस वार्ता के उद्धरण से आपके अनुसार, आपका इपिक संख्या आरएबी 2916120 है, प्राथमिक जांच के अनुसार, इपिक संख्या आरएबी 2916120 आधिकारिक रूप से निर्गत प्रतीत नहीं होती है। आपकी ओर आयोजित प्रेस वार्ता में बताये गये उल्लिखित ईपिक कार्ड का विवरण अधोहस्ताक्षरी को उपलब्ध कराने की कृपा की जाये, ताकि इसकी गहन जांच की जा सके।

राजद ने कहा- भाजपा के इशारे पर ऐसा हो रहा : राजद प्रवक्ता चित्तरंजन गगन ने कहा है कि चुनाव आयोग भाजपा के इशारे पर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव सहित इंडिया गठबंधन के नेताओं द्वारा चुनाव आयोग से जो सवाल पूछा गया था और कई बिन्दुओं को स्पष्ट करने की मांग की गई थी, उससे ध्यान भटकाना चाहती है। चुनाव आयोग द्वारा जारी किए गए प्रारुप में बड़े पैमाने पर अनियमितता पाई गई है।

तेजस्वी यादव के पास दो इपिक, मतदाता सूची में दो जगह नाम

बिहार विधानसभा चुनाव के पहले राज्य में मतदाताओं के विशेष गहन पुनरीक्षण की शुरूआत ही विपक्ष के हंगामे से हुई। रोज कुछ-न-कुछ कहा जाने लगा। कहा गया कि लोग इसे रिस्पांस नहीं देंगे, हालांकि येन-केन-प्रकारेण चुनाव आयोग ने 98 प्रतिशत से ज्यादा वोटरों के पुनरीक्षण का दावा करते हुए लगभग 65 लाख मतदाताओं के नाम कारण बताकर हटाने की घोषणा की। अब ड्राफ्ट मतदाता सूची जारी हुई तो कई उपलब्ध वोटरों का नाम गायब होने की बात आई। बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने अपना नाम गायब होने की जानकारी दी, हालांकि कुछ ही देर बाद चुनाव आयोग ने उनका वोटर लिस्ट सार्वजनिक करते हुए प्रमाण दिया कि नाम नहीं कटा है। रविवार को तेजस्वी यादव के दो इपिक कार्ड का स्क्रीनशॉट वायरल हो रहा। राजद नेता भी इसे शेयर कर रहे। ऐसे में हकीकत समझना जरूरी है। एक जुलाई को तेजस्वी यादव का रिकॉर्ड यह था। इस विवरण में 36 वर्षीय तेजस्वी प्रसाद यादव 181 दीघा विधानसभा क्षेत्र और 30 पटना साहिब लोकसभा क्षेत्र के मतदाता के रूप में बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय मतदान केंद्र पर 171 बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय का पुस्तकालय भवन के भाग मतदाता क्रमांक 481 पर दर्ज थे। इसमें उनका वोटर कार्ड नंबर- इपिक 0456228 दर्ज था। इसके अलावा, पूरे बिहार में तेजस्वी नाम के किसी व्यक्ति के पिता का नाम लालू नहीं था। तेजस्वी यादव का अब दो मतदाता पहचान पत्र वायरल हो रहा है। अमर उजाला की पड़ताल में सामने आ रहा है कि अब भी मतदाता का प्रथम नाम तेजस्वी और पिता का प्रथम नाम लालू सर्च करने पर निर्वाचन आयोग के पोर्टल पर सिर्फ एक जगह ही तेजस्वी यादव का नाम दर्ज है। विधानसभा क्षेत्र या लोकसभा क्षेत्र नहीं बदला है। मतदाता पहचान पत्र भी वही इपिक 0456228 ही है। मतदान केंद्र का नाम भी बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय है। बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय का पुस्तकालय भवन ही उनका मतदान केंद्र है, हालांकि इसका बूथ नंबर बदलकर 171 की जगह 204 हो गया है। मतदान केंद्र का नंबर बदलने के कारण मतदाता क्रमांक 481 की जगह 416 हो गया है।

पारासराय-अलावल देवरिया मार्ग स्थित रेहरा गांव के समीप बेलवा बहुता सरयू नहर पुल के पास हुआ हादसा

अनियंत्रित बोलेरो नहर में समाई, एक ही परिवार के नौ लोगों सहित 11 की मौत

- एक ही गांव के कुल 16 लोग सवार थे
- बाहर निकले लोगों के शोर मचाने पर स्थानीय निवासी बचाव के लिए नहर में कूद गए

बारिश के बीच रविवार सुबह सीहागांव से पृथ्वीनाथ शिव मंदिर में जलाभिषेक के लिए जा रहे श्रद्धालुओं का तेज रफ्तार बोलेरो वाहन अनियंत्रित होकर बेलवा बहुता सरयू नहर में गिर गया। हादसे में दम घुटने से 11 लोगों की मौत हो गई। चालक व तीन सवार वाहन से कूदकर किसी तरह बचे। एक बच्ची अब भी लापता है। पुलिस के अनुसार वाहन में चालक के साथ एक ही गांव के कुल 16 लोग सवार थे। हादसे में एक ही परिवार के नौ लोगों की जान गई है। मोतीगंज क्षेत्र के सीहागांव निवासी प्रह्लाद गुप्ता ने बताया कि रविवार सुबह पत्नी बीना, बेटी काजल, महक व पिंकी के साथ गांव के 16 लोग जलाभिषेक के लिए वाहन से निकले थे। पारासराय-अलावल देवरिया मार्ग से होते हुए वाहन रेहरा गांव के समीप बेलवा बहुता सरयू नहर पुल के पास पहुंचा, तभी बारिश तेज हो गई। इसी बीच अचानक वाहन अनियंत्रित हो गया। इसपर चालक सीता शरन के साथ ही पिंकी, सत्यम व रामललन वाहन से कूद गए। पीछे बैठे लोग जब तक कुछ समझते तब तक वाहन नहर में समा चुका था। बाहर निकले लोगों के शोर मचाने पर स्थानीय निवासी बचाव के लिए नहर में कूद गए। कुछ देर में प्रशासनिक टीम भी मौके पर पहुंची। इसके बाद एसडीआरएफ व पुलिस ने संयुक्त रूप से राहत व बचाव कार्य शुरू किया। वाहन में फंसे लोगों को शीशा तोड़कर जब तक बाहर निकाला गया, तब तक 11 की दम घुटने से मौत हो चुकी थी। मरने वालों में वीना (40), पत्नी प्रह्लाद कसौधन, काजल (22), पुत्री प्रह्लाद कसौधन, महक उर्फ रिंकी (17), पुत्री प्रह्लाद कसौधन, रामकरन गुप्ता (36), पुत्र रामदेव, अनुसुइया (34), पत्नी रामकरन, सौम्या (09), पुत्री रामकरन, शुभ (07), पुत्र रामकरन, दुर्गेश नंदिनी (35), पत्नी राम रूप, अमित (14), पुत्र रामरूप (ये सभी नौ मृतक एक ही परिवार के।) संजू (26), पत्नी रामललन, अंजू (20), पुत्री राजितराम शामिल है।

ये हुए घायल पिंकी (19), पुत्री प्रह्लाद कसौधन, सत्यम (14), पुत्र प्रह्लाद कसौधन, रामललन (22), पुत्र जग प्रसाद, चालक सीताशरन (32), पुत्र परशुराम शामिल है।

लापता रचना की खोज जारी

डीएम प्रियंका निरंजन ने कहा किलापता रचना की तलाश के लिए एनडीआरएफ और स्थानीय टीम प्रयास कर रही है।

मौके पर पहुंची पुलिस

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई। हादसे की जांच कराई जा रही है। स्थानीय लोगों से पूछताछ की जा रही है, ताकि हादसे के कारणों की सही जानकारी मिल सके।- एसपी विनीत जायसवाल

पीएम व सीएम ने जताया शोक

हादसे पर पीएम नरेन्द्र मोदी ने दुख जताया। पीएम आपदा कोष से मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख व घायलों को एक-एक लाख रुपये की सहायता देने की घोषणा की है।

बोलरो गिरते ही मची चीख-पुकार, कांच तोड़कर शव निकाले

गोंडा। रेहरा गांव निवासी अब्दुल हक ने बताया कि हादसे के बाद मौके पर पहुंचे थे। चीखपुकार मची हुई थी। मगर आखिरी पल में ही सभी लोग खामोश हो गए। नहर के पानी में बोलेरो पूरी तरह से डूबी हुई थी। बिना परवाह किए नहर में कूद गए। इस दौरान बोलेरो में फंसे श्रद्धालुओं को बचाने की कोशिश की गई। बोलेरो का शीशा बंद होने के कारण किसी तरह ईंट से शीशा तोड़कर दाखिल हुए उन्हें किसी तरह से बाहर निकाला गया। लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। ह किसी ने पुलिस को घटना की जानकारी दी। पुलिस के पहुंचने के बाद एबुलेंस की मदद से सीएचसी इटियाथोक व मेडिकल कॉलेज भेजा गया। राहत बचाव कार्य में लगे एसडीआरएफ टीम प्रभारी हर्षित वर्मा ने बताया कि उनकी टीम जब तक मौके पर पहुंची तब तक ग्रामीणों ने सभी शवों को बाहर निकाल लिया था।बोलेरो में सवार पिंकी ने चालक सीतासरन के साथ कूद कर किसी तरह से जान बचाई तो तेज बारिश के दौरान घरों में मौजूद लोगों से बोलेरो में फंसे लोगों की जान बचाने की गुहार लगाई। इसके बाद ग्रामीण घटनास्थल की ओर दौड़ पड़े थे। इतना ही नहीं, इसके बाद राहत बचाव कार्य में लग गए थे। रेहरा गांव निवासी जाकिर ने बताया कि दुर्भाग्य रहा कि नहर में अधिक पानी होने के चलते बचाया नहीं जा सका। हालांकि लोगों ने बोलेरो को ट्रैक्टर से बाहर खींचा तो मृतकों का शव बाहर निकाला जा सका।

आंध्र प्रदेश में ग्रेनाइट खदान धंसने से ओडिशा के छह श्रमिकों की मौत, 3 जख्मी

एजेंसी/बापटला

आंध्र प्रदेश के बापटला जिले में रविवार सुबह एक दुखद हादसा हो गया, जब एक भारी ग्रेनाइट की चट्टान खदान में काम कर रहे मजदूरों पर गिर गई। इस हादसे में छह प्रवासी मजदूरों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए हैं।पुलिस के अनुसार, सुबह करीब 10:30 बजे 10 से 15 मजदूर खदान में काम कर रहे थे, तभी अचानक एक विशाल चट्टान उन पर गिर पड़ी। पुलिस का कहना है कि शुरूआती जांच में लगता है कि बारिश या पानी के रिसाव की वजह से चट्टान कमजोर हो गई थी, जिससे वह गिर गई। पुलिस अधिकारी ने कहा कि घटना के समय कोई ब्लास्ट या भूकंप जैसी गतिविधि नहीं हुई थी। पूरी जांच के लिए फॉरेंसिक टीम मौके पर भेजी गई है।

सभी मजदूर ओडिशा के रहने वाले

जानकारी के मुताबिक, इस हादसे में मारे गए और घायल हुए सभी मजदूर ओडिशा से आए हुए थे और खदान में काम कर रहे थे। वहीं इस घटना के बाद घायलों को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया है। स्थानीय लोग और मजदूर संगठनों ने सरकार से मृतकों के परिवारों को मुआवजा और घायल मजदूरों को पूरी मदद देने की मांग की है। बापटला के पुलिस अधीक्षक तुषार डूडी ने दुर्घटनास्थल का दौरा किया। डूडी लगातार बचाव और राहत कार्यों की निगरानी कर रहे हैं। शुरूआती जांच में सामने आया है कि पर्याप्त सुरक्षा सावधानी नहीं होना दुर्घटना का कारण हो सकती है।

राहत और बचाव कार्य जारी

हादसे के बाद पुलिस और खनन विभाग की टीमें मौके पर पहुंच गईं और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। मलबे में फंसे लोगों को बाहर निकालने के प्रयास किए गए।

मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने जताया दुख

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने इस हादसे पर गहरा दुख जताया। उन्होंने एक बयान में कहा कि मैंने अधिकारियों से बात की है और घायलों को बेहतर से बेहतर इलाज देने के निर्देश दिए हैं। हादसे की पूरी जांच कराई जाएगी। इसके लिए विशेष टीम का गठन किया जाएगा।

वाईएसआरसीपी प्रमुख जगन मोहन रेड्डी ने जताई संवेदना

पूर्व मुख्यमंत्री और वाईएसआरसीपी प्रमुख वाई. एस. जगन मोहन रेड्डी ने भी हादसे पर दुख जताया। उन्होंने कहा कि यह बहुत ही दिल तोड़ देने वाली घटना है। ये मजदूर अपने परिवारों के लिए मेहनत कर रहे थे, और ऐसे में उनकी जान जाना बेहद दुखद है। उन्होंने सरकार से मांग की कि घायलों को तुरंत इलाज मिले और मृतकों के परिवारों को आर्थिक सहायता दी जाए। आंध्र प्रदेश के बापटला जिले में बड़ा हादसा हो गया है। जानकारी के मुताबिक बापटला जिले में ग्रेनाइट की खदान में एक बड़ा पत्थर का टुकड़ा ढहने के कई मजदूर उसमें दब गए, जिसमें छह श्रमिकों की मौत हो गई और तीन घायल हैं।

नियम जारी : पश्चिम बंगाल में बिना सबूत अब नहीं बदल सकेंगे नाम और जन्म-तिथि

एजेंसी/कोलकता

पश्चिम बंगाल स्वास्थ्य विभाग ने जन्म और मृत्यु प्रमाणपत्रों में मनमाने बदलावों पर रोक लगा दी है। अब कोई भी व्यक्ति बिना वैध दस्तावेज और रजिस्ट्रार की अनुमति के इन प्रमाणपत्रों में कोई बदलाव नहीं कर पाएगा। यह निर्णय राज्य में प्रमाणपत्रों की विश्वसनीयता बनाए रखने और फजीवाड़े को रोकने के लिए लिया गया है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, अब किसी भी प्रकार के परिवर्तन की इजाजत केवल स्थानीय रजिस्ट्रार ही देंगे। रजिस्ट्रार द्वारा प्रमाणपत्र में बदलाव की अनुमति तभी दी जाएगी जब संबंधित व्यक्ति सभी आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करेगा और रजिस्ट्रार को यह बदलाव उचित लगेगा। इसमें केवल टाइपिंग या वर्तनी की गलतियों जैसे मामूली सुधार की ही इजाजत होगी। बदलाव के लिए आधार कार्ड, वोटर आईडी या पैन कार्ड जैसे पहचान पत्र अनिवार्य होंगे। यदि किसी को उपनाम में बदलाव करवाना है, तो प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारा जारी हलफनामा और स्कूल एडमिशन सर्टिफिकेट या समकक्ष दस्तावेज देना जरूरी होगा। यह प्रक्रिया प्रमाणपत्रों में एकरूपता लाने और गलत जानकारी को रोकने के लिए शुरू की गई है। नए नियम के तहत, तलाक या पुनर्विवाह जैसी परिस्थितियों में भी बच्चे के जन्म प्रमाणपत्र में एक बार दर्ज हो चुका पिता का नाम नहीं बदला जा सकेगा।

सेना के अधिकारी ने स्पाइसजेट के 4 कर्मियों को पीटा, एक की रीढ़ की हड्डी टूटी

एजेंसी/जम्मू

जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर एयरपोर्ट पर एक्स्ट्रा लगेज को लेकर सेना के एक अधिकारी ने स्पाइसजेट के चार कर्मचारियों के साथ मारपीट की। एक कर्मचारी की रीढ़ की हड्डी टूट गई। दूसरे का जबड़ा टूट गया। तीसरे की नाक से खून निकलने लगा। वहीं चौथा कर्मचारी बेहोश हो गया, उसके बावजूद आरोपी लातें मारता रहा। एयरलाइन ने बयान जारी करते हुए कहा कि आरोपी सैन्य अधिकारी को नो फ्लाइंग लिस्ट में डाल दिया है। वहीं सेना ने बयान जारी करते हुए कहा कि भारतीय सेना अनुशासन और आचरण के मानकों को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। मामले की जांच में अधिकारियों को पूरा सहयोग दिया जा रहा है। आरोपी अफसर की पहचान लेफ्टिनेंट कर्नल रितेश कुमार सिंह के रूप में हुई है। वह गुलमर्ग स्थित हाई एल्टीट्यूड वारफेयर स्कूल में तैनात है।

पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। अभी तक गिरफ्तारी नहीं हुई है। स्पाइसजेट फ्लाइट विमान से श्रीनगर से दिल्ली जा रही थी। बोर्डिंग गेट पर एक पैसेंजर, जो सेना का अधिकारी बताया जा रहा है, उसने चार स्टॉफ पर जानलेवा हमला कर दिया। एयरलाइन के मुताबिक, आरोपी अधिकारी दो केबिन बैगेज ले जा रहा था, जिनका कुल वजन 16 किलो था। यह 7 किलो की सीमा से दोगुना था।

स्पाइसजेट के स्टॉफ ने पैसेंजर को बताया कि आपका लगेज तय मानकों से ज्यादा है। इसलिए आपको अतिरिक्त पेमेंट करना होगा। आरोपी अधिकारी ने एक्स्ट्रा पैसे देने से मना कर दिया। इसके बाद वह बोर्डिंग प्रोसेस पूरी किए बिना ही जबर्दस्ती एयरोब्रिज में घुस गया। यह सिक्योरिटी प्रोटोकॉल का उल्लंघन था।

योगी कैबिनेट के 11 मंत्री बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में करेंगे रात्रि विश्राम, सीएम ने जारी किया निर्देश

उत्तर प्रदेश के 17 जिलों में से 402 गांव बाढ़ से प्रभावित

एजेंसी/लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। वे लगातार बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में अधिकारियों और राहत विभाग को जरूरी दिशा-निर्देश दे रहे हैं, ताकि राहत कार्यों में कोई कमी न रहे। टीम-11 में शामिल मंत्रियों ने भी बाढ़ प्रभावित जिलों का रविवार को निरीक्षण किया। वर्तमान में प्रदेश के 17 जिले बाढ़ से प्रभावित हैं। इन जिलों की 37 तहसीलें और 402 गांव बाढ़ से प्रभावित हैं। बाढ़ प्रभावित जिलों में कानपुर नगर, लखीमपुर खीरी, आगरा, औरैया, चित्रकूट,

बलिया, बांदा, गाजीपुर, मीरजापुर, प्रयागराज, वाराणसी, चंदौली, जालौन, कानपुर देहात, हमीरपुर, इटावा और फतेहपुर शामिल हैं। इन सभी जिलों में राहत कार्य तेजी से चल रहे हैं। वहीं एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और पीएसी के जवान चौबीसो घंटे पेट्रोलिंग कर रहे हैं। राहत आयुक्त भानु चंद्र गोस्वामी ने बताया कि 17 जिलों में कुल 84392 लोग प्रभावित हैं, जिनमें से 47906 लोगों को राहत सामग्री दी गई है। बाढ़ की वजह से 2759 मवेशियों को सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट किया गया है। बाढ़ की चपेट में आने से अब तक 343 लोगों के मकानों को नुकसान पहुंचा है। इनमें से 327 लोगों को सहायता राशि मिल चुकी है। प्रदेश में 4015 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्रफल बाढ़ की चपेट में आया है। इन प्रभावित क्षेत्रों में 493 नावों और मोटरबोट की सहायता से राहत सामग्री पहुंचाई जा रही है। इन इलाकों में अब तक 6536 खाद्यान्न पैकेट और 76632 लंच पैकेट बांटे गए हैं। 29 लंगरों के जरिये पीड़ितों को भोजन की सुविधा दी जा रही है। बाढ़ प्रभावित इलाकों में पीड़ितों के साथ मवेशियों की सुरक्षा और उनके खाने-पीने का भी पूरा ध्यान रखा जा रहा है। अब तक मवेशियों के लिए 500 क्विंटल भूसा वितरित जा चुका है। 129571 क्लोरीन टेबलेट और 37089 ओआरएस पैकेट भी वितरित किए जा चुके हैं, ताकि जलजनित बीमारियों पर नियंत्रण पाया जा सके।

कहीं बक्सर को आर्म्स सप्लाई का नया अड्डा तो नहीं बना रहे मुंगेर के हथियार तस्कर

- एक साल के अंदर दूसरी बार बक्सर में हथियार निर्माण के मुंगेर मॉड्यूल का हुआ खुलासा
- पिछले साल नया भोजपुर थाना क्षेत्र के चंदा गांव में रिटायर्ड शिक्षक के घर अवैध हथियार बनाने का हुआ था भंडाफोड़, मुंगेर निवासी सरगना समेत पकड़े गए थे आधा दर्जन अपराधी

रजनीकांत दूबे/बक्सर

बिहार का मुंगेर जिला अवैध हथियार निर्माण का बड़ा केन्द्र है। यहां निर्मित हथियारों की डिमांड बिहार के कोने-कोने के अलावे यूपी, दिल्ली, पंजाब, बंगाल, झारखंड आदि राज्यों के अपराधियों तक करते है। मुंगेर निर्मित हथियार अपनी क्वालिटी व मारक क्षमता के कारण अपराधियों के बीच खास बन चुके है। यहीं, कारण है कि मुंगेर निर्मित हथियारों की मांग देश के अधिकांश हिस्सों में अपराध जगत से जुड़े लोगों के बीच लंबे समय हो रही है।

फाइल फोटो

हालांकि, अब मुंगेर के हथियार निमार्ता बक्सर को अपना नया बाजार बनाने पर तुले है। एक साल के अंदर बक्सर में दूसरी बार अवैध हथियार निर्माण के मुंगेर मॉड्यूल का खुलासा होने के बाद यह सवाल उठने लगे है कि क्या मुंगेर के हथियार निमार्ता व सप्लायर अब अपना केन्द्र बक्सर को तो नहीं बना रहे है। गौरतलब हो कि एक दिन पूर्व एसपी शुभम आर्य के निर्देश पर पुलिस ने औद्योगिक थाना क्षेत्र के दलसागर गांव में छापेमारी कर अवैध हथियार निर्माण का भंडाफोड़ किया है। इस दौरान पांच अपराधी पकड़े गए है, जिनमें मुख्य हथियार निमार्ता मुंगेर का रहने वाला है। जबकि, यहां निर्मित हथियार भी मुंगेर मॉड्यूल के ही बनाए जा रहे थे।

> शाहाबाद इलाका गन कल्चर वाला इलाका है। मुंगेर में अवैध तरीके से हथियार बनाने वालों पर शिकंजा कसा गया है। हथियार की आपूर्ति के लिए स्थानीय अपराधी मुंगेर के हथियार निमार्ताओं को संरक्षण दे रहे है। हालांकि, पुलिस लगातार उनका नेटवर्क तोड़ रही है। आगे भी यह कार्रवाई जारी रहेगी।
>
> **शुभम आर्य, एसपी, बक्सर**

सीमावर्ती इलाका है बक्सर, यहां से यूपी में सप्लाई करना है आसान

बता दें कि बक्सर जिला यूपी की सीमा से सटे है। वहीं, अभी तक जिन इलाकों से मुंगेर स्टाइल में हथियार निर्माण का भंडाफोड़ हुआ है, वहां से बक्सर की सीमा मात्र कुछ मिनट में पार किया जा सकता है। ऐसे में यह कयाश लगाया जा रहा है कि मुंगेर के हथियार निमार्ता अब बक्सर को अपने हथियार निर्माण व सप्लाई का नया केन्द्र बना रहे है। यहां से उन्हें यूपी, दिल्ली, पंजाब आदि राज्यों के तस्करों तक हथियारों की खेप पहुंचाने में काफी आसानी होगी। चंदा के बाद उससे करीब दो-तीन किलोमीटर दूर स्थित दलसागर गांव में हथियार निर्माण के मुंगेर कनेक्शन मिलने के बाद इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता है कि मुंगेर के हथियार निमार्ता व तस्कर अब बक्सर पर निगाहे गड़ाए है।

हालांकि, इसका उद्भेदन करने के बाद पुलिस ने इसका तार गैंगस्टर चंदन मिश्र की हत्या से जोड़ दिया। पुलिस का कहना है कि चंदन मिश्र की हत्या का बदला लेने के लिए ही उसके गुर्गे यहां अवैध तरीके से हथियारों का जखीरा बनवा रहे थे।

कुछ देर के लिए पुलिस का तर्क मान भी ले तो पिछला इतिहास कुछ और ही कहानी बयां कर रहा है।

गौरतलब हो कि एक सितंबर 2024 को नया भोजपुर पुलिस ने गुप्त सूचना पर थाना क्षेत्र के चंदा गांव स्थित एक रिटायर्ड शिक्षक के मकान में छापेमारी कर अवैध हथियार निर्माण का भंडाफोड़ किया था। यहां भी मुंगेर के हथियार निमार्ताओं द्वारा ही हथियारों का निर्माण किया जा रहा था। पुलिस ने इस दौरान रिटायर्ड शिक्षक समेत आधा दर्जन अपराधियों को गिरफ्तार करने के साथ ही मौके से भारी मात्रा में अवैध आग्नेयास्त्र, निमार्णाधीन आग्नेयास्त्र व हथियार निर्माण के कई उपकरण बरामद किए थे। वहीं, मुख्य सरगना मुंगेर निवासी औरंगजेब फरार हो गया था, जिसे बाद में नया भोजपुर पुलिस ने गिरफ्तार किया था।

इसके पूर्व डुमरांव के हरिजी के हाता मोहल्ले से एक युवक को मुंगेर निर्मित करीब आधा दर्जन पिस्टल के साथ पकड़ा गया था।

वेल्डिंग मिस्त्री की करंट लगने से मौत, दूसरा झुलसा
परिजनों ने शव रखकर चौसा-मोहनिया पथ किया जाम

- यातायात पूरी तरह ठप हो गया और दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं

केटी न्यूज/राजपुर (बक्सर)

राजपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ईशापुर बाजार रविवार सुबह एक हृदयविदारक हादसे का गवाह बना, जब दुकान में काम शुरू करते ही करंट की चपेट में आने से एक अधेड़ वेल्डिंग मिस्त्री की मौके पर ही मौत हो गई। इस हादसे में एक अन्य दुकानदार गंभीर रूप से झुलस गया। घटना के बाद आक्रोशित परिजनों और स्थानीय ग्रामीणों ने मृतक का शव सड़क पर रखकर चौसा-मोहनिया मुख्य पथ को घंटों जाम कर दिया, जिससे यातायात पूरी तरह ठप हो गया और दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, राजपुर थाना क्षेत्र के सगराव गांव निवासी 55 वर्षीय रामप्रवेश शर्मा ईशापुर बाजार में वर्षों से वेल्डिंग का कार्य करते थे। वे हर दिन की तरह रविवार सुबह भी अपनी दुकान खोलकर काम की तैयारी में जुटे थे। इसी दौरान दुकान में अचानक शॉर्ट सर्किट हो गया और रामप्रवेश सीधे विद्युत प्रवाह की चपेट में आ गए। करंट इतना जबरदस्त था कि उन्होंने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया।

दुकान से अचानक उठी चीख-पुकार सुनकर बगल में ही अपनी जनरल स्टोर की दुकान चला रहे मंजूर सिद्दीकी रामप्रवेश को बचाने पहुंचे, लेकिन दुर्भाग्यवश वे भी करंट की चपेट में आ गए और गंभीर रूप से झुलस गए। उसी समय मौके पर मौजूद एक अन्य युवक ने तत्काल बिजली की आपूर्ति बंद कर दी और जान जोखिम में डालकर मंजूर को खींचकर करंट से अलग किया। इससे उनकी जान तो बच गई, लेकिन उन्हें गंभीर चोटें आईं।

स्थानीय लोगों ने आनन-फानन में मंजूर सिद्दीकी को ईशापुर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनका इलाज चल रहा है। डॉक्टरों के अनुसार, वह फिलहाल खतरे से बाहर हैं लेकिन पूरी तरह स्वस्थ होने में समय लगेगा।

दूसरी ओर, घटना के काफी देर बाद तक स्थानीय प्रशासन व पुलिस मौके पर नहीं पहुंची, जिससे आक्रोशित ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। मृतक के परिजनों और बाजारवासियों ने शव को सड़क पर रखकर चौसा-मोहनिया मुख्य पथ को पूरी तरह जाम कर दिया। इस दौरान लोगों ने बिजली विभाग और प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों का आरोप था कि ईशापुर बाजार में बिजली की पुरानी तारें और जर्जर व्यवस्था के चलते अक्सर ऐसी घटनाएं होती हैं, लेकिन संबंधित विभाग आंख मूंदे बैठा है।

लगभग एक घंटे तक सड़क जाम रहा, जिससे क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और यात्री घंटों तक फंसे रहे। स्थिति तब काबू में आई जब राजपुर थानाध्यक्ष रौशन कुमार मौके पर पहुंचे और लोगों को समझाया-बुझाया। उन्होंने पीड़ित परिवार को हरसंभव मदद का आश्वासन दिया तथा उच्चाधिकारियों को सूचना देने की बात कही।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडलीय अस्पताल बक्सर भेज दिया। साथ ही दुकान में करंट लगने की पूरी घटना की जांच शुरू कर दी गई है। थानाध्यक्ष रौशन कुमार ने बताया कि प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट की बात सामने आई है, लेकिन पूरी घटना की तकनीकी जांच भी कराई जाएगी ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

इस हादसे से ईशापुर बाजार में शोक की लहर दौड़ गई है। रामप्रवेश शर्मा को एक मेहनती और मिलनसार व्यक्ति के रूप में जाना जाता था। उनके निधन से न केवल उनका परिवार बल्कि पूरा बाजार समुदाय गहरे शोक में डूब गया है। लोग प्रशासन से पीड़ित परिवार को मुआवजा देने तथा बाजार की बिजली व्यवस्था में तत्काल सुधार की मांग कर रहे हैं।

सिकरौल की ठोरा नदी में नहाने के दौरान किशोर के डूबने की आशंका, ग्रामीणों की भीड़ जुटी

नावानगर। सिकरौल थाना क्षेत्र अंतर्गत ठोरा नदी में रविवार को नहाने के दौरान एक किशोर के डूबने की आशंका से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। नदी किनारे परिजनों एवं ग्रामीणों की भारी भीड़ जुट गई है। डूबे किशोर तेतरहर गांव निवासी दीपक वर्मा के 11 वर्षीय पुत्र वंश वर्मा बताया जाता है। परिजनों के अनुसार वंश रविवार की दोपहर घर से यह कहकर निकला था कि वह ठोरा नदी में स्नान करने जा रहा है। लेकिन चार घंटे बाद भी जब वह वापस नहीं लौटा, तो परिजन चिंतित हो उठे। खोजबीन के दौरान जब वे ठोरा नदी घाट पर पहुंचे, तो वहां वंश के कपड़े पड़े मिले, जिससे उनके डूबने की आशंका गहराने लगी।ग्रामीणों ने तत्काल इसकी सूचना स्थानीय पुलिस और अंचलाधिकारी को दी। इसके बाद ग्रामीण नदी में उतरकर किशोर की तलाश में जुट गए। इस संबंध में सिकरौल थानाध्यक्ष रिकेश कुमार ने बताया कि घटनास्थल से किशोर के कपड़े बरामद हुए हैं, जिससे उसके डूबने की आशंका को बल मिला है। उन्होंने बताया कि घटनास्थल पर गोताखोरों की मदद के लिए बुलाया गया है, ताकि बच्चे की तलाश की जा सके। हालांकि जब तक कुछ ठोस सबूत नहीं मिलते, तब तक स्पष्ट रूप से कुछ भी कहा नहीं जा सकता। इधर घटना से पूरे क्षेत्र में शोक और बेचैनी का माहौल है। लोग ईश्वर से किशोर के सुरक्षित मिलने की प्रार्थना कर रहे हैं।

कुमार अर्थोपेडिक क्लिनिक
Mob : 9122226720
डॉ० वीरेन्द्र कुमार
अर्थोपेडिक सर्जन
M.B.B.S., D. Ortho PMCH
एफ. आई. एम. एस. (युके)
हड्डी, नस, गठिया रोग विशेषज्ञ
डॉ० अरूण कुमार
M.B.B.S., D.N.B. (New Delhi)
FMAS (New Delhi), DMAS (Germany)
पेट रोग विशेषज्ञ
जेनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन
डॉ. एस. के. अम्बष्ठा
M.B.B.S., M.D. (Gold Medalist)
Dermatologist & Cosmetologist
चर्म रोग, कुष्ट रोग, सौंदर्य एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
SKIN SPECIALIST
(Skin, VD, Laprosy & Cosmetics)
पताः- सुमित्रा महिला कॉलेज से पूरब, टेलवाणी मोड़, डुमराँव

बक्सर में विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान की शुरूआत
मतदाता सूची में नाम जोड़ने का सुनहरा मौका : डीएम

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर में आगामी चुनावों की तैयारियों को लेकर विशेष गहन पुनरीक्षण 2025 के तहत प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन एक अगस्त को किया गया। इसके अगले ही दिन शनिवार को बक्सर प्रखंड के कल्याण भवन में जिला प्रशासन द्वारा एक विशेष दावा-आपत्ति शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्घाटन जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह ने दीप प्रज्वलित कर किया।

इस अवसर पर उप निर्वाचन पदाधिकारी, अवर निर्वाचन पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी बक्सर सदर, सभी बीएलओ (बूथ लेवल अधिकारी) एवं पर्यवेक्षक (सुपरवाइजर) उपस्थित रहे। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने बताया कि प्रारूप मतदाता सूची के प्रकाशन के बाद अब 2 अगस्त से 1 सितंबर 2025 तक दावा और आपत्ति दर्ज कराने की प्रक्रिया चलेगी। इस अवधि में वे सभी व्यक्ति, जिनका नाम किसी कारणवश मतदाता सूची से छूट गया है, या जो नए मतदाता के रूप में अपना नाम दर्ज कराना चाहते हैं, वे संबंधित मतदान केंद्रों पर उपस्थित बीएलओ, प्रखंड कार्यालय या नगर परिषद कार्यालयों में बनाए गए विशेष कैंप में जाकर अपना आवेदन दे सकते हैं। जिलाधिकारी ने यह भी स्पष्ट किया कि इस दौरान सभी मतदान केंद्रों पर बीएलओ की उपस्थिति सुनिश्चित की गई है ताकि किसी भी पात्र व्यक्ति को नाम जोड़वाने या सुधार कराने में परेशानी न हो। विशेष कैंप सभी प्रखंडों और नगर परिषद क्षेत्रों में लगाए गए हैं ताकि हर मतदाता तक पहुंच बनाई जा सके। जिलाधिकारी ने बताया कि यह पहल मतदाता सूची को अद्यतन और त्रुटिरहित बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। उन्होंने लोगों से आग्रह किया गया है कि वे सक्रिय रूप से भाग लेकर लोकतंत्र को सशक्त बनाने में अपनी भूमिका निभाएं। यह प्रक्रिया न सिर्फ पारदर्शिता बढ़ाएगी, बल्कि आगामी चुनावों को और अधिक सुचारु व विश्वसनीय बनाएगी।

संजय सिन्हा बने डुमरांव के नये थानाध्यक्ष, कनिष्का तिवारी को मिला वासुदेवा थाने की कमान

- बक्सर पुलिस प्रशासन में फेरबदल, 10 पुलिस अधिकारियों का एसपी ने किया तबादला

केटी न्यूज/बक्सर

जिले में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने और प्रशासनिक कार्यों को सुचारू रूप से संचालित करने के उद्देश्य से एसपी शुभम आर्य ने बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया गया है। इस क्रम में जिले में कार्यरत कुल 10 पुलिस पदाधिकारियों का स्थानांतरण कर उन्हें नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। सभी स्थानांतरित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे त्वरित प्रभाव से अपने नव पदस्थापन स्थल पर योगदान करें।

जारी आदेश के मुताबिक, पु निरीक्षक संजय कुमार सिन्हा को स्पीडी ट्रायल कोषांग से स्थानांतरित कर डुमरांव थाना का नया थानाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। वहीं, पुलिस केंद्र में तैनात पु.अ.नि. ज्योति कुमारी को सिमरी थाने की कमान सौंपी गई है।

इसी तरह, पुअनि अभय शंकर सिंह को पुलिस केंद्र से स्थानांतरित कर बगेनगोला थाना भेजा गया है। औद्योगिक क्षेत्र थाना में पदस्थापित एएसआई योगेन्द्र कुमार को नैनीजोर थाना, तथा सिमरी थाना की प्रभारी रहीं एएसआई चुनमुन कुमारी को अब तिलक राय के हाता थाना की जिम्मेदारी दी गई है।

अन्य तबादलों में ब्रह्मपुर थाना से एएसआई अमरेश कुमार को चक्की थाना, पुलिस केंद्र से एएसआई रितेश कुमार दूबे को धनसोई थाना और चक्की थाना के प्रभारी एएसआई संजय पासवान को राजपुर थाना भेजा गया है।

इसके अलावा महिला थाना और वासुदेवा थाना के प्रभार में भी अदला-बदली की गई है। महिला थाना की प्रभारी रहीं पु.अ.नि. कनिष्का तिवारी को वासुदेवा थाना भेजा गया है, जबकि वासुदेवा थाना की प्रभारी एएसआई मधुबाला भारती को अब महिला थाना का प्रभार सौंपा गया है।

इस फेरबदल को पुलिस अधीक्षक कार्यालय ने नियमित प्रशासनिक प्रक्रिया और कार्य क्षमता के संतुलन के तहत लिया हुआ कदम बताया है। साथ ही यह अपेक्षा जताई गई है कि सभी अधिकारी नई जगहों पर कार्यभार संभालकर शांति, कानून-व्यवस्था और जनहित में अपने कर्तव्यों का निर्वहन तत्परता से करेंगे।

ईमानदारी और सख्ती का प्रतीक रहे थानाध्यक्ष कमल नयन पांडे को दी गई विदाई

- वक्ताओं ने कहा अपराध नियंत्रण और जनता से संवाद में संतुलन साधने का अद्वितीय उदाहरण पेश किए है थानाध्यक्ष

केटी न्यूज/सिमरी

सिमरी प्रखंड सभागार शनिवार को एक भावुक क्षण का साक्षी बना, जब वर्षों तक कर्तव्यनिष्ठा और अनुशासन का प्रतीक रहे थानाध्यक्ष कमल नयन पांडे को सम्मानित कर विदाई दी गई। इस विदाई सह सम्मान समारोह में प्रशासनिक अधिकारियों से लेकर जनप्रतिनिधियों और स्थानीय बुद्धिजीवियों तक ने उनकी सेवाओं को सलाम किया।

समारोह में एसडीओ राकेश कुमार, बीडीओ लोकेंद्र यादव, सीओ भवानी शंकर पांडे, पुलिसकर्मी, मुखिया, पंचायत प्रतिनिधि सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आयोजन पूर्ण गरिमा और आत्मीयता के साथ किया गया। मंच से वक्ताओं ने थानाध्यक्ष के कार्यकाल को यादगार बताते हुए कहा कि उन्होंने अपने कार्यक्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने, अपराध नियंत्रण और जनता से संवाद में संतुलन साधने का अद्वितीय उदाहरण पेश किया।

एसडीओ राकेश कुमार ने श्री पांडेय की कार्यशैली की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्होंने ईमानदारी और सख्ती के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया। सिमरी जैसे क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखना चुनौतीपूर्ण होता है, लेकिन श्री पांडेय ने यह काम बड़ी कुशलता से किया।

अन्य वक्ताओं ने भी उनके कार्यकाल की सराहना करते हुए कहा कि वे एक अनुकरणीय पुलिस पदाधिकारी हैं, जिनका जनता के साथ मधुर संबंध बना रहा।

समारोह के दौरान श्री पांडे ने भी मंच से अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा कि सिमरी की जनता और पुलिस बल का सहयोग उन्हें हमेशा याद रहेगा। उन्होंने यह भी जोड़ा कि समाज में शांति और व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस और जनता के बीच समन्वय अत्यंत आवश्यक है। गौरतलब है कि चुनाव आयोग की गाइडलाइन के तहत श्री पांडेय का स्थानांतरण रोहतास जिले में किया गया है। इस अवसर पर उन्हें फूल-मालाओं, अंगवस्त्र और स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह में डुमरी मुखिया प्रेमसागर कुंवर, काजीपुर पंचायत के मुखिया इम्तियाज अंसारी, सिमरी मुखिया प्रतिनिधि प्रमोद पांडेय, बीडीसी सदस्य अंगद सिंह समेत कई जनप्रतिनिधि भी मौजूद थे। समारोह का समापन एक भावुक माहौल में हुआ, जहां सभी ने उन्हें नए कार्यक्षेत्र के लिए शुभकामनाएं दीं।

बक्सर में खतरे के निशान को पार गई गंगा नदी व कर्मनाशा, चौसा-मोहनिया पथ पर चढ़ा बाढ़ का पानी

- हजारों एकड़ में लगी खड़ी फसल डूबी, तटवर्ती गांवों में फैलने लगा है बाढ़ का पानी
- मोक्षदायिनी गंगा का रौद्र रूप देख सहमे है लोग, दियारा क्षेत्र में बढ़ी मुश्किलें
- कर्मनाशा के उफान से चौसा का बनारपुर गांव जलमग्न, चौसा-मोहनिया पथ पर आवागमन बाधित

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर में गंगा व कर्मनाशा नदियां खतरे के निशान को पार कर गई है। केन्द्रीय जल आयोग के अनुसार दोपहर में गंगा नदी का जल स्तर 60.46 मीटर पर पहुंच गया था, जो खतरे के निशान से 14 सेमी उपर है। चिंता की बात यह है कि अभी जल स्तर बढ़ना जारी है।

गंगा के जलस्तर में लगातार हो रही वृद्धि का सीधा प्रभाव अब उसकी सहायक नदी कर्मनाशा पर भी दिखने लगा है। रविवार को कर्मनाशा नदी अचानक उफान पर आ गई, जिससे चौसा प्रखंड के कई गांव बाढ़ की चपेट में आ गए हैं। स्थिति इतनी गंभीर हो चुकी है कि चौसा-मोहनिया मुख्य पथ पर करीब एक फीट पानी चढ़ गया है, जिससे इस मार्ग पर यातायात पूरी तरह से ठप हो गया है। राहगीरों, खासकर स्कूली बच्चों, मजदूरों और ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

बाढ़ से सबसे अधिक प्रभावित बनारपुर गांव की अतिपिछड़ी बस्ती बताई जा रही है। यहां दर्जनों कच्चे घरों में बाढ़ का पानी घुस चुका है। कई मकान तो पानी के दबाव से पूरी तरह ढह गए हैं। पीड़ित परिवारों में जनार्दन चौधरी, रामजगी, मनोज चौधरी, सुखदयाल, रामाशंकर, अक्षेलाल चौधरी, श्यामलाल बिन, बिगन चौधरी, छेदी धोबी और बसावन चौधरी जैसे दर्जनों नाम शामिल हैं, जिनके पास अब सिर छुपाने की भी जगह नहीं बची है।

स्थानीय निवासियों ने बताया कि पानी इतनी तेजी से बढ़ा कि उन्हें संभलने का मौका ही नहीं मिला। लोग अपने जरूरी सामान, अनाज, दस्तावेज और मवेशियों तक को सुरक्षित नहीं कर सके। कई परिवार तो घर की छतों पर शरण लिए हुए हैं, जबकि कुछ लोग अपने बच्चों और बुजुर्गों को लेकर ऊंचे स्थानों की ओर पलायन कर चुके हैं। महिलाओं और बच्चों की हालत सबसे दयनीय बनी हुई है। पीने के पानी, राशन और दवा की भारी कमी महसूस की जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि अब तक प्रशासन की ओर से कोई भी मदद नहीं पहुंची है। ना तो राहत शिविर की व्यवस्था की गई है और न ही नाव या सुरक्षित स्थल तक पहुंचने के लिए किसी प्रकार की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। इससे लोगों में आक्रोश व्याप्त है। प्रभावित परिवारों ने प्रशासन से तत्काल राहत, नाव, भोजन, दवा, पीने का साफ पानी और सुरक्षित स्थान की व्यवस्था की मांग की है।

चौसा मोहनिया पथ पर चढ़ा बाढ़ का पानी

चौसा-मोहनिया मुख्य पथ पर पानी चढ़ जाने से संपर्क मार्ग पूरी तरह टूट गया है। नतीजतन आसपास के गांवों का एक-दूसरे से संपर्क लगभग कट चुका है। कई गांवों में खाद्य सामग्री और जरूरी वस्तुओं की आपूर्ति भी प्रभावित हुई है। किसानों के खेतों में पानी भर गया है, जिससे फसलें बर्बाद होने का खतरा मंडरा रहा है।अगर यही स्थिति कुछ और दिनों तक बनी रही, तो चौसा प्रखंड के अन्य गांवों में भी बाढ़ का खतरा और अधिक गंभीर रूप ले सकता है। स्थानीय प्रशासन से अपेक्षा की जा रही है कि वह तत्काल स्थिति की गंभीरता को समझे और राहत एवं बचाव कार्यों में तेजी लाए, ताकि प्रभावित लोगों को जल्द राहत मिल सके।

मुश्तैद हुआ प्रशासन, प्रभावित क्षेत्रों में नाव के साथ तैनात किए गए है गोताखोर

दूसरी तरफ बाढ़ की चुनौती से निपटने के लिए जिला प्रशासन तथा स्थानीय प्रशासन मुश्तैद हो गया है। सिमरी प्रखंड के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के लिए नौ नावों की व्यवस्था सरकारी स्तर पर कराई गई है। इसके अलावे पर्याप्त मात्रा में गोताखोर तैनात किए गए है। बक्सर-कोईलवर तटबंध की सुरक्षा के लिए होमगॉर्ड के जवानों को तैनात किया गया है। जिला प्रशासन ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है तथा किसी भी आपात स्थिति में तत्काल अपने अंचलाधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी जिला आपातकालीन संचालन केन्द्र से संपर्क करने की अपील की है। जिला प्रशासन द्वारा जिला आपातकालीन संचालन केन्द्र में एक नंबर जारी किया गया है। आपात स्थिति में फसे लोग 06183-223333 पर फोन कर तत्काल सहायता ले सकते है

दियारा इलाके में बढ़ गई है मुश्किलें

गंगा के जलस्तर में लगातार वृद्धि होने से दियारा इलाके में मुश्किलें बढ़ गई है। खासकर सिमरी प्रखंड, चक्की व ब्रह्मपुर प्रखंडों के दियारा क्षेत्र में हजारों एकड़ में लगी खड़ी फसल बाढ़ के पानी में डूब गई है।

गंगा का जल स्तर लगातार बढ़ने से सिमरी प्रखंड का श्रीकांत राय के डेरा, बेनीलाल के डेरा, तवक्कल राय के डेरा, कोयलाबीर बाबा के डेरा, लाल सिंह के डेरा, दल्ली के डेरा, लीक्ष्मीशंकर का डेरा, रामदास राय का डेरा आदि का संपर्क पथ प्रभावित हुआ है। इसके अलावे गंगौली-जनेश्वर मिश्र सेतु का संपर्क पथ भी बाढ़ के पानी में डूब गया है, जिस कारण परिचालन ठप हो गया है।

वहीं, बाढ़ से घिरे गांवों में लोगों की मुश्किलें बढ़ गई है। हालांकि प्रशासन द्वारा राहत व बचाव कार्य चलाने का दावा किया जा रहा है।

सफाई एनजीओ ने शहर का कूड़ा नगर में ही किया डंप

केटी न्यूज/डुमरांव

एनजीओ की मनमानी से नगर की सफाई व्यवस्था चौपट हो गई है। डोर टू डोर कूड़े का उठाव प्रतिदिन नहीं होने से वह फैलकर और मुसीबतें खड़ी कर रहा है। नगर परिषद सफाई एनजीओ पर प्रतिमाह 90 हजार रूपया खर्च करने के बाद भी नगर की स्थिति दिन प्रतिदिन खराब होती जा रही है। मालूम हो कि नगर में 35 वार्ड मौजूद हैं, लेकिन प्रतिदिन इसकी सफाई नहीं होती है, जिससे लोगों की परेशानी कम होने के बदले बढ़ती जा रही है। सफाई एजेंसी शहर का कोई भी ऐसी दिशा नहीं जहां कूड़े को डंप नहीं किया गया हो। नगर के स्टेशन रोड में ट्रेनिंग स्कूल से पास से ही सड़क के किनारे कूड़ा डंप होने लगा है। फिर उसके बाद नहर रोड में कटिंग में कूड़े डंप कर उसे भर दिया गया है। इतना ही नहीं काव नदी को भी छठिया पोखरा के पास कूड़े से भर दिया गया है। फिर मां बसवनी मंदिर जाने वाले रोड को भी नहीं छोड़ा गया और उसमें भी कूड़ा फेंक दिया गया है। शक्तिद्वार से आगे बाबा जंगली नाथ मंदिर जाने वाले रोड में भी कूड़े को जगह-जगह डंप कर दिया गया है, जिससे लोगों की परेशानी बढ़ गई है। फिर पुराना भोजुपर में रोड के किनारे कूड़ा डंप कर दिये जाने पर लोगों ने जमकर बवाल काटा था, फिर जाकर वहां कूड़ा गिराना बंद किया गया। वर्तमान में सिमरी रोड में कूड़ा का डंपिंग यार्ड नप लीज पर ली गई जमीन पर कर रहा है। सफाई एजेंसी द्वारा लीज पर ली गई जमीन पर नहीं कूड़ा गिराकर रोड के किनारे ही गिरा दिये जाने का जमकर ग्रामीणों ने विरोध किया था। एक दिन रोड भी जाम कर दिया था, फिर उसे जेसीबी भेज हटवाया गया। लोग अब सवाल करने लगे हैं कि जब सफाई एजेंसी लीज पर जमीन ले लिया है तो नगर में जगह-जगह गिराए गए कूड़े को क्यों नहीं उठवा रहा है। बरसात की वजह से कूड़ सड़-गल कर बदबू देना शुरू कर दिये है, लोगों को बीमारी फैलने का डर सताने लगा है। वहीं नगर में अतिथि गृह और रोड किनारे गिराए कूड़े को उठाने की मांग जोर पकड़ने लगी है।

गांजा की खेप के साथ तस्कर गिरफ्तार, जेल

केटी न्यूज/बक्सर

नगर थाने की पुलिस ने गुप्त सूचना पर खलासी मोहल्ले में छापेमारी कर दो किलोग्राम गांजा के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार तस्कर की पहचान गुप्ता पासवान पिता गोरख पासवान के रूप में हुई है।

नगर थानाध्यक्ष मनोज कुमार ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि उक्त तस्कर अपने घर गांजा की सप्लाई कर रहा है। इसकी जानकारी वरीय अधिकारियों को देते हुए तत्काल उसके घर छापेमारी के लिए एक टीम गठित किया गया।

इस टीम ने उसके घर छापेमारी किया, इस दौरान उसके घर से दो किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। जिसके बाद पुलिस ने गुप्ता पासवान को गिरफ्तार कर लिया।

नगर थानाध्यक्ष ने बताया कि आरोपित के खिलाफ एनडीपीएस ऐक्ट के तहत एफआईआर दर्ज कर उसे जेल भेज दिया गया है।

कृषि संकट की चपेट में केसठ सिंचाई व्यवस्था ठप, किसान बेहाल

- क्षेत्र का दौरा कर राजद नेता ने जताई नाराजगी, जिला प्रशासन से तत्काल नहरों में पानी छोड़वाने की हुई मांग

केटी न्यूज/केसठ

बक्सर जिले का केसठ प्रखंड इस समय गहरे कृषि संकट से जूझ रहा है। सावन महीना समाप्ति की कगार पर है, लेकिन डुमरांव लाइन नहर में पानी की भारी किल्लत ने धान की रोपनी पर गंभीर असर डाला है। नहरों में पानी की आपूर्ति न होने और बिजली की अनियमितता ने किसानों के समक्ष अस्तित्व का संकट खड़ा कर दिया है।

किसानों के अनुसार, इस बार नहरों में पानी या तो आया ही नहीं, या महज दो दिनों के लिए आया और फिर गायब हो गया। इस कारण खेतों में दरारें पड़ चुकी हैं और अब तक बड़ी संख्या में खेतों में रोपनी नहीं हो सकी है। ग्रामीण इलाकों में जहां कृषि पूरी तरह से बारिश और नहरों पर निर्भर है, वहां यह स्थिति बेहद चिंताजनक है। सिंचाई के लिए दूसरी एकमात्र उम्मीद बिजली से चलने वाले ट्यूबवेल हैं, लेकिन वहां भी राहत नहीं मिल पा रही। केसठ पावर सब-स्टेशन पर लगे तीन ट्रांसफार्मरों में से एक ट्रांसफार्मर लगातार ट्रिप कर रहा है। इसका नतीजा यह हुआ कि घंटों तक बिजली गुल रहती है और किसानों को मोटर चलाने का मौका भी नहीं मिल रहा। यह स्थिति तब है जब सरकार द्वारा लगातार कृषि क्षेत्र के लिए बिजली सुधार के दावे किए जाते रहे हैं।

इस गंभीर स्थिति को देखते हुए राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के वरिष्ठ नेता और डुमरांव विधानसभा क्षेत्र से पूर्व प्रत्याशी सुनील कुमार सिंह उर्फ पप्पू यादव ने क्षेत्र का दौरा किया। उन्होंने किसानों से मिलकर उनके हालात जाने और समस्याओं को लेकर नाराजगी जाहिर की। किसानों ने बताया कि ष्डबल इंजन की सरकारष के बावजूद, सिंचाई के बुनियादी संसाधनों का अभाव बना हुआ है। नहरों में पानी नहीं है, और बिजली की सप्लाई लगातार बाधित हो रही है।

पप्पू यादव ने स्थानीय प्रशासन और संबंधित विभागों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए मांग की कि डुमरांव नहर में तत्काल पानी छोड़ा जाए और केसठ पावर सब-स्टेशन के खराब ट्रांसफार्मर की मरम्मत अविलंब कराई जाए। उन्होंने कहा कि यदि यह संकट शीघ्र समाप्त नहीं हुआ, तो हजारों किसानों की फसलें बर्बाद हो जाएंगी और वे कर्ज के दलदल में फंस सकते हैं।

उन्होंने चेतावनी दी कि अगर विभागों ने समय पर कार्रवाई नहीं की, तो वे किसानों के साथ सड़क पर उतरकर आंदोलन करेंगे। पप्पू यादव ने कहा कि कृषि बिहार की रीढ़ है, और यदि किसान ही कमजोर हो जाएगा तो ग्रामीण अर्थव्यवस्था पूरी तरह चरमरा जाएगी।

बक्सर के विज्ञान शिक्षकों की धीमी गति से इनोवेशन अपलोड, जिले की प्रगति पर असर

- पिछले साल बक्सर का रहा है शानदार प्रदर्शन, राष्ट्रीय स्तर पर चयनित हुए थे आठ नवाचार

फाइल फोटो

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर जिले में इंस्पायर अवार्ड मानक योजना के तहत नवाचार विचारों (इन्नोवेटिव आइडियाज) को पोर्टल पर अपलोड करने की प्रक्रिया धीमी पड़ती नजर आ रही है। केंद्र सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा संचालित इस योजना का उद्देश्य कक्षा 6 से 12वीं तक के छात्रों में नवाचार को बढ़ावा देना है। लेकिन जिले के विज्ञान शिक्षक और नवाचार प्रशिक्षण प्राप्त इन्नोवेटिव चौंपियन्स अपेक्षित गति से कार्य नहीं कर पा रहे हैं।

बता दें कि पिछले वर्ष जिले ने इस योजना में सराहनीय प्रदर्शन किया था। बक्सर के आठ नवाचार विचार राष्ट्रीय स्तर पर चयनित हुए थे और कुल 69 विद्यार्थियों को 10 हजार रूपए की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई थी। इस सफलता से उत्साहित जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग ने इस वर्ष लक्ष्य को दोगुना करने का संकल्प लिया है। इसके लिए जिला शिक्षा कार्यालय ने विशेष दिशा-निर्देश जारी करते हुए हर विद्यालय से अधिकतम छात्रों के नवाचार विचार अपलोड कराने का निर्देश दिया है। जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (समग्र शिक्षा) मोहम्मद शारिक अशरफ ने बताया कि इस दिशा में ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से कार्य को गति दी जा रही है। शिक्षकों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि वे नवाचार संबंधी विचारों को संकलित कर समयबद्ध तरीके से पोर्टल पर अपलोड करें। विशेष रूप से उन शिक्षकों को, जिन्होंने पुणे में नवाचार प्रशिक्षण प्राप्त किया है, प्राथमिकता के आधार पर अपने विद्यालयों के विचार अपलोड करने के लिए कहा गया है। लेकिन, जमीनी स्तर पर स्थिति भिन्न है। प्रशिक्षण प्राप्त कई शिक्षक अपने-अपने विद्यालयों से नवाचार आइडिया अपलोड करने में कछुआ गति से काम कर रहे हैं। इससे जिले के समग्र प्रदर्शन पर असर पड़ने की आशंका है। शिक्षा विभाग ने चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर समय पर कार्य नहीं किया गया तो संबंधित विद्यालयों को चिन्हित कर राज्य स्तर पर रिपोर्ट भेजी जाएगी और जवाबदेही तय की जाएगी। वहीं, राज्य साधन सेवी डॉ. मनीष कुमार शशि ने योजना की सराहना करते हुए इसे ग्रामीण प्रतिभाओं के लिए एक सुनहरा अवसर बताया। संभाग प्रभारी सुरेंद्र सिंह ने भी सभी विद्यालयों से आग्रह किया है कि वे बिना देर किए अपने छात्रों के नवाचार विचार अपलोड करें। गौरतलब हो कि बक्सर जिले की पिछली उपलब्धि को देखते हुए यह आवश्यक है कि सभी संबंधित शिक्षक और विद्यालय समय रहते सक्रिय भूमिका निभाएं, ताकि जिले की नवाचार यात्रा रुकने न पाए और ग्रामीण प्रतिभाओं को राष्ट्रीय मंच मिल सके।

ऑनलाइन पांच इन्नोवेटिव आईडियाज अपलोड करने वाले प्रखंड

सिमरी	21 विद्यालय	बक्सर	06 विद्यालय
चौगाईं	05 विद्यालय	डुमरांव	03 विद्यालय
चौसा	02 विद्यालय	चक्की	00 विद्यालय
इटाढ़ी	02 विद्यालय	ब्रह्मपुर	02 विद्यालय
नवानगर	03 विद्यालय	राजपुर	02 विद्यालय
केसठ	04 विद्यालय		

एक नजर

मारपीट व लूट के मामले में फरार आरोपित गिरफ्तार

बक्सर। मुफस्सिल थाना क्षेत्र के नई बाजार मठिया से लूट और फायरिंग के एक पुराने मामले में फरार चल रहे आरोपित को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। गिरफ्तार युवक की पहचान स्व. गणेश सिंह के पुत्र मधुसूदन कुमार के रूप में की गई है। मुफस्सिल थानाध्यक्ष ने बताया कि आरोपित के खिलाफ कांड संख्या 144/24 के तहत आईपीसी की धारा 394 और आर्म्स एक्ट की धारा 27 के अंतर्गत मामला दर्ज है। घटना कुछ माह पूर्व की है, जब दैतरा बाबा के समीप एक व्यवसायी से बाइक लूटने की नीयत से मधुसूदन ने उस पर फायरिंग की थी। गोली चलने की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे, जिससे आरोपी मौके से भाग निकला। इस वारदात में व्यवसायी गंभीर रूप से घायल हो गया था, जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था। घटना के बाद से ही मधुसूदन कुमार फरार चल रहा था और पुलिस उसकी लगातार तलाश कर रही थी। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने उसे उसके घर से दबोच लिया। थाना प्रभारी शम्भू भगत ने बताया कि आरोपित को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है और मामले में आगे की कार्रवाई जारी है। पुलिस ने दावा किया है कि क्षेत्र में अपराधियों के खिलाफ लगातार अभियान चलाकर कानून-व्यवस्था को सख्त किया जा रहा है।

दिव्यांग आयोग के गठन की दिव्यांगों ने की

डुमरांव। दिव्यांग संघ के जिला सह प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष अगस्त उपाध्याय ने दिव्यांगों के साथ रविवार को नगर के एक सभागार में बैठक आयोजित की। बैठक में जिलाध्यक्ष ने कहा कि दिव्यांगों के कल्याणार्थ दिव्यांग आयोग का गठन होना चाहिए। आयोग का गठन होने से सरकार के पास अपनी बात को रखने का मौका मिलेगा। बैठक में अनुमंडल अध्यक्ष बिशोका चंद्र, विष्णु पासवान, श्रीकांत पांडेय, प्रमोद कुमार, अमल तिवारी, अंजली कुमारी, धर्मेन्द्र तिवारी, उमेश सिंह, जीतेन्द्र पांडेय, जीतेन्द्र ठाकुर सहित अन्य मौजूद रहे।

केसठ वार्ड 13 में भारी बारिश से सड़क धंसी, दो बच्चे गड्ढे में गिरे, बड़ा हादसा टला

केसठ। प्रखंड के केसठ पंचायत अंतर्गत वार्ड संख्या 13 में शनिवार की देर रात हुई मूसलधार बारिश ने बड़ी तबाही मचा दी। तेज बारिश के कारण वार्ड की मुख्य सड़क पर भूस्खलन हो गया, जिससे सड़क का एक बड़ा हिस्सा धंस गया और वहां करीब 8 से 10 फीट गहरा गड्ढा बन गया।

बता दें कि यह सड़क पूरे वार्ड की प्रमुख संपर्क मार्ग है, जिससे रोजाना सैकड़ों लोगों की आवाजाही होती है। रविवार की सुबह जब ग्रामीणों ने गड्ढे को देखा तो इलाके में अफरा तफरी मच गई। लोगों ने तुरंत इसकी जानकारी पंचायत मुखिया अरविंद कुमार यादव उर्फ गामा पहलवान और बीडीसी सदस्य असलम हुसैन को दी। सूचना मिलते ही बीडीसी सदस्य मौके पर पहुंचे और हालात का जायजा लिया। उन्होंने ग्रामीणों को जल्द से जल्द मरम्मत कराने का आश्वासन दिया। स्थानीय निवासी अनिल कुमार, अरुण मिश्र, फिरोज अंसारी समेत अन्य लोगों ने बताया कि यह सड़क पहले से ही जर्जर थी। ऊपर सिर्फ पेवर ब्लॉक बिछा दिया गया था, लेकिन नीचे की मिट्टी की भराई सही ढंग से नहीं की गई, जिससे लगातार हो रही बारिश के चलते मिट्टी बह गई और सड़क धंस गई।ग्रामीणों ने यह भी बताया कि सड़क के पास ही एक पुराना कुआं स्थित है, जो अब भूस्खलन की चपेट में आ गया है। अगर वह कुआं भी धंस गया, तो बहुत बड़ी दुर्घटना हो सकती है। इस बीच रविवार की सुबह दो छोटे बच्चे खेलते हुए इस गड्ढे में गिर गए। सौभाग्यवश उन्हें कोई गंभीर चोट नहीं आई, लेकिन यह घटना भविष्य के खतरे की घंटी जरूर है।ग्रामीणों ने प्रशासन से अपील की है कि सड़क की शीघ्र मरम्मत कराई जाए और सुरक्षात्मक उपाय किए जाएं, ताकि भविष्य में कोई जानमाल की क्षति न हो। फिलहाल गांव में दहशत का माहौल बना हुआ है।

पीएम के 11 साल बेमिसाल के उपलक्ष्य में भाजपा नेता अखिलेश ने निकाला भव्य पदयात्रा

केटी न्यूज/रोहतास

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सेवा,सुशासन और गरीब कल्याण के 11 वर्षों की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से आयोजित 11 किलोमीटर की पदयात्रा में रविवार को जनसैलाब उमड़ पड़ा। भव्य पदयात्रा भलूनी धाम से प्रारंभ होकर देवड़ीधाम तक निकाली गई। जिसका नेतृत्व भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अखिलेश सिंह ने किया। जनसंपर्क यात्रा में हजारों की संख्या में श्रद्धालु,भाजपा कार्यकर्ता व स्थानीय नागरिक शामिल हुए। पदयात्रा के दौरान विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी लोगों को दी गई। जिनमें मुफ्त राशन, किसान सम्मान निधि,महिलाओं को आरक्षण,आयुष्मान भारत योजना,मुद्रा योजना, मुफ्त बिजली और धार्मिक स्थलों का विकास शामिल है। पदयात्रा में मुख्य रूप से शामिल लोगों में रोहतास युवा भाजपा के जिलाध्यक्ष रितेश राज, बबलू सिंह, आशा सिंह, हरेराम ठाकुर, सोनू ठाकुर,महेंद्र पासवान,ढुनमुन सिंह,पंकज कुमार,मुकेश मिश्रा,दीपक चौरसिया, मनोज पासवान, भिखारी सिंह,शशि भूषण सिंह,राधा कृष्ण सिंह,मंटू सिंह,कुश सिंह और भाजपा दावथ मंडल अध्यक्ष कृष्ण मिश्रा सहित अनेक वरिष्ठ कार्यकर्ता और स्थानीय नेता उपस्थित रहे।

भक्तिभाव और जनउत्साह से भरी इस पदयात्रा का समापन देवड़ीधाम में मां सिद्धेश्वरी के दर्शन और आशीर्वाद के साथ हुआ,जहां सभी ने देश,समाज और क्षेत्र के विकास हेतु संकल्प लिया। अखिलेश कुमार ने इस ऐतिहासिक आयोजन में भाग लेने वाले सभी श्रद्धालुओं व कार्यकताओं का धन्यवाद ज्ञापित किया और इसे जनता की भाजपा के प्रति आस्था का प्रमाण बताया।

एक नजर

पुलिस ने दो आरोपी को भेजा जेल

रोहतास। दिनारा थाना की पुलिस ने मारपीट के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए थाना क्षेत्र के इंदौर गांव निवासी विकास कुमार एवं पंकज कुमार को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है ।थानाध्यक्ष विनय कुमार ने बताया कि यह कार्रवाई कांड संख्या 370/25 के तहत की गई है । उन्होंने कहा कि मामले की जांच के क्रम में दोनों आरोपियों की संलिप्तता पाई गई, जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर आगे की कानूनी प्रक्रिया पूरी की गई।

मारपीट मामलें में 6 अभियुक्त गिरफ्तार

रोहतास। पुलिस ने मारपीट के दो अलग-अलग मामलों में कार्रवाई करते हुए 6 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया ।थानाध्यक्ष ललन कुमार ने बताया कि कांड संख्या 527/25 के तहत दर्ज प्राथमिकी में नामजद अभियुक्त दिनेश्वर सिंह पिता स्वर्गीय सरयू सिंह, रितेश कुमार एवं विकास कुमार उर्फ पिंटू (दोनों पिता दिनेश्वर सिंह) को गिरफ्तार किया गया है। वहीं कांड संख्या 528/25 के तहत विजय सिंह,अनिल कुमार सिंह तथा वंशीधर सिंह को भी गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। बताया गया कि सभी अभियुक्त बिक्रमगंज थाना क्षेत्र के खेलड़िया गांव के निवासी हैं। पुलिस ने मामले की जांच के उपरांत आवश्यक कानूनी कार्रवाई की।

जिला के विभिन्न क्षेत्रों में कई घटनाओं को चोर गिरोह दे चुके थे अंजाम

रोहतास एसपी ने गृहभेदन चोरी मामलें का किया उद्भेदन, गहने साथ 4 गिरफ्तार

केटी न्यूज/रोहतास

डिहरी (रोहतास) नासरीगंज थाना क्षेत्र के इटिम्हा बाजार में स्थित एक ज्वेलर्स के दूकान का शटर काटकर अज्ञात चोरों के द्वारा दूकान में रखे गहना जेवर की चोरी के मामले के साथ हीं काराकाट, संझौली एवं आयरकोठा थाना क्षेत्र में हुई कई घरों में चोरी की घटनाओं का पुलिस ने उद्भेदन किया है। इन मामलों में चार चोरों को गिरफ्तार किया गया तथा चोरी के जेवर भी बरामद किये गए है। एसपी रोहतास रौशन कुमार ने प्रेस प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि चोरी की इन घटनाओं को गंभीरता से लिया गया एवं अज्ञात चोरों की गिरफ्तारी तथा चोरी गये सामानों की बरामदगी के लिए अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी, बिक्रमगंज कुमार संजय के नेतृत्व में एक विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया।

जिसमें थानाध्यक्ष नासरीगंज थानाध्यक्ष काराकाट, थानाध्यक्ष संझौली एवं थानाध्यक्ष आपरकोठा तथा तकनिकी सहायता के लिए जिला आसूचना इकाई, रोहतास की टीम को भी शामिल किया गया।गठित टीम को यह सूचना प्राप्त हुई की सीमावर्ती जिला औरंगाबाद के बारून थाना क्षेत्र के बहुती गाँव में भी इसी तरह से अज्ञात चोरों के द्वारा एक घर से गहना जेवर के साथ एक मोबाईल की भी चोरी कर ली गई है। गठित पुलिस टीम के द्वारा थानाधाक्ष, बारून से संपर्क किया गया एवं वहाँ घटित घटना की जानकारी ली गई। पुलिस टीम के द्वारा सभी घटनास्थलों के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाला गया। जिसमें कुछ संदिग्ध व्यक्तियों का फुटेज प्राप्त हुआ। जिनकी पहचान की गई तथा उन व्यक्तियों पर निगरानी रखी गाई। सीटीवी फुटेज में आये संदिग्ध व्यक्तियों के निगरानी के क्रम में उनके गतिविधि का तकनिकी रूप से विश्लेषण के उपरांत सरीया निवासी संदिग्ध ओम प्रकाश कुमार पिता मनजी सिंह को अभिरक्षा में लिया गया एवं उनके घर की तलाशी ली गई जहाँ से औरंगाबाद के बारून थाना क्षेत्र के बहुती गाँव से चोरी गई एक मोबाईल बरामद किया गया। जिसकी सूचना थानाध्यक्ष बारून को भी दी गई। गठित पुलिस टीम एवं औरंगाबाद की पुलिस टीम ने संयुक्त रूप से अभिरक्षा में लिये गये ओम प्रकाश कुमार से घटना के संबंध में पूछताछ किया। जिसमें ओम प्रकाश कुमार ने चोरी के गिरोह का खुलासा किया। पूछताछ में ओम प्रकाश कुमार ने बताया कि चोरी के इस गिरोह का सरगना नासरीगंज थाना क्षेत्र के पवनी निवासी बिद्ध कुमार पिता धर्मेन्द्र सिंह एवं इस गिरोह में इनके अलावा पवनी का हीं विकास कुमार पिता स्वः नन्हक रजवार राजपुर के मोनु कुमार पिता शिव साह तथा दो अन्य व्यक्ति है। जिनकी पहचान की जा चुकी है। ओमप्रकाश कुमार के निशानदेही पर बिट्ठू कुमार एवं विकास कुमार को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार बिट्ठू कुमार, ओम प्रकाश एवं विकास कुमार से घटना के संबंध में पूछताछ की गई। जिनके निशानदेही पर राजपुर निवासी मोनू कुमार पिता शिव साव के घर में छापामारी की गई। जहाँ से नासरीगंज थाना क्षेत्र के इटिम्हा बाजार में स्थित ज्वेलर्स के दूकान से चोरी गई एक सोने का मंगल सूत्र, एक जोड़ी सीने का कानवाली, एक पीस सोने का नथिया, 4पीच सोने का अंगूठी, एक सोने का ढोलना, एक सोने का टॉप, सात जोड़ा चाँदी का पायल, एक जोड़ी चाँदी का पंजा, एक पीस चाँदी का कमरधनी, एक पीस चाँदी का बिंदिया, चार पीस चाँदी लड़ी वाला बिंदिया, तेरह पीस चाँदी का बिछिया, एक पीस चाँदी का कड़ा बरामद किया गया तथा घर से ही मोनू कुमार पिता शिव साय को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों के पूछताछ के आधार पर डिहरी नगर थाना क्षेत्र के बाबूगंज में स्थित धर्मेन्द्र प्रसाद के व्वेलर्स के दुकान में छापामारी की गई। जहाँ से बारून थाना क्षेत्र के बहुती गाँव के एक घर से चोरी गये सोना का मंगलसूत्र, सोना का मींग टीका, सोना का एक जोया कर्णपूल, सोना का एक घोटा झुमका, सोना का तीन अंगूठी, चाँदी का पांच जोड़ा पायल, चाँदी का पांच जोड़ा छोटा पायल, चाँदी का तीन जोड़ी बच्चा का बलिया, चाँदी का एक पीस लरी वाला बिछिया, चाँदी को एक जोडा बिछिया बरामद किया गया तथा दुकान का मालिक धर्मेन्द्र प्रसाद पिता स्व० रामलखान साह को गिरफ्तार किया गया।

पूर्व के विवाद को लेकर किसान की लाठी-डंडों से पीट-पीटकर हत्या

- इलाज के दौरान सदर अस्पताल की इमरजेंसी वार्ड में उन्होंने तोड़ा दम
- पुलिस ने शव का सदर अस्पताल में कराया पोस्टमार्टम
- धनगाई थाना क्षेत्र के शिवपुर दुर्गा स्थान के समीप शनिवार की शाम घटी घटना

केटी न्यूज/आरा

आरा। जिले के धनगाई थाना क्षेत्र के शिवपुर दुर्गा स्थान के समीप शनिवार की शाम पूर्व के विवाद को लेकर लाठी डंडों से पीट-पीटकर एक किसान की हत्या कर दी गई। इलाज के दौरान सदर अस्पताल की इमरजेंसी वार्ड में उन्होंने दम तोड़ दिया। मृतक के शरीर पर दाहिने साइड पेट पर जख्म का निशान पाया गया है। मारपीट के दौरान मृतक का दाहिना हाथ व दाहिना एवं बाया पैर टूट गया है। घटना को लेकर लोगों के बीच काफी देर तक अफरा-तफरी मची रही। जानकारी के अनुसार मृतक तीयर थाना क्षेत्र के अरैला गांव वार्ड नंबर 9 निवासी स्व. झगड़ु यादव के 55 वर्षीय पुत्र जय प्रकाश यादव है एवं वह किसान थे। इधर, मृतक के बेटे अमरनाथ यादव ने बताया कि उन्होंने अपनी बहन रितु देवी की शादी वर्ष 2007 में धनगाई थाना क्षेत्र के शिवपुर गांव निवासी रविंद्र सिंह यादव से की थी। शादी के कुछ वर्ष बीत जाने के बाद से ही उसके भैस राजू सिंह यादव द्वारा संपत्ति बंटवारे को लेकर झगड़ा किया जाता था। उनके द्वारा उनकी बेटी रितु देवी मारपीट की जाती और बराबर उसे प्रताड़ित किया जाता था। उसने बताया कि एक वर्ष पूर्व उसकी बहन के ससुराल शिवपुरी में उसके जीजा रविंद्र सिंह यादव के बड़े भाई राजू सिंह यादव के बीच संपत्ति बंटवारे को लेकर झगड़ा हुआ था। उस समय वह और उसके पिता उसके ससुराल समझौता करने गए थे। वहां पर समझौते के दौरान उसके पिता के साथ मारपीट की गई थी। जिसको लेकर प्राथमिकी भी दर्ज कराई गई थी। हालांकि केस सुलह हो गया था। शनिवार को उसके पिता अपने गांव से जगदीशपुर गांव छेना बचने के लिए गए थे। छेना बचने के बाद शनिवार की शाम जब वह ऑटो पर सवार होकर वापस गांव लौट रहे थे। इसी बीच शिवपुरी दुर्गा स्थान के समीप छह लोग आए और उन्हें जबरन ऑटो से उतर कर लाठी-डंडे से जमकर पिटाई कर दी। जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गए। सूचना पाकर परिजन वहां पहुंचे और उन्हें इलाज के लिए जगदीशपुर अनुमंडलीय अस्पताल से आरा सदर अस्पताल ले आए। जहां इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। इसके पश्चात परिजनो ने इसकी सूचना स्थानीय थाना को दी। सूचना पाकर स्थानीय थाना सदर अस्पताल पहुंची और शव का पोस्टमार्टम करवाया। वहीं दूसरी तरफ मृतक के बेटे अमरनाथ यादव ने अपने बहन के भैंसुर राजू सिंह यादव एवं उनके साथ रहे पांच अन्य लोगों पर एक साल पूर्व हुए विवाद को लेकर लाठी-डंडे एवं लोहे के रॉड से पीट-पीटकर उनकी हत्या करने का आरोप लगाया है। बहरहाल पुलिस अपने स्तर से मामले की छानबीन कर रही है। बताया जाता है कि मृतक के परिवार में पत्नी सोना देवी, तीन पुत्र अमरनाथ यादव, सोमनाथ यादव, विश्वनाथ यादव व दो पुत्री संध्या देवी एवं रितु देवी है। घटना के बाद मृतक के घर में हाहाकार मच गया है। इस घटना के बाद मृतक की पत्नी सोना देवी एवं परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

भ्रष्टाचार : हाई कोर्ट की धज्जियां उड़ा गणिनाथ कॉलेज में छात्रों से हो रही जबरन फीस वसूली

- एससी-एसटी से जबरन फीस वसूली में कॉलेज कर्मियों पर छात्रों ने लगाया आरोप

केटी न्यूज/रोहतास

डेहरी ऑन सोन (रोहतास) जिला क्षेत्र के बाबा गणिनाथ कॉलेज डेहरी ऑन सोन पर विश्वविद्यालय के निर्देश और हाईकोर्ट के आदेश को नजरअंदाज कर छात्रों व एससी व एसटी वर्ग के छात्रों से लगातार शुल्क वसूली किये जाने का मामला गंभीर रूप लेता जा रहा है। इस संबंध में सामाजिक कार्यकर्ता डॉ विद्या शंकर ने कुलाधिपति को पत्र भेजकर तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। पत्र में कहा गया है कि कॉलेज के अध्यक्ष सह विश्वविद्यालय प्रतिनिधि डॉ रमेश कुमार, सचिव डॉ. रामेश्वर प्रसाद व प्रभारी प्राचार्य डॉ.अखिलेश कुमार द्वारा हाईकोर्ट के स्पष्ट आदेश के बावजूद छात्राओं व अनुसूचित जाति-जनजाति वर्ग के छात्रों से अवैध रूप से शुल्क वसूला जा रहा है। आरोप है कि इस अवैध वसूली की राशि का आपसी बंदरबांट भी किया जा रहा है, जो वित्तीय अनियमितता को श्रेणी में आता है। इस विषय में 12 नवंबर 2024 को डॉ विद्या शंकर द्वारा डेहरी अनुमंडल पदाधिकारी को आवेदन देकर पूरे मामले की जानकारी दी गयी थी। इस संदर्भ में एसडीएम ने मामले की गंभीरता को समझते हुए जांच की और जांच रिपोर्ट विश्वविद्यालय को भेज दी। बावजूद इसके आज तक विश्वविद्यालय द्वारा किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं की गयी है। डॉ. विद्या शंकर का कहना है कि जब छह महीने से ज्यादा समय बीत जाने के बाद भी विश्वविद्यालय स्तर से कोई कदम नहीं उठाया गया, तो यह स्पष्ट है कि विश्वविद्यालय के शीर्ष अधिकारी भी इस गड़बड़ी में शामिल हैं या दोषियों को संरक्षण दे रहे हैं। उन्होंने कुलाधिपति से अनुरोध किया है कि इस मामले में संलिप्त सभी अधिकारियों व विश्वविद्यालय के दोषी पदाधिकारियों पर कठोर कार्रवाई की जाये और सभी छात्राओं व एससी व एसटी छात्रों से वसूला गया शुल्क वापस किया जाये।

सावन की अंतिम सोमवारी पर बक्सर जल लाने अवदानी बिगहा से निकला कांवरियों का जत्था

काराकाट । काराकाट प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत देवमार्कण्डेय के निज ग्राम अवदानी बिगहा स्थित त्रयासिनी माता मंदिर से रविवार को कांवरियों का भव्य जत्था बक्सर के लिए रवाना हुआ । करीब दो सौ की संख्या में श्रद्धालुओं का यह जत्था बक्सर की ओर गया । रवाना होने से पूर्व कांवरियों ने देवमार्कण्डेय गांव में बाबा भोलेनाथ के मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया । जत्था के सभी कांवरिये आज सावन माह की अंतिम सोमवारी के पावन अवसर पर अवदानी बिगहा ग्राम के त्रयासिनी माता पर जलाभिषेक करेंगे । भक्ति और उत्साह से भरे कांवरियों का यह जत्था पूरे रास्ते हर-हर महादेव के जयघोष के साथ आगे बढ़ा । श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बन रहा था । स्थानीय लोगों ने भी जगह-जगह पर कांवरियों का स्वागत किया । सावन के अंतिम सोमवारी पर क्षेत्र में आस्था और उल्लास का विशेष वातावरण देखने को मिला ।

महागठबंधन के इशारे पर अपराधी कर रहें मौत का तांडव : डॉ. मनीष

- जंगलराज पार्ट-2 अपराधियों के नए मुखिया बनें तेजस्वी

केटी न्यूज/रोहतास

बिक्रमगंज (रोहतास) पटना से लेकर बिहार के कई जिलों इन दिनों सड़कों पर खुलेआम लोगों के साथ मौत तांडव अपराधियों ने मचा रखा है। जिसके कारण बिहार की जनता एक बार पुनः महागठबंधन के गुंडों का शिकार बनती जा रही हैं। इस पर दुःख व्यक्त करते हुए के काराकाट विधानसभा के युवा भाजपा नेता सह प्रदेश कार्य समिति सदस्य डॉ. मनीष रंजन ने अपनी प्रतिक्रिया व्यक्ति करते हुए बताया कि इस खूनी तांडव का मुख्य कारण बिहार में होने वाली विधानसभा चुनाव में एनडीए सरकार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सहित कार्यकताओं को बदनाम करना है। ताकि जनता के नजरों में महागठबंधन अपने आप को सर्वश्रेष्ठ साबित कर सकें। सबसे सोचिए बात है कि आखिर विधानसभा चुनाव आते ही बिहार में मौत का खूनी खेल कैसे जारी हो जाता हैं। जिससे स्पष्ट होता है अब बिहार में महागठबंधन का पतन होना शुरू हो गया हैं। जिस साख को बचाने के लिए महागठबंधन के अपराधी कार्यकताओं बिहार में पार्टी कार्यकर्ता, व्यवसायी, आमजन के साथ मौत का खूनी खेल खेल रहें है।

डॉ. मनीष ने बिहार में हुई हालिया आपराधिक घटनाओं का हवाला देकर कहा कि बिहार में एनडीए की सुशासन सरकार है। जहां कानून-व्यवस्था को हाथ में लेने वालें अपराधियों को गोली की जवाब गोली से दी जायेगी। साथ ही पुनः बिहार में एनडीए सरकार जनता बनायेगी।

लालू के शासनकाल में बिहार में लोग थे गुलाम : उन्होंने बताया कि लालू यादव के राज में था अपराध का बोलबाला 1990 में जब लालू यादव पहली बार बिहार के मुख्यमंत्री बने, तब उन्होंने खुद को सामाजिक न्याय का मसीहा बताया। पिछड़े वर्गों को सत्ता में हिस्सेदारी दिलाना उनका मिशन था। लेकिन जल्द ही उनके शासन पर भ्रष्टाचार, जातिवाद और बिगड़ती कानून-व्यवस्था के आरोप लगने लगे। जिसके बाद सत्र 1995-2005 के दशक में बिहार में अपराध, अपहरण, रंगदारी और माफिया राजनीति का बोलबाला हो

तेजस्वी बिहार में गुंडाराज के नए अवतार

आरजेडी ने नेतृत्व में महागठबंधन बिहार की सत्ता से बाहर हो चुकी है। अब पार्टी में लालू-राबड़ी का दौर खत्म हो चुका है। जिस पार्टी की कमान अब तेजस्वी यादव के हाथों में हैं। इसके बावजूद सत्ता पक्ष उन्हें लगातार याद दिलाता है कि तुम उसी जंगलराज की पैदाइश हो वहीं जनता की याददाश्त में जंगलराज एक डरावनी छवि बन गई है। अपराधियों के खुलेआम घूमने की, सरकारी ढांचे के ध्वस्त हो जाने की, और आम लोगों के असुरक्षित महसूस करने की। ऐसे में आज भी जब बिहार में चुनाव आता है, तो यह शब्द वापसी करता है और लालू यादव की विरासत को कटघरे में खड़ा कर देता है। जंगलराज ने लालू यादव की छवि पर ऐसा दाग लगाया जो अब उनके बेटे की राजनीति तक पीछा नहीं छोड़ता। जिस महागठबंधन के गुंडाराज पुनः बिहार में स्थापित करने के लिए तेजस्वी यादव अपराधियों का टीम तैयार कर उसका नेतृत्व करने में लगें है।

खेल से ही है पहचान : खेलो इंडिया के तहत तिलौथू में हुआ ऐतिहासिक आयोजन

अस्मिता योगासना सिटी लीग 2025-26 का भव्य आयोजन संपन्न

केटी न्यूज/रोहतास

राधा शांता महाविद्यालय, तिलौथू परिसर रविवार को उस समय योग एवं खेल भावना से ओतप्रोत हो उठा, जब अस्मिता योगासना सिटी लीग 2025-26 का भव्य आयोजन "खेलो इंडिया" योजना के अंतर्गत संपन्न हुआ। "खेल से ही है पहचान" जैसे प्रेरक संदेश को आत्मसात करते हुए यह एक दिवसीय आयोजन युवाओं और जनमानस के बीच स्वास्थ्य, अनुशासन और राष्ट्र निर्माण के संदेश का वाहक बन गया। इस ऐतिहासिक आयोजन के मुख्य अतिथि डिहरी के अनुमंडल पदाधिकारी महोदय रहे, जिनकी प्रेरणादायी उपस्थिति ने कार्यक्रम को गौरवपूर्ण बना दिया। विशिष्ट अतिथियों में बीडीओ अंकिता जैन, बीईओ रजनीश सर तथा सीओ महोदय की गरिमामयी उपस्थिति ने आयोजन को नई ऊंचाइयों तक पहुँचाया। मंच पर राधा शांता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अशोक सिंह, डालमिया सीमेंट से जुड़े ल्फ अधिकारी संजय झा, आयोजन समिति की अध्यक्ष बबिता देवी, सचिव सांवली सिन्हा, दीपक चौधरी एवं अन्य गणमान्य लोगों की सक्रिय सहभागिता ने कार्यक्रम की भव्यता को और निखारा।कार्यक्रम का अत्यंत कुशल संचालन शिक्षक संघ के जिला सचिव प्रियेश श्रीवास्तव ने किया, जिन्होंने अपने शालीन और ऊजार्वान शैली से उपस्थितजनों को पूरे आयोजन से जोड़े रखा। निर्णायक की भूमिका में सुधाकर मिश्र उर्फ रितेश मिश्रा ने अपना योगदान दिया। अतिथियों ने अपने प्रेरणास्पद संबोधन में योग, आसन और खेल को न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक एवं आत्मिक विकास का साधन बताते हुए इसे जीवनशैली में शामिल करने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री मुफ्त बिजली योजना का लाभ मिलते ही घरेलू उपभोक्ताओं में खुशी

केटी न्यूज/रोहतास

मुख्यमंत्री विद्युत उपभोक्ता सहायता योजना के तहत विद्युत आपूर्ति प्रमंडल सासाराम के घरेलू उपभोक्ताओं को 125 यूनिट मुफ्त बिजली का लाभ शनिवार से मिलना शुरू हो गया। बिक्रमगंज अनुमंडल क्षेत्र के सूर्यपूरा प्रखंड निवासी व विद्युत उपभोक्ता मीरा देवी, इंदु देवी,राम इकबाल सिंह,संजय सेठ तथा दावथ प्रखंड के इटवा निवासी रिंकू देवी ने पहला शून्य बिजली बिल प्राप्त किया। मुफ्त बिजली बिल पाकर इनके चेहरे खुशी से खिल उठे। विद्युत कार्यपालक अभियंता सासाराम ब्रवीम ने जानकारी दी है कि जुलाई महीने की बिलिंग प्रक्रिया शुरू हो गई है व इस महीने तक बिलिंग होगी। जैसे-जैसे बिल बनेगा उपभोक्ताओं को लाभ मिलता जाएगा। आगे बताया गया कि घर-घर बिजली बिल लोगों तक पहुंचेगा। पोस्टपेड हो या प्रीपेड सभी को कलर बिजली बिल तैयार कर दिया जाएगा। मीटर रीडर बिल देने के साथ यह भी बताएंगे कि कैसे आपको मुख्यमंत्री मुफ्त बिजली यूनिट मिली है । जिनका बिजली खपत प्रत्येक महीने 125 यूनिट से कम है। इसमें पोस्टपेड और प्रीपेड दोनों वर्ग के बिजली उपभोक्ता शामिल हैं। जो मुफ्त यूनिट से कम खपत वाले उपभोक्ताओं को कोई फिक्स चार्ज,ऊर्जा शुल्क आदि नहीं लगेगा। जबकि फ्री यूनिट से अधिक बिजली खपत करने वाले उपभोक्ताओं को बिजली बिल का भुगतान करना होगा। भुगतान पुराना अनुदान पर बिजली बिल के अनुसार करना होगा। विद्युत आपूर्ति प्रमंडल सासाराम के अंतर्गत लगभग तीन लाख घरेलू उपभोक्ता हैं। जिसमें से 1.91 लाख उपभोक्ताओं का खपत 125 यूनिट से कम है।

मुख्यमंत्री ने तमाम अधिकारियों को अलर्ट रहने का दिया निर्देश

सीएम नीतीश अचानक पहुंचे पुलिस मुख्यालय, आपदा प्रबंधन के कंट्रोल रूम का किया निरीक्षण

एजेंसी/पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार रविवार को राजकीय पुलिस मुख्यालय पहुंचे, जहां उन्होंने आपदा प्रबंधन विभाग के कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया। राज्य में लगातार हो रही बारिश और संभावित बाढ़ की स्थिति को देखते हुए मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से राज्यभर के हालात की विस्तृत जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने यह जाना कि किस जिले में कितनी बारिश हुई है, किन क्षेत्रों में स्थिति गंभीर है, कौन-कौन सी नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं और बाढ़ का खतरा किन जिलों में मंडरा रहा है। सीएम ने तमाम अधिकारियों को अलर्ट रहने को कहा है।उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि आपदा प्रबंधन विभाग के साथ-साथ सभी जिलों के प्रशासनिक अधिकारी पूरी तरह सचेत रहें। किसी भी आपदा या आपात स्थिति से निपटने के लिए समुचित तैयारी रखने और त्वरित कार्रवाई के निर्देश भी मुख्यमंत्री ने दिए हैं।

दो साल की बच्ची की दर्दनाक मौत परिजनों पर टूटा दुखों का पहाड़

एजेंसी/दरभंगा

दरभंगा जिले के कमतौल थाना क्षेत्र अंतर्गत निमरौली गांव में शनिवार की दोपहर एक दर्दनाक हादसे में दो वर्षीय बच्ची इनारा की खौलते मार (भात का माड़) में गिर जाने से मौत हो गई। मासूम इनारा खुर्शीद आलम की इकलौती पुत्री थी। परिजनों के अनुसार, घटना उस समय हुई जब बारिश के कारण बच्ची की मां निखत घर के अंदर भोजन पका रही थीं और इनारा पास में चौकी पर खेल रही थी। खाना तैयार होने के बाद मां ने गरम माड़ को एक बड़े बर्तन में निकाला और बाहर पानी लेने चली गईं। तभी मासूम इनारा खेलते-खेलते खौलते माड़ में गिर पड़ी। बच्ची की चीख सुनकर मां दौड़ी तो देखती है कि बच्ची बुरी तरह जल चुकी थी।परिजन तुरंत उसे लेकर पहले एक निजी चिकित्सक के पास पहुंचे, लेकिन डॉक्टर द्वारा अधिक पैसे की मांग किए जाने के कारण वे इलाज नहीं करवा सके। इसके बाद बच्ची को डीएमसीएच (दरभंगा मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल) ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। बच्ची के पिता खुर्शीद आलम मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते हैं। उन्होंने बताया कि इनारा उनके पांच बेटों के बाद एकमात्र बेटी थी। बच्ची की असामयिक मौत से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। बेंता थाना पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा और प्रक्रिया पूरी कर परिजनों को सौंप दिया है। घटना के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल है।

खगड़िया पुलिस की बड़ी कार्रवाई, लूटकांड का खुलासा, 10 इनामी अपराधी समेत 15 गिरफ्तार

- 24 घंटे के भीतर जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए कुल 15 आरोपियों को गिरफ्तार किया

एजेंसी/पटना

विधानसभा चुनाव के मद्देनजर खगड़िया पुलिस द्वारा चलाए जा रहे सघन छापेमारी अभियान के तहत पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। एसपी राकेश कुमार ने शनिवार को आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में बताया कि बीते 24 घंटे के भीतर जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए कुल 15 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें लूटकांड, हत्या के प्रयास, नशाखोरी, पॉक्सो एक्ट और अन्य गंभीर अपराधों में शामिल आरोपी शामिल हैं। महेशखूंट थाना क्षेत्र में हुई लूट और छिनतई की घटनाओं के विरुद्ध ग्रि३५ी कार्रवाई करते हुए पुलिस ने तीन शातिर अपराधियों अमरजीत कुमार उर्फ अंबा, छोटू कुमार और अंशुमन कुमार उर्फ सुमन कुमार को गिरफ्तार किया। डीएसपी गोगरी रमेश कुमार के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने इन्हें रोहड़ी ढाला के पास से धर दबोचा। तलाशी में एक देसी कट्टा, पांच जिंदा कारतूस, दो खोखा, पांच मोबाइल, दो सोने की बाली और एक यामाहा फ१5 बाइक बरामद की गई।

50 हजार का इनामी अपराधी सिन्दू यादव गिरफ्तार

दूसरी बड़ी कार्रवाई में डीआईयू खगड़िया, एसटीएफ पटना और चौथम थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने छापेमारी कर खगड़िया जिले के टॉप-10 कुख्यात अपराधियों में शामिल सिन्दू यादव को गिरफ्तार किया। उस पर हत्या के प्रयास, एससी/एसटी एक्ट और आर्म्स एक्ट समेत कुल आठ संगीन मामले दर्ज हैं। सरकार ने उस पर 50,000 रुपये का इनाम घोषित कर रखा था।

अन्य मामलों में 15 गिरफ्तारी

एसपी ने बताया कि पुलिस द्वारा की गई अन्य कार्रवाई में हत्या, हत्या के प्रयास, नशाखोरी, पॉक्सो एक्ट और गैर-जमानती वारंटियों सहित कुल 15 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें दो नशेड़ी, एक हत्या कांड में वांछित, दो हत्या प्रयास में शामिल, एक पॉक्सो एक्ट के तहत, एक शराब मामले में और सात अजमानतीय वारंटी शामिल हैं।

तकनीक और सूचना तंत्र से अपराध पर कसा जा रहा शिकंजा

एसपी राकेश कुमार ने कहा कि खगड़िया पुलिस आमजन की सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए लगातार अभियान चला रही है। हर कार्रवाई में तकनीकी निगरानी, मानव सूचना तंत्र और विभिन्न इकाइयों के समन्वय से अपराधियों पर नकेल कसी जा रही है।

अभियान में इन अधिकारियों की रही अहम भूमिका

इन अभियानों में महेशखूंट थाना अध्यक्ष मिथिलेश कुमार, चौथम थाना अध्यक्ष अजीत कुमार, पुअनि राजू कुमार, प्रमोद कुमार, जितेन्द्र कुमार निराला, पुअनि संतोष कुमार, डीआईयू शाखा के पुअनि चंदन कुमार यादव, डीआईयू सिपाही गोपाल मुरारी, एसटीएफ टीम और सशस्त्र बलों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

सीएम नीतीश की पार्टी में शामिल हुए कांग्रेस के दिग्गज नेता और पूर्व मंत्री डॉ अशोक राम

- संजय झा बोले- कई और भी संपर्क में हैं

एजेंसी/पटना

बिहार चुनाव से पहले नेताओं का पार्टी बदलने का सिलसिला जारी है। अब कांग्रेस के दिग्गज नेता और पूर्व मंत्री डॉ अशोक राम ने अपनी पार्टी का साथ छोड़ दिया है। वह मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी में शामिल हो चुके हैं। चुनाव से पहले पूर्व मंत्री का यह कदम सियासी गलियारे में चर्चा का विषय बना हुआ है। जदयू के प्रदेश कार्यालय में उन्हें कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में पार्टी की सदस्यता दिलाई। इसके बाद कार्यकारी अध्यक्ष ने कहा कि महागठबंधन के कई और नेता भी हमारे संपर्क में हैं। वह उन्हें उचित सम्मान नहीं मिल रहा है।

दलित वोट बैंक पर काफी पकड़ रखने वाले डॉक्टर अशोक राम ने जादू की सदस्यता ग्रहण करने के बाद कहा कि आज मैं अपने बेटे अतिरेक के साथ जनता दल यूनाइटेड में शामिल हो चुका हूं। आज का दिन मेरे जीवन में बहुत ही महत्वपूर्ण है। बिहार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जरूरत है इसी को देखते हुए मैंने जदयू में शामिल होने का फैसला लिया है मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ही एक ऐसे शख्स हैं जिन्होंने गरीब, दलित, महादलित और पिछड़ों को पहचान दिलाई है। 2025 में फिर से नीतीश के नारे को हर हाल में पूरा करना है। वही सीएम नीतीश कुमार के करीबी और बिहार सरकार में मंत्री विजय चौधरी ने कहा कि अशोक राम के आने से जदयू को काफी मजबूती मिलेगी उन्हें कांग्रेस में जितनी इज्जत मिलनी चाहिए थी। वह नहीं मिला इसलिए उनके मान सम्मान का पूरा ख्याल पार्टी रखेगी।

डॉ. अशोक राम पिछले कुछ दिनों से नाराज चल रहे थे

बता दें कि पूर्व मंत्री डॉ. अशोक राम पिछले कुछ दिनों से नाराज चल रहे थे। उनके समर्थक बता रहे हैं कि दलित नेता होने के बावजूद पार्टी उन्हें तवज्जो नहीं दे रही थी। खासकर बिहार कांग्रेस के प्रभारी कृष्ण अल्लावरु और उनके बीच संबंध बहुत अच्छे नहीं थे। लोकसभा चुनाव के बाद से ही वह हाशिए पर चले गए थे। हालांकि, डॉ अशोक राम ने पार्टी छोड़ने का कारण स्पष्ट नहीं बताया है। उन्होंने कहा है कि मैं निजी कारण से कांग्रेस की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया।

जहानाबाद के काको में डायरिया का कहर डीएम ने लापरवाही पर जताई सख्त नाराजगी

- पटना पुलिस ने 24 घंटे में किया खुलासा

एजेंसी/जहानाबाद

जहानाबाद जिले के काको प्रखंड मुख्यालय और आसपास के इलाकों में डायरिया का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। बीते एक सप्ताह से जारी संक्रमण से कई लोग बीमार हो चुके हैं, वहीं कुछ लोगों की जान भी चली गई है। हालांकि प्रशासनिक स्तर पर मौत की पुष्टि अब तक नहीं की गई है। काको बाजार और मोहल्लों में दहशत का माहौल बना हुआ है। कई पीड़ितों का इलाज जहानाबाद सदर अस्पताल, काको अस्पताल और प्राइवेट क्लीनिकों में चल रहा है। कुछ मरीज इलाज के बाद घर लौट चुके हैं, लेकिन संक्रमण का खतरा अब भी बना हुआ है।डायरिया के प्रसार की जानकारी मिलते ही जिलाधिकारी अलंकृता पांडे ने रविवार को काको प्रखंड के प्रभावित इलाकों का दौरा किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मोहल्लों में फैली गंदगी और जलजमाव को देखकर नाराजगी जताई और मौके पर मौजूद नगर पंचायत, पेयजल आपूर्ति और अन्य विभागों के अधिकारियों को जमकर फटकार लगाई।डीएम ने कहा कि संक्रमण तेजी से फैल रहा है, लेकिन संबंधित विभागों की ओर से केवल खानापूर्ति की जा रही है। उन्होंने स्थानीय लोगों से भी बातचीत कर समस्याएं जानीं। ग्रामीणों ने बताया कि कई बार अधिकारियों से सफाई और स्वच्छ जलापूर्ति की मांग की गई, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। उन्होंने शिकायत की कि जिस पानी की टंकी से आपूर्ति होती है, उसमें भी गंदगी है, जिससे डायरिया फैल रहा है। डीएम ने मौके पर मौजूद सिविल सर्जन और अन्य अधिकारियों से तत्काल जरूरी कार्रवाई करने को कहा।

बहादुरपुर मठ के महंत की निर्मम हत्या

मुजफ्फरपुर जिले के मीनापुर प्रखंड अंतर्गत पानापुर थाना क्षेत्र में रविवार की सुबह एक सनसनीखेज वारदात सामने आई। बहादुरपुर मठ के महंत रामबाबू सिंह की निर्मम हत्या कर दी गई और उनका शव बूढ़ी गंडक नदी के किनारे कीचड़ में सना हुआ मिला। इस घटना से इलाके में दहशत और आक्रोश का माहौल है। बताया जा रहा है कि महंत शनिवार रात से ही लापता थे। रविवार सुबह ग्रामीण जब शौच के लिए नदी किनारे गए, तो उन्हें एक शव दिखा। पास जाकर देखने पर पहचान हुई कि वह शव बहादुरपुर मठ के महंत रामबाबू सिंह का है। शव को मठ से करीब तीन किलोमीटर दूर बूढ़ी गंडक नदी के किनारे फेंका गया था। घटना की खबर फैलते ही मठ परिसर में हजारों की संख्या में लोग जमा हो गए। वहीं मृतक महंत के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

हांगकांग, चीन, यूएई, उज्बेकिस्तान, कजाकिस्तान और कई अन्य टीमें होंगी शामिल

बिहार की धरती राजगीर में रग्बी का महाकुंभ

केटी न्यूज/राजगीर

बिहार एक बार फिर वैश्विक खेल मानचित्र पर चमकने को तैयार है। 'सेपकटेकरा' गेम की मेजबानी के बाद अब राज्य रग्बी जैसे अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजन की ओर कदम बढ़ा चुका है। 9 और 10 अगस्त को राजगीर में एशिया रग्बी अंडर-20 सेवेन्स चैंपियनशिप 2025 का आयोजन होने जा रहा है, जिसमें एशिया की टॉप 8 पुरुष और 8 महिला टीमें हिस्सा लेंगी।इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में भारत, हांगकांग, चीन, यूएई, उज्बेकिस्तान, कजाकिस्तान, श्रीलंका, मलेशिया (केवल पुरुष टीम) और नेपाल (केवल महिला टीम) की टीमें शिरकत करेंगी। राजगीर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में होने वाला यह आयोजन न केवल खेल भावना को नई ऊंचाई देगा बल्कि बिहार के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि भी साबित होगा। पूर्व रग्बी खिलाड़ी और अभिनेता राहुल बोस ने बिहार में रग्बी चैंपियनशिप के आयोजन पर प्रसन्नता जाहिर की है। उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह आयोजन राज्य के लिए मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के विजन का ही नतीजा है कि बिहार में अब अंतरराष्ट्रीय स्तर के खेलों का आयोजन संभव हो पा रहा है।

7 अगस्त से राजगीर पहुंचेंगी टीमें, 8 को उद्घाटन समारोह

चैंपियनशिप में हिस्सा लेने वाली टीमें 7 अगस्त से राजगीर पहुंचने लगेंगी। 8 अगस्त को राजगीर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के कबड्डी हॉल में भव्य उद्घाटन समारोह आयोजित किया जाएगा, जिसमें बिहार की सांस्कृतिक झलक और खेल भावना की झंकार देखने को मिलेगी।

सुभाषितम्

लगन का अर्थ उन्नीस बार विफल होने के बाद 20वीं बार सफल होना।
जे एंड्रयूज

अनिल अंबानी की धोखाधड़ी और घोटाले पर सरकार की चुप्पी?

अनिल अंबानी और उनकी कंपनियों पर एक बार फिर गंभीर वित्तीय गड़बड़ी एवं धोखाधड़ी के आरोप हैं। सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया से जुड़ी 17,000 करोड़ रुपये की बैंक गारंटी घोटाले में उनके खिलाफ जांच चल रही है।आरोप है उन्होंने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की नकली ईमेल आईडी और फर्जी दस्तावेजों के जरिए सरकारी अनुबंध के लिए बैंक गारंटी जमा थी। इस मामले में उनके खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी हो चुका है। जिससे स्पष्ट है, सरकार उन्हें देश छोड़ने का अवसर नहीं देना चाहती है। यह कोई पहला मामला अनिल अंबानी के खिलाफ नहीं है। इससे पहले भी अनिल अंबानी पर विदेशी निवेश के जरिए अपने ही शेयरों को खरीदकर बाजार में हेराफेरी करने के आरोप लग चुके हैं। जिसमें सेबी ने 50 करोड़ का जुर्माना लगाकर मामला हनिपटाह कर अनिल अंबानी की कंपनियों को बरी कर दिया था। इस पर केंद्र सरकार की भूमिका पर भी सवाल उठते हैं। कंपनी नियमों का उल्लंघन और शेयर बाजार के घोटालेबाजों को कानून बदलकर सरकार द्वारा अनिल अंबानी और अडानी को बचाया गया है। राफेल डील में हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स जैसी अनुभवी सरकारी कंपनी को दरकिनार कर अनिल अंबानी की अनुभवहीन कंपनी को सरकार के हस्तक्षेप से ठेका मिला। जो सरकार की बड़े-बड़े उद्योगपतियों और कारोबारियों के साथ मिलीभगत को उजागर करता है। अनिल अंबानी की कंपनी ने जिस तरह की धोखाधड़ी की है। उससे स्पष्ट है, भारत में हक्रोनी कैपिटलिज्मह किस हद तक बढ़ चुका है, जहां चुनिंदा उद्योगपतियों को बचाने के लिए सरकारों की नीति, कानून, संस्थाएं और जांच एजेंसियों को झुकना पड़ता है। सरकार और संस्थाओं को बड़े-बड़े उद्योगपति और कारोबारी ही उपकृत कर पाते हैं। जिसके कारण सरकार उनके सामने समय-समय पर झुकती रहती है। आम जनता बैंक लोन नहीं चुका पाए, तो घर छिन जाता है। बड़े पूंजीपति हजारों करोड़ लेकर फरार हो जाते हैं, या बेल पर घूमते हैं, उनको बचाने के लिए सरकार द्वारा नए-नए नियम और कानून बना दिए जाते हैं। इस मामले में सरकार की निष्क्रियता और पक्षपात ना केवल न्याय व्यवस्था में विश्वास को कमजोर करती हैं। बल्कि लोकतंत्र के चौथे स्तंभ मीडिया पर भी सवाल खड़े करता है। भारत के मीडिया में अब उद्योगपतियों का ही कब्जा है ऐसी स्थिति में उनसे कोई आशा भी नहीं की जा सकती है। मेन स्ट्रीम का मीडिया इन मामलों पर मौन साध लेता है। आज जरूरत इस बात की है, ऐसे मामलों में निष्पक्ष और कठोर कार्रवाई हो। भारत में जो दोहरे कानून और नियम सरकारों द्वारा तैयार किए जा रहे हैं। उससे आम लोगों का भरोसा अब न्याय व्यवस्था से भी उठने लगा है सरकारों द्वारा बनाए जा रहे नियम कानून को लेकर भी आम जनता के मन में गुस्सा दिखने लगा है। सरकार को सभी के लिए एक से नियम कानून बनाने चाहिए। जिससे लोगों का कानून और नियमों पर विश्वास बना रहे। देश की वित्तीय प्रणाली पर जनता का भरोसा बना रहे। अनिल अंबानी जैसे प्रभावशाली लोग कानून से ऊपर नहीं हैं। भारत के बैंकों और शेयर बाजार में आम निवेशकों का पैसा लगा होता है। जो निम्न और मध्यम वर्ग के होते हैं। वही बार-बार लूटते हैं, यह स्थिति ठीक नहीं है। हर्षद मेहता से बड़ा घोटाला अनिल अंबानी और अन्य उद्योगपतियों द्वारा बड़े पैमाने पर शेयर बाजार में किया जा रहा है। इस मामले में कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट भी आई हैं, जो समय-समय पर दबा दी गई हैं। सरकारों की मिलीभगत होने से यह बड़े-बड़े मगरमच्छ खुले आम जनता को लूट रहे हैं। सरकार उनके लिए अलग से नियम कानून बनाकर बचाने एवं संरक्षित करने का प्रयास करती है। जैसा कि अनिल अंबानी के मामले में हुआ है। हजारों करोड़ रुपए का घोटाला रफा-दफा करने के लिए पिछली तारीखों से नियम बदल दिए गए गड़बड़ी पर सेबी ने 50 करोड़ का जुर्माना कर मामले को रफा-दफा कर दिया। उसके बाद अनिल अंबानी ने अपने प्रभाव का इस्तेमाल करते हुए नियम ही पिछली तारीखों से बदलवा दिए।

चिंतन-मनन

सुख की उपेक्षा क्यों?

मेरे पास लोग आते हैं। जब वे अपने दुख की कथा रोने लगते हैं, तो बड़े प्रसन्न मालूम होते हैं। उनकी आंखों में चमक मालूम होती है। जैसे कोई बड़ा गीत गा रहे हों! अपने घाव खोलते हैं, लेकिन लगता है जैसे कमल के फूल ले आए हैं। सुख की तो कोई बात ही नहीं करता। और ऐसा नहीं है कि सुख नहीं है; हम सुख पर पर ध्यान नहीं देते हैं। हम दुःख-दुख चुन लेते हैं; हम सुख की उपेक्षा कर देते हैं। फिर जिसकी उपेक्षा कर देते हैं, स्वभावतः धीरे-धीरे वह दूर चला जाता है और जिसमें हम रस लेते हैं वह पास होता चला जाता है। संतों की बात तुम्हें तभी जमेगी, रुचेगी, भली लगेगी, प्रीतिकर मालूम होगी-जब तुम दुख को पकड़ना छोड़ दोगे; जब तुम जागोगे और सुख की सचेष्ट खोज शुरू करोगे। तुम्हारे भीतर अगर अभी भी दुख को पकड़ने का आयोजन चल रहा है, तो संतों के वचन तुम्हारे कानों में गूंजेंगे और खो जाएंगे। तुम्हारे हृदय तक नहीं पहुंचेंगे। क्योंकि संतों के वचनों में बड़ा सुख भरा है। तुम सुखोन्मुख हो जाओ, तुम आनंद की खोज में लग जाओ; तो वे एक-एक शब्द ऐसे जाएंगे तुम्हारे भीतर जैसे तीर चले जाएं। और ये एक-एक शब्द तुम्हारे भीतर ऐसे-ऐसे हजार-हजार फूल खिला देंगे, जैसे कभी न खिले थे। तुम्हारे भीतर बड़ी रोशनी होगी। ये छोटे-छोटे शब्द हैं। मगर ये बड़े सार्थक शब्द हैं। सुनो- हबोलु हरिनाम तू छोड़ि दे काम सब, सहज में मुक्ति होई जाय तेरी।काम यानी कामना। काम यानी वासना। काम यानी इच्छा, तृष्णा। यह मिले वह मिले-कुछ मिले! जब तक हम मिलने की दौड़ में होते हैं, हम भिखमंगे होते हैं। और जब तक हम भिखमंगे होते हैं, तब तक परमात्मा नहीं मिलता। परमात्मा भिखमंगों को मिलता ही नहीं। परमात्मा सम्राटों को मिलता है। परमात्मा उनको मिलता है जो अपने मालिक हैं। परमात्मा उनको मिलता है जो कुछ मांगते ही नहीं। असल में वे ही परमात्मा को मांगने में कुछ सफल हो पाते हैं, जो और कुछ नहीं मांगते। जिन्होंने कुछ और मांगा, वे परमात्मा को कैसे मांगेंगे। वह जबान फिर परमात्मा को मांगने के योग्य न रह गई।

अंतरराष्ट्रीय समुदाय को मित्रता बढ़ाने की सख़्त जरूरत

-किशन सनमुखदास

वैश्विक स्तरपर आज विभिन्न देशों के बीच कटुता बढ़ती जा रही है। विभिन्न समुदायों के बीच नफरत का दायरा बढ़ता जा रहा है। आंदोलनों का जाल अनेकों देश में घटित समस्याओं के चलते बढ़ता जा रहा है जो हम भारत-पाकिस्तान, रूस-यूक्रेन, इसराइल - हमास कंबोडिया- थाईलैंड,अमेरिका-ईरान,चीन- ताइवान व अन्य देशों के बीच सहित अनेकों देशों में देख रहे हैं। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि इन सब समस्याओं को पाटने का सबसे सरल सस्ता सटीक उपाय है,मित्रता! दोस्ती, अपनापन, यदि इस सटीक अस्त्र का उपयोग दुनियां के सभी देश करें तो यूक्रेन-रूस, हमास-इजरायल ईरान- इजरायल के बीच युद्ध व विभिन्न अंतरराष्ट्रीय यूनियनों के बीच कटुता कभी नहीं बढ़ेगी। विश्व के चारों ओर शांति रूपी स्नेह की बारिश होगी तो, खुशहाली को आना ही पड़ेगा। जिसपर हर देश का नागरिक खुशहाल जीवन का लुफ्त उठाएंगे। इसलिए ही संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 27 अप्रैल 2011 को अपने 65 वें सेशन में एजेंडा आइटम नंबर 15 कल्चर ऑफ पीस के अंतर्गत 30 जुलाई को अंतरराष्ट्रीय मित्रता दिवस मनाने का निर्णय लिया गया था। जबकि भारत अमेरिका बांग्लादेश सहित अनेकों देश अंतर्राष्ट्रीय फ्रेंडशिप डे अगस्त के पहले रविवार को मनाते आ रहे हैं जो इस वर्ष 2025 के अगस्त का पहला रविवार 3 अगस्त 2025 आया है। वर्तमान परिप्रेक्ष में अगर मित्रता का वैश्विक परिप्रेक्ष लेकर, दुनियां के पूरे देशों और नागरिकों द्वारा वर्ष 2025 में अपनाया जाती है तो मेरा मानना है कि आपसी युद्ध की नौबत कभी नहीं आएगी। चूंकि अच्छे मित्र का साथ हो तो बड़ी से बड़ी चुनौतियों सेआसानी से निपटा जा सकता है। इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,राजनीति और मित्रता - आदर्श या अवसरवाद?-अच्छे मित्र का साथ हो तो,बड़ी से बड़ी चुनौतियों से आसानी से निपटा जा सकता है।

साथियों बात अगर हम मित्र के महत्व को समझने की करें तो, कोई व्यक्ति जन्म के बाद खुद से अपने बल पर जो पहला रिश्ता बनाता है, उसे दोस्ती कहते हैं। परिवार से बाहर एक दोस्त ही हमारा मार्गदर्शक,सलाहकार, राजदार और शुभचिंतक होता है। इसी दोस्ती के नाम एक खास दिन समर्पित किया गया है,जिसे फ्रेंडशिप डे के तौर पर मनाया जाता है। हालांकि दुनियां भर में साल में दो बार दोस्ती दिवस मनाते हैं। ऐसे में कई लोग असमंजस में हैं कि असली मित्रता दिवस किस दिन मनाएं। आमतौर पर दुनिया के विभिन्न हिस्सों में अंतर्राष्ट्रीय फ्रेंडशिप डे 30 जुलाई को मनाया जाता है, जबकि भारत में हर साल अगस्त माह के पहले रविवार को मनाया जाता है, इस दिन हर कोई अपने दोस्तों के साथ एंजॉय करता है, इस साल भारत में 3 अगस्त को फ्रेंडशिप डे मनाया जा रहा है।व्यक्ति के जीवन में दोस्त जरूर होते हैं। अगर न हों तो एक दोस्त जरूर बनाना चाहिए। दोस्ती कभी भी हो सकती है, उसमें उम्र, लिंग या किसी अन्य तरीके का कोई भेद नहीं होता। दोस्त आपका ऐसा समर्थक होता है जो हमारी तरक्की के लिए अच्छी सलाह देता है और हमारी खुशी में खुश होता है। ऐसे में हमारे जीवन को सरल, सुलझा हुआ और अधिक मनोरंजक बनाने के लिए दोस्ती दिवस मनाते हैं और इस मौके पर दोस्त को खास महसूस कराते हैं।दोस्ती जीवन के सबसे अनमोल बंधनों में से एक है यह रिश्ता खून का न होते हुए भी बढ़-चढ़कर साथ निभाता है।सात अक्षरों का शब्द फ्रेंड्स बेशक बहुत सरल हो, लेकिन जब हम किसी परेशानी में होते हैं तो दोस्त हमारे साथ होते हैं। वैसे तो दोस्ती को सेलिब्रेट करने के लिए किसी खास दिन की जरूरत नहीं है,फिर भी इस दिन को और खास बनाने के लिए हर साल फ्रेंडशिप-डे मनाया जाता है।यह दिन दोस्तों के महत्व और हमारे जीवन में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को भी सम्मान और मान्यता देता है। यह दिन प्रशंसा व्यक्त करने, रिश्तों को मजबूत करने और दोस्ती से मिलने वाली खुशी का जश्न मनाने का अवसर है। इस दिन,लोग आम तौर पर उपहारों का आदान-प्रदान करते हैं, संदेश भेजते हैं और एक साथ समय बिताते हैं, ये सभी मजबूत और सहायक दोस्ती के महत्व को मजबूत करने में मदद करते हैं। जबकि विशिष्ट तिथि देश के अनुसार अलग-अलग हो सकती है, मूल विचार एक ही रहता है, यानी हमारे जीवन को समृद्ध करने वाले रिश्तों का जश्न मनाना और उन्हें संजोने को रेखांकित करना जरूरी है।

साथियों बातें अगर हम 3 अगस्त 2025 को अंतर्राष्ट्रीय मित्रता दिवस के परिप्रेक्ष में राजनीति और मित्रता एक आदर्श या अवसरवाद के रूप में देखे तो,भारत और अमेरिका की दोस्ती को राजनीति और अवसरवाद दोनों के नजरिए से देखा जा सकता है। जिसका सटीक उदाहरण ट्रंप द्वारा लगाए गए टैरिफ जो 1 अगस्त 2025 से लागू था उसको 7 अगस्त तक एक्सटेंशन कर दिए हैं कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि यह एक रणनीतिक साझेदारी है जो दोनों देशों के हितों को साधने का काम करती है,जबकि अन्य इसे अवसरवादी संबंधों के रूप में देखते हैं, जहां दोनों देश अपने- अपने फायदे के लिए एक-दूसरे का इस्तेमाल करते हैं। जो रेखांकित करने वाली बात है

साथियों बात अगर हम अंतरराष्ट्रीय मित्रता दिवस को मनाने के विचार व उद्देश्यों की करें तो, संयुक्त राष्ट्र ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर लिखा,संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 2011 में अंतर्राष्ट्रीय मैत्री दिवस की घोषणा इस विचार के साथ की गई थी कि लोगों, देशों, संस्कृतियों और व्यक्तियों के बीच मित्रता शांति प्रयासों को प्रेरित कर सकती है और समुदायों के बीच सेतु का निर्माण कर सकती है। इस दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य लोगों, देशों, संस्कृतियों और व्यक्तियों के बीच मैत्री को संजोना था, जो शांति प्रयासों को प्रेरित कर सकें और समुदायों के बीच सेतु का निर्माण कर सकें। अंतर्राष्ट्रीय मैत्री दिवस मनाने के लिए,संयुक्त राष्ट्र सरकारों राष्ट्रों, अंतर्राष्ट्रीय संगठनों और अन्य सामाजिक समूहों को मित्रता और इसके महत्व के बारे में लोगों के बीच संवाद को बढ़ावा देने के लिए कार्यक्रम,प्रतियोगिताएं और अन्यगतिविधियां आयोजित करने के लिए प्रोत्साहित करता है। हमारा विश्व अनेक चुनौतियों, संकटों और विभाजनकारी शक्तियों का सामना कर रहा है,जैसे गरीबी, हिंसा, मानवाधिकारों का हनन,तथा अन्य अनेक जो विश्व के लोगों के बीच शांति, सुरक्षा, विकास और सामाजिक सद्भाव को कमजोर करते हैं।इन संकटों और चुनौतियों का सामना करने के लिए, मानव एकजुटता की साझा भावना को बढ़ावा देने और उसका बचाव करके उनके मूल कारणों का समाधान किया जाना चाहिए, जिसके कई रूप हैं, जिनमें से सबसे सरल है मित्रता।मित्रता के माध्यम से,सौहार्दपूर्ण संबंधों को संचित करके और विश्वास के मजबूत संबंध विकसित करके,हम उन मूलभूत बदलावों में योगदान दे सकते हैं जो स्थायी स्थिरता प्राप्त करने के लिए तत्काल आवश्यक हैं, एक सुरक्षा जाल बुन सकते हैं जो हम सभी की रक्षा करेगा, और एक बेहतर विश्व के लिए जुनून पैदा करेगा जहां सभी लोग व्यापक भलाई के लिए सटीकता से एकजुट होंगे। साथियों बात अगर हम अंतरराष्ट्रीय मित्रता दिवस की पृष्ठभूमि की करें तो,प्रस्ताव में युवा लोगों को भावी नेताओं के रूप में सामुदायिक गतिविधियों में शामिल करने पर जोर दिया गया है, जिसमें विभिन्न संस्कृतियां शामिल हों और अंतर्राष्ट्रीय समझ और विविधता के प्रति सम्मान को बढ़ावा मिले।अंतर्राष्ट्रीय मैत्री दिवस के अवसर पर संयुक्त राष्ट्र सरकारों, अंतर्राष्ट्रीय संगठनों और नागरिक समाज समूहों को ऐसे आयोजन, गतिविधियां और पहल करने के लिए प्रोत्साहित करता है जो सभ्यताओं के बीच संवाद, एकजुटता, आपसी समझ और सामंजस्य को बढ़ावा देने की दिशा में अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के प्रयासों में योगदान दें।अंतर्राष्ट्रीय मैत्री दिवस एक पहल है जो यूनेस्को द्वारा शांति की संस्कृति को मूल्यों, दृष्टिकोणों और व्यवहारों के एक समूह के रूप में परिभाषित करने के प्रस्ताव पर आधारित है जो हिंसा को अस्वीकार करते हैं और समस्याओं को हल करने के उद्देश्य से उनके मूल कारणों को संबोधित करके संघर्षों को रोकने का प्रयास करते हैं।

स्क्रीन का शिकंजा: ऑस्ट्रेलिया से सबक लेता भारत?

- डॉ. प्रियंका सौरभ

इंट्रो- ऑस्ट्रेलिया ने 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए यूट्यूब समेत सभी सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर प्रतिबंध लगाने का साहसिक फैसला लिया है। यह कदम बच्चों को ऑनलाइन दुनिया के नकारात्मक प्रभावों से बचाने के लिए उठाया गया है। भारत जैसे देशों में, जहां डिजिटल लत तेजी से फैल रही है, वहां इस तरह की नीति बेहद जरूरी हो गई है। यह समय है कि भारत भी बच्चों के डिजिटल अधिकारों की रक्षा के लिए स्पष्ट कानून बनाए, अभिभावकों को जागरूक करे और बच्चों को स्क्रीन की लत से मुक्त करके संतुलित विकास की दिशा में कदम बढ़ाए।ऑस्ट्रेलिया के फैसले से दुनिया के देशों को सबक लेना चाहिए कि बच्चों को सोशल मीडिया से दूर रखने का समय अब आ गया है। बचपन अब किताबों से नहीं, स्क्रीन की चमक से आकार ले रहा है। यह वाक्य अब सिर्फ साहित्यिक प्रतीक नहीं रहा, बल्कि हमारे समाज की वास्तविकता बन चुका है। मोबाइल, टैबलेट और इंटरनेट की पहुँच बच्चों तक इतनी सहज हो चुकी है कि चार साल का बच्चा भी यूट्यूब पर कार्टून देख सकता है और दस साल का बच्चा इंस्टाग्राम पर रील्स बनाना जानता है। ऐसी स्थिति में ऑस्ट्रेलिया सरकार द्वारा लिया गया फैसला न सिर्फ साहसिक है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को सुरक्षित रखने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम भी है। ऑस्ट्रेलिया ने यह तय कर दिया है कि 16 वर्ष से कम आयु के बच्चे यूट्यूब जैसे प्लेटफार्म का भी उपयोग नहीं कर सकेंगे। यह नीति 10 दिसंबर से लागू हो रही है, और इसका उल्लंघन करने पर संबंधित प्लेटफार्मों पर भारी जुर्माना लगाया जाएगा। ऑस्ट्रेलिया की संसद पहले ही फेसबुक, इंस्टाग्राम, स्नैपचैट, टिकटॉक और एक्स जैसे प्लेटफार्मों को 16 साल से कम आयु के बच्चों के लिए प्रतिबंधित कर चुकी है। अब यूट्यूब को भी इसी दायरे में शामिल किया गया है। यह दुनिया का पहला कानून है जो बच्चों की डिजिटल सुरक्षा को लेकर इतनी स्पष्टता और कठोरता के साथ लागू किया जा रहा है। नियमों के मुताबिक अगर कोई प्लेटफार्म 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को सेवाएं देना जारी रखता है, तो उस पर 5 करोड़ ऑस्ट्रेलियाई डॉलर तक का जुर्माना लगाया जाएगा। यह कोई सामान्य चेतावनी नहीं है, बल्कि टेक कंपनियों को जवाबदेह बनाने की एक गंभीर कोशिश है। ऑस्ट्रेलिया की सरकार का मानना है कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य, सामाजिक विकास और व्यवहार पर नकारात्मक असर पड़ रहा है। प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने यह स्पष्ट कहा है कि माता-पिता को यह जानने का हक है कि उनके बच्चे क्या देख रहे हैं और किसके प्रभाव में हैं। यूट्यूब जैसे प्लेटफार्म पर जो सामग्री बच्चों के सामने आती है, वह कई बार हिंसा, लैंगिक पूर्वाग्रह, अपशब्दों और अमर्यादित व्यवहार से भरी होती है। इतना ही नहीं, बच्चों को लगातार विज्ञापन, ब्रांडेड कंटेंट और चकाचौंध वाली जिंदगी दिखाकर उनकी असल दुनिया से दूरी बढ़ाई जा रही है। यूट्यूब का कहना है कि वह केवल एक वीडियो होस्टिंग प्लेटफार्म है और उसे सोशल मीडिया की श्रेणी में नहीं रखा जाना चाहिए। यूट्यूब के प्रवक्ता का तर्क है कि 13 से 15 साल के लगभग तीन-चौथाई ऑस्ट्रेलियाई किशोर इसका उपयोग करते हैं और इसे शैक्षणिक, रचनात्मक व मनोरंजक उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल किया जाता है। पर सवाल उठता है कि क्या यूट्यूब या अन्य सोशल मीडिया प्लेटफार्म बच्चों के लिए वाकई सुरक्षित हैं? क्या वे सुनिश्चित करते हैं कि बच्चों को केवल उपयुक्त और सकारात्मक सामग्री ही दिखाई जाए? वास्तविकता यह है कि अधिकतर टेक कंपनियाँ केवल व्यूज, क्लिक और विज्ञापन राजस्व के लिए काम करती हैं, न कि बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए। भारत जैसे देशों में यह मुद्दा और अधिक गंभीर हो जाता है। यहां इंटरनेट यूजर्स की संख्या करोड़ों में है, जिनमें बड़ी संख्या किशोरों और स्कूली बच्चों की है। एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में 13 से 17 वर्ष के बच्चे हर दिन औसतन तीन घंटे से अधिक समय सोशल मीडिया पर बिताते हैं।इतनी कम उम्र में जब बच्चों को किताबों, खेल और सामाजिक मेल-जोल में समय बिताना चाहिए, वे अपने कमरे में अकेले बैठकर स्क्रीन से चिपके रहते हैं। इससे न सिर्फ उनकी आँखों और शारीरिक स्वास्थ्य पर असर पड़ता है, बल्कि भावनात्मक और सामाजिक विकास भी बाधित होता है। स्कूलों में शिक्षकों को अब इस बात की चिंता होती है कि विद्यार्थी पढ़ाई पर ध्यान नहीं दे पा रहे हैं, क्योंकि रात भर मोबाइल पर लगे रहते हैं। माता-पिता इस कशमकश में रहते हैं कि बच्चों को मोबाइल दें या न दें, क्योंकि अगर वे न दें तो बच्चा पिछड़ने का डर जताता है, और दें तो स्क्रीन की लत लग जाती है। डिजिटल लत अब नशे की तरह फैल चुकी है। बच्चों में चिड़चिड़ापन, नींद की कमी, एकाग्रता में गिरावट और रिश्तों से दूरी जैसी समस्याएं अब आम हो चुकी हैं। कुछ बच्चे तो सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग और साइबर बुलिंग का शिकार हो रहे हैं, जिससे उनका आत्मविश्वास और मानसिक संतुलन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। भारत में अभी तक इस मुद्दे पर कोई ठोस नीति नहीं बन पाई है। सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर 13 साल की आयु सीमा तो तय है, लेकिन उसका पालन कोई नहीं करता। बच्चे गलत उम्र डालकर खाते बना लेते हैं और बिना किसी निगरानी के उनका इस्तेमाल करते हैं। माता-पिता की भूमिका भी संदिग्ध है ह्र कुछ अभिभावक खुद ही बच्चों को स्क्रीन थमाकर व्यस्त कर लेते हैं, जबकि उन्हें मार्गदर्शक बनना चाहिए। इसके अलावा, भारत में स्कूल स्तर पर भी डिजिटल नैतिकता की शिक्षा का अभाव है। बच्चों को यह नहीं सिखाया जाता कि तकनीक का विवेकपूर्ण उपयोग कैसे करें, फर्जी समाचारों से कैसे बचें, या साइबर खतरों से कैसे सतर्क रहें। समस्या सिर्फ टेक्नोलॉजी की नहीं है, बल्कि सामाजिक और पारिवारिक जागरूकता की भी है। जब तक माता-पिता, शिक्षक और सरकारें मिलकर यह तय नहीं करेंगी कि बच्चों को किस तरह की डिजिटल दुनिया में प्रवेश करना है, तब तक कोई भी तकनीकी समाधान प्रभावी नहीं हो सकता। डिजिटल अनुशासन केवल कानून से नहीं, संस्कार और समझ से आता है। ऑस्ट्रेलिया का यह कदम इस मायने में प्रेरक है कि उसने बच्चों की डिजिटल सुरक्षा को प्राथमिकता दी और टेक कंपनियों को चुनौती दी। भारत को भी अब इंतजार नहीं करना चाहिए। यह समय है जब सरकार एक स्पष्ट और सख्त नीति बनाए कि 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों को सोशल मीडिया और मनोरंजक प्लेटफार्म से दूर रखा जाएगा। साथ ही, कंटेंट फिल्टरिंग, स्क्रीन टाइम लिमिट, और आयु सत्यापन जैसी तकनीकों को अनिवार्य किया जाए।

सत्य वह दौलत है जिसे पहले खर्च करो- जिंदगी भर आनंद पाओ

- किशन सनमुखदास

भारत अपनी संस्कृति, आध्यात्मिकता, अहिंसा धर्मनिरपेक्षता, परमो धर्मा और सच्चाई की मूरत राजा हरिश्चंद्र इत्यादि अनेकों विशेषताओं के लिए विश्व प्रसिद्ध है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र से यह मानता हूं कि एक झूठ के पीछे सब झूठ बोलना पड़ता है और झूठ के दलदल में मनुष्य घुसता चला जाता है।जिससे उसकी वर्तमान पीढ़ी तो ध्वस्त होती ही है पर आने वाली पीढ़ियों में भी यह दोष समाया रहता है। साथियों बात अगर हम सच्चाई की साक्षात मूरत राजा हरिश्चंद्र की करें तो,सत्यवादी राजा हरिश्चंद्र सदैव सत्य बोलते थे। वह अपने सत्य और न्याय के लिए जाने जाते थे। इसलिए आज भी उनकी कहानियां बड़े सम्मान के साथ सुनाई जाती हैं।हमने अपने बड़े बुजुर्गों से अनेक कई किस्से सुने हैं।हम,आज की जनरेशन करीब-करीब हर सच्चाई वाली बात में इस महान मूरत का नाम जरूर जोड़तेहैं।हमारे बड़े बुजुर्गों से हमने कई वाक्य सुने हैं, जैसे सच्चाई छुप नहीं सकती बनावट के उसूलों से, सत्य की हार नहीं होती,सत्य परेशान हो सकता है पराजित नहीं,सत्यमेव जयते। साथियों बात अगर हम सत्यमेव जयते इसकी करें तो हम अनेक शासकीय,अशासकीय स्थानों पर इसका उल्लेख जरूर देखते हैं।यही सत्य है कि हमेशा सत्य की विजय होती है। साथियों बात अगर हम भारतीय आध्यात्मिकता की करें तो हमें यही ज्ञान मिलता है कि सत्य व दौलत है जैसे पहले खर्च करो फिर जिंदगी भर आनंद पाओ और झूठ वह कर्ज है जिससे क्षणिक सुख पाओ और जिंदगी भर उसे चुकाते रहो बिल्कुल सत्य वचन! साथियों यह बात अगर मानव के हृदय में बस जाए तो वाह क्या बात है! हम पृथ्वी लोक में ही स्वर्ग के दर्शन कर सकेंगे।अगर हर भारतीय व्यक्ति चाहे वह सरकारी हो या शासकीय कर्मचारी, मंत्री हो या नेता, कार्यकर्ता हो या मालिक,सभी अगर सत्यता रूपी दौलत को पूरी निष्ठा से खर्च करें अर्थात ईमानदारी से अपनी अफसर शाही ड्यूटी, व्यापार-व्यवसायज दिनचर्या अर्थात जीवन के हर काम हर मोड़ पर सत्यता बरसाएंगे तो वह खुद तो जीवन का आनंद जरूर पाएंगे परंतु उससे अधिक भारत को स्वर्ग जैसा सुंदर रचना बनाने में अहम रोल अदा करेंगे। भारत एक अपराध मुक्त भारत की परिकल्पना में साकार होगा।कोई अदालत, पुलिस स्टेशन,जांच एजेंसियां नहीं होगी क्योंकि यह सब झूठ और अपराध को काटने के लिए ही बनाई गई हैं। साथियों बात अगर हम झूठ की करें तो हमने अपने व्यवहारिक जीवन में देखा होगा कि बेईमान, रिश्वतखोर, झूठा, भ्रष्टाचारी, धोखेबाज इत्यादि तरह के मानव कभी अपने जीवन में सुखी नहीं होते। चाहे कितना भी अवैध धन कमा लें,उनके पीछे परिवार का, उनके स्वास्थ्य का, मानसिक हालत हमेशा दुखों में बनी रहती है।उनके शरीर के नसों में झूठ रूपी खून दौड़ता है और इन नकारात्मक झूठे व्यवहारों से उनका क्षणिक आर्थिक सुख मिलता है परंतु उसके लिए उनको जीवन भर कष्टों में गुजारना पड़ता है। जितना क्षणिक सुख प्राप्त होता है वह ब्याज सहित याने अतिरिक्त दुख सहित यहीं इस जीवन में भोगना पड़ता है और फिर अंत में पछताते हैं के ऐसा क्यों हुआ,ऊपर वाले से क्षमा याचना करते हैं।पर कहते हैं ना कि जब चिड़ियां चुग गई खेत,अब पछतावे क्या होए?

आज का राशिफल

मेष आज दिन अच्छा रहने वाला है। अगर आपका कोई काम लंबे समय से बीच में अटका हुआ है।

वृषभ संयम के साथ काम करने से सफलता मिलेगी। जो लोग राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े हुए हैं।

मिथुन सावधान रहने की जरूरत होगी, कोई मूल्यवान वस्तु खोने या चोरी होने का डर बना रहेगा।

कर्क आज दिन शुभ रहने वाला है। प्राप्ति हो सकती है और जीवन में सफलता के नए मार्ग खुलने लगेंगे।

सिंह द्वादश भाव में है। इससे नौकरी में आपके लिए आमदनी के नए स्रोत बनने शुरू हो सकते हैं।

कन्या आज दिन भाग्यशाली रहने वाला है और पराक्रम में वृद्धि कराने वाला होगा।

तुला आज दिन बेहतर रहने वाला है। आपके चारों और खुशहाली भरा वातावरण बना रहेगा।

वृश्चिक आज पराक्रम में वृद्धि होगी। जरूरी मामलों में परिवार का भी पूरा सहयोग प्राप्त होगा।

धनु सोच की प्रशंसा करेंगे। बातचीत होने से आपको बड़ा लाभ प्राप्त हो सकता है।

मकर आज दिन अच्छा रहने वाला है। आर्थिक मामलों में आपको सफलता प्राप्त हो सकती है।

कुंभ आपको विरोधियों से सावधान रहना होगा। वे आपके खिलाफ कोई रणनीति बना सकते हैं।

मीन आज आपको अपने ससुराल पक्ष से पैसों की लेन-देन करने से बचना होगा।

विशेष

बंगाल में मतदाता सूची के सघन पुनरीक्षण का काम शुरू

बिहार में मतदाता सूची के पुनरीक्षण में मचा बवाल अभी शांत भी नहीं हुआ है। सुप्रीम कोर्ट का कोई फैसला नहीं आया है। चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के गहन परीक्षण की शुरूआत कर दी है। चुनाव आयोग को आत्मविश्वास है, वह जो कर रहे हैं। उसके अनुकूल ही सुप्रीम कोर्ट का फैसला आएगा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सदन से लेकर सड़कों पर इसका विरोध करना शुरू कर दिया है। टीएमसी के सांसदों ने संसद के अंदर बांग्ला में अपना भाषण दिया है। दिल्ली में आंदोलन शुरू हो गया है। पश्चिम बंगाल में इसके विरोध में टीएमसी सड़कों पर उतर गई है। चुनाव आयोग को इसकी जरा भी चिंता नहीं है। उसे मालूम है, सुप्रीम कोर्ट चुनाव आयोग के खिलाफ कोई फैसला नहीं देगी।

चुनाव आयोग पर कोई असर नहीं?

सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को दो बार सुझाव दिया। वह राशन कार्ड, मतदाता पहचान पत्र तथा आधार पहचान को अपने दस्तावेजों में शामिल करे। चुनाव आयोग सुप्रीम कोर्ट की सलाह नहीं मान रहा है। बिहार की मतदाता सूची का प्रकाशन करने की तैयारी पूर्ण हो गई है। इसके साथ ही पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के पुनरीक्षण का काम नये दस्तावेजों के आधार पर चुनाव आयोग ने शुरू कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट का काम सुझाव देना है। चुनाव आयोग को स्वयं तय करना है, वह सुझाव माने या नहीं। सुप्रीम कोर्ट ने कोई आदेश तो नहीं दिया है। जो उसके ऊपर बंधनकारी हो।

कार्टून कोना

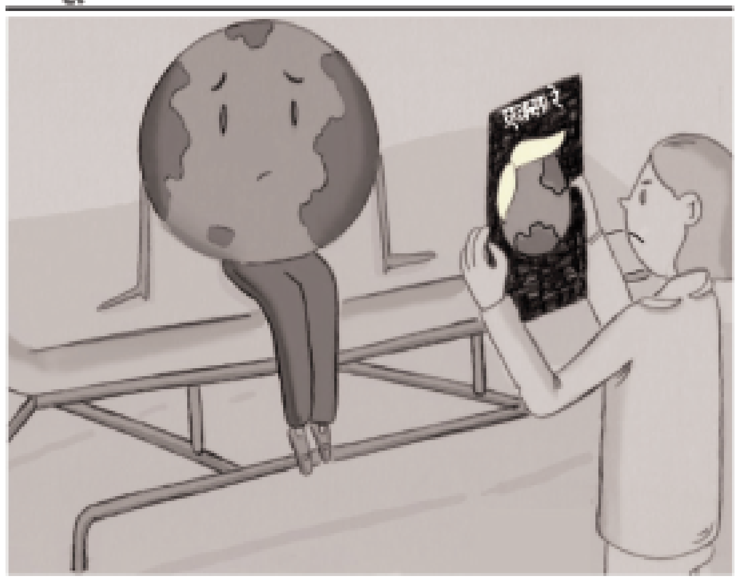

आज का इतिहास

1347: अलाउद्दीन हसन गंगू उर्फ जफर खान ने अलाउद्दीन प्रथम के नामसे से गद्दी पर बैठ गुलबर्गा को राजधानी बनाया. 1571: तुर्की ने ग्यारह माह की नाकेबंदी के बाद फामगुस्ता साइप्रस पर कब्जा किया. 1645: ब्रोमेसब्रोरो संधि के तहत डेनमार्क को अपना कुछ इलाका स्वीडन को देना पड़ा. 1780: ग्वालियर पर अंग्रेजों का कब्जा. 1886: राष्ट्रकवि मैथिली शरण गुप्त का जन्म. 1943 द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान मिलान जेनेवा और उत्तरी इटली के अन्य शहरों में नाजी विरोधी प्रदर्शन हुए. 1958: अमरीका की परमाणु चालित पनडुब्बी नाटिलस ने समुद्र के भीतर ही भीतर उत्तरी ध्रुव पार किया. 1988: इंदिरा गांधी हत्याकांड में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा सतवंत सिंह व केहरसिंह के मृत्युदंड की पुष्टि व बलबीर सिंह रिहा.

दैनिक पंचांग

अगस्त 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

2025 वर्ष का 215 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास श्रावण **पक्ष** शुक्ला
तिथि नवमी 09.43 बजे को समाप्त।
नक्षत्र विशाखा 06.35 बजे को समाप्त।
योग शुक्ल(शुक्र) 06.24 बजे को समाप्त।
करण कौलव 09.43 बजे तदनन्तर तैतिल 22.46 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 09.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 17° 29'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872425
जूलियन दिन 2460890.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना सफर
तारीख 08

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क में	सिंह	06.35 बजे से
चंद्र	वृश्चिक में	कन्या	08.47 बजे से
मंगल	कन्या में	तुला	10.58 बजे से
बुध	कर्क में	वृश्चिक	13.12 ब.से
गुरु	मिथुन में	धनु	15.28 बजे से
शुक्र	मिथुन में	मकर	17.34 बजे से
शनि	मीन में	कुंभ	19.20 बजे से
राहु	कुंभ में	मीन	20.53 बजे से
केतु	सिंह में	मेष	22.23 बजे से
राहुकाल	4.30 से 6.00 बजे तक	वृष	00.03 बजे से
		मिथुन	02.02 बजे से
		कर्क	04.15 बजे से

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
उद्वेग	05.56 से 07.23 बजे तक	शुभ	05.36 से 07.09 बजे तक
चर	07.23 से 08.51 बजे तक	अमृत	07.09 से 08.41 बजे तक
लाभ	08.51 से 10.18 बजे तक	चर	08.41 से 10.14 बजे तक
अमृत	10.18 से 11.46 बजे तक	रोग	10.14 से 11.46 बजे तक
काल	11.46 से 01.14 बजे तक	काल	11.46 से 01.19 बजे तक
शुभ	01.14 से 02.41 बजे तक	लाभ	01.19 से 02.51 बजे तक
रोग	02.41 से 04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51 से 04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09 से 05.36 बजे तक	शुभ	04.24 से 05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय को मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ©Jagrutidaur.com, Bangalore

संक्षिप्त समाचार

16.50 लाख की धोखाधड़ी का आरोपी गिरफ्तार

धनबाद, एजेंसी। धनबाद पुलिस ने 16 लाख 50 हजार रुपए की धोखाधड़ी के मामले में फरार चल रहे आरोपी को चेन्नई से गिरफ्तार किया है। यह मामला 2020 में चिरकुंडा के साबुन कारोबारी अशोक गढ़यान से जुड़ा है। व्यापारिक लेन-देन के नाम पर उनसे भारी रकम की ठगी की गई थी। निरसा एसडीपीओ रजत मणिक बाखला ने बताया कि यह मामला 5 अप्रैल 2020 को चिरकुंडा थाने में दर्ज किया गया था। जांच में पता चला कि ठगी संगठित तरीके से की गई थी। इसमें तीन लोग शामिल थे। मुख्य आरोपी गोपी वेल्यू तमिलनाडु के कोयंबटूर स्थित जीके इंटरप्राइजेज से जुड़ा था। अन्य आरोपी सुंदर मूर्ति की दिसंबर 2023 में सड़क हादसे में मृत्यु हो चुकी है। एक अन्य आरोपी अभी भी फरार है। धनबाद एसएसपी के निर्देश पर विशेष टीम बनाई गई थी। टीम ने तकनीकी निगरानी और दस्तावेजों के विश्लेषण से आरोपी का पता लगाया। आरोपी लगातार अपना ठिकाने बदल रहा था। पुलिस टीम ने चेन्नई के पूनामल्ली क्षेत्र से आरोपी को गिरफ्तार कर झारखंड लाने में सफलता पाई। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। आगे की जांच जारी है। पुलिस अब पूरे गिरोह की भूमिका और अन्य संभावित पीड़ितों की पहचान में जुटी है। चिरकुंडा पुलिस की इस कार्रवाई को एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। इससे वर्षों से लंबित एक आर्थिक अपराध के आरोपी को कानून के हवाले किया गया है।

बिजली की चपेट में आया लाइन मैन, 11 हजार वोल्ट की लाइन में मरम्मत के दौरान 40प्रतिशत झुलसा

चाईबासा, एजेंसी। चक्रधरपुर में एक लाइन मैन बिजली की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गया है। लोटा पहाड़ गांव का रहने वाला श्याम सुंदर रजक लाडुपोदा गांव में 11 हजार वोल्ट की मेन लाइन की मरम्मत कर रहा था। श्याम सुंदर ने मरम्मत कार्य के लिए विधिवत शट डाउन ले रखा था। इसके बावजूद किसी ने अचानक लाइन चालू कर दी। इससे श्याम सुंदर झटके के साथ नीचे गिर गया। उसके दोनों पैर और कंधे झुलस गए।

साथियों की मदद से घायल को अनुमंडल अस्पताल लाया गया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर स्थिति देखते हुए जमशेदपुर के टाटा मेन अस्पताल रेफर कर दिया। चिकित्सकों के अनुसार, श्याम सुंदर करीब 40 प्रतिशत जला है। अस्पताल में मौजूद एसडीओ इलेक्ट्रिक भमापद टुटू ने घटना पर कुछ भी कहने से इनकार कर दिया। 10 दिन पहले भी कुरुलिया पावर सब स्टेशन में काम के दौरान ऑपरेटर द्वारा पावर सप्लाई चालू कर दी गई थी।

जर्जर स्कूलों में बच्चों की क्लास चलाने पर रोक, मरम्मत करने के सख्त निर्देश

रांची, एजेंसी। झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद के राज्य परियोजना निदेशक शशि रंजन ने सभी जर्जर स्कूलों की पहचान कर उनकी मरम्मति कराने का आदेश दिया है। इसे लेकर उन्होंने सभी जिलों के उपायुक्तों को पत्र लिखा है।

उन्होंने यह निर्देश भी दिया है कि किसी भी हाल में जर्जर कक्षा या स्कूल में बच्चों का पठन-पाठन न हो। यदि ऐसे भवन की पहचान होती है तो वहां के बच्चों को दूसरी कक्षाओं या स्कूल में शिफ्ट किया जाए।

राज्य परियोजना निदेशक ने कहा है कि विद्यालय में उपलब्ध फंड या सीएसआर मद से जर्जर स्कूलों की मरम्मति कराई जाए। ऐसे स्कूलों की ही मरम्मति हो जो बनने लायक हैं। जो बनने लायक नहीं हैं, उन्हें नष्ट करने की कार्रवाई करें।

यदि फंड उपलब्ध नहीं है तो उपायुक्त राशि की मांग परिषद से करें। उन्होंने अभियंताओं की टीम बनाकर ऐसे स्कूलों की पहचान करने को कहा है। उन्होंने राज्य में अत्यधिक बारिश होने का भी हवाला देते हुए ऐसे स्कूलों में पठन-पाठन कराया जाना खतरनाक बताया है। राज्य परियोजना निदेशक ने जर्जर भवनों की मरम्मति और नष्ट करने को लेकर पूर्व के निर्देशों का भी हवाला दिया है।

साथ ही जिला शिक्षा पदाधिकारियों और जिला शिक्षा अधीक्षकों को विभिन्न बैठकों में दिए गए निर्देश को भी याद दिलाते हुए उसपर शीघ्र कार्रवाई करने को कहा है।

भाजपा निकालेगी तिरंगा यात्रा, हर घर तिरंगा कार्यक्रम को सफल बनाने में जुटी पार्टी

रांची, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर प्रत्येक वर्ष की तरह इस बार भी भाजपा हर घर तिरंगा कार्यक्रम के साथ तिरंगा यात्रा कार्यक्रम का आयोजन करेगी। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए पार्टी ने महामंत्री मनोज कुमार सिंह को प्रदेश संयोजक और नन्द जी प्रसाद, शशांक राज, बबलू भगत और सीमा सिंह को सह संयोजक बनाया है।

आगामी कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए प्रदेश संयोजक मनोज सिंह ने बताया कि तैयारियों को लेकर 3 अगस्त से 5 अगस्त तक विभिन्न जिलों में और 6 से 10 अगस्त तक मंडलों में कार्यशालाएं आयोजित होंगी। इसके अलावे विभिन्न जिलों में आयोजित कार्यशाला में प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी सहित प्रदेश के सभी प्रमुख नेता शामिल होंगे।

उन्होंने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी 3 अगस्त को रांची महानगर की बैठक में शामिल होंगे। जबकि संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह 5 अगस्त को रामगढ़, 3 अगस्त को प्रदेश महामंत्री और सांसद आदित्य साहू लोहरदगा, डॉ प्रदीप वर्मा रांची ग्रामीण जिला, 4 अगस्त को प्रदेश महामंत्री मनोज सिंह लातेहार में, प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश प्रसाद 6 अगस्त को जमशेदपुर महानगर, विकास प्रीतम 5 अगस्त को चतरा, 6 अगस्त को गढ़वा, आरती कुजूर खूंटी, बड़ कुंवर गगराई पूर्वी सिंहभूम, पूर्व नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी धनबाद महानगर और ग्रामीण की कार्यशाला में 5 अगस्त को शामिल होंगे।

सभी मंडलों में भाजपा निकालेगी तिरंगा यात्रा

भाजपा द्वारा 10 से 14 अगस्त तक सभी मंडलों में तिरंगा यात्रा आयोजित होगी। 12 से 14 अगस्त तक शहीद स्मारकों, प्रतिमाओं पर स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। वहीं, 13 से 15 अगस्त तक सभी घरों, प्रतिष्ठानों पर कार्यकर्ताओं द्वारा तिरंगा फहराने का आग्रह किया जाएगा। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस के एक दिन पूर्व 14 अगस्त को पार्टी विभाजन विभीषिका दिवस भी मनाएगी। बीजेपी मीडिया प्रभारी शिवपूजन पाठक ने कहा कि तिरंगा यात्रा को सफल बनाने के लिए सभी जिला और मंडल कमेटी के साथ-साथ प्रदेश स्तर पर विशेष रूप से जिम्मेदारी दी गई है, जिसके तहत कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

पिछड़ों के लिए निकाय चुनाव में 27 प्रतिशत आरक्षण, भाजपा प्रदेश महामंत्री ने कांग्रेस पर लगाए गंभीर आरोप

रांची, एजेंसी। भाजपा प्रदेश महामंत्री एवं राज्यसभा सदस्य आदित्य साहू ने रहा है कि कांग्रेस पार्टी हमेशा से पिछड़ों की विरोधी रही है। शनिवार को कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए आदित्य साहू ने कहा कि उनकी पार्टी पिछड़ा समाज का हितैषी बनने का दिखावा कर रही है। जबकि कांग्रेस समर्थित हेमंत सरकार में पंचायत चुनाव की प्रक्रिया बिना पिछड़ा समाज के आरक्षण के संपन्न हुए। पिछड़ों की चिंता करने वाली कांग्रेस निकाय चुनाव में 27 प्रतिशत आरक्षण की घोषणा करे। लेकिन ये वही कांग्रेस पार्टी है जिसने पिछड़ा वर्ग आयोग को कभी भी संवैधानिक दर्जा नहीं दिया। मंडल कमीशन की रिपोर्ट को वर्षों तक ठंडे बस्ते में डाल दिया, जिसे वीपी सिंह की सरकार ने लागू किया। कांग्रेस ने एक परिवार को महिमा मंडित करने में अनेक विद्वान और जनाधार वाले पिछड़े नेताओं को बार-बार अपमानित किया। आदित्य साहू ने कहा कि अभी तक राज्य सरकार ने ट्रिपल टेस्ट की प्रक्रिया को पूरा नहीं किया जो आरक्षण का प्रतिशत बढ़ाने के लिए पहली संवैधानिक जरूरत है। प्रदीप यादव को पता होगा कि बाबूलाल मरांडी के मंत्रिमंडल में जिसमें वे स्वयं भी शामिल थे पिछड़ों के आरक्षण को बढ़ाने की कोशिश की गई थी। लेकिन कोर्ट के निर्देश में उसे लागू नहीं किया जा सका। जबकि भाजपा पिछड़ों के विकास के लिए समर्पित है।

धरने पर बैठे पूर्व मंत्री, जेसीबी से सड़क काटी, ट्रांसपोर्टिंग ठप

रांची, एजेंसी। पूर्व कृषि मंत्री योगेंद्र साव और ऋत्विक कंपनी के बीच विवाद गहरा गया है। योगेंद्र साव शनिवार को झुमरी टांड के पास धरने पर बैठ गए। जोरदाग सती चीरा ट्रांसपोर्टिंग सड़क को जेसीबी से काट दिया। सीबी माइंस में खनन और ट्रांसपोर्टिंग कार्य बंद करा दिया। उन्होंने केरेडारी थाने में कंपनी के खिलाफ आवेदन दिया है। इसमें आरोप है कि उन्हें सूचना दिए बगैर उनकी चिमनी और घर को तोड़कर करोड़ों रुपए का नुकसान पहुंचाया गया। उधर, शुक्रवार देर रात ऋत्विक कंपनी के दो अधिकारियों और एक ऑपरेटर को बंधक बना लिया गया। जिसे पुलिस ने रात में ही मुक्त कराया। कंपनी के मुख्य सुरक्षा अधिकारी अवधेश कुमार सिंह ने इस मामले में पगार ओपी में केस दर्ज कराया है। इसमें योगेंद्र साव, उनके भाई धीरेंद्र साव व इनके 3-4 बाउंसर समेत संजय कुमार, खुदन साव, जगदीश साव, तिलेश्वर साव, गुड़ा पासवान, प्रमोद साव, कैला कुमार साव, लखन साव, कैला साव, दिलीप साव सहित 40-50 समर्थकों के नाम शामिल हैं।

अवधेश कुमार ने कहा है कि मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में जोरदाग स्थित योगेंद्र साव की चिमनी व चहारदीवारी को ध्वस्त कर वे लोग शाम पांच बजे लौट आए। इसके बाद कंपनी की मशीन लेकर ऑपरेटर लौट रहा था। तभी योगेंद्र के भाई धीरेंद्र साव व 3-4 बाउंसर आए और ऑपरेटर को जबरन मशीन वापस करवाकर उसे बेरहमी से पीटा। अपनी गाड़ी में बिठा लिया। सूचना पर कंपनी के असिस्टेंट मैनेजर अनुराग गुप्ता के साथ ऑपरेटर को छुड़ाने पहुंचे तो उन्हें कमरे में बंद कर दिया गया। कंपनी के अनुसार योगेंद्र साव की जोरदाग स्थित गैरमजरूआ खास के खाता 190,प्लॉट 13 रकबा एक एकड़ के करीब जमीन सीबी माइंस के खनन क्षेत्र के करीब आ गई थी। कंपनी सीबी एक्ट के आलोक में इनकी संरचना की मापी कर मुआवजा स्वीकार करने के लिए योगेंद्र साव को नोटिस दिया। मुआवजा स्वीकार नहीं किया तो सीबी एक्ट 1957 की धारा 17 (2) के आधार पर मापी के अनुसार जो राशि तय हुई, ट्रिब्यूनल कोर्ट रांची में जमा कर एसडीओ के आदेश पर 1 अगस्त को दिन में चिमनी व बाउंड्री तोड़ी गई।

राज्य में किडनी ट्रांसप्लांट नहीं, बाहर जाना विवशता

रांची, एजेंसी। स्टेट ऑर्गन एंड टिशू ट्रांसप्लांट ऑर्गनाइजेशन (सोट्टो) झारखंड द्वारा शनिवार को भारतीय अंगदान दिवस के मौके पर विशेष सम्मान समारोह का आयोजन किया। जिसमें नेत्रदान करने वाले दिवंगत लोगों के परिजनों को सम्मानित किया गया। एक आंकड़े के अनुचार, रिम्स में किडनी ट्रांसप्लांट शुरू नहीं होने से हर माह 100 से ज्यादा मरीज दूसरे राज्य में प्रत्यारोपण करा रहे हैं।

समारोह में विशेष उल्लेख दिवंगत सुशांत सिंह का किया गया, जिनके परिवार ने 2023 में लंदन में उनके अंग दान किए थे। सुशांत सिंह के पिता ने वीडियो संदेश के माध्यम से अपनी भावनाएं साझा कीं। उन्होंने कहा- मुझे ऐसा लगता है कि जैसे मेरा बेटा आज भी जीवित है। उसके अंगों के माध्यम से कई लोगों को नई जिंदगी मिली है। शनिवार को रिम्स में आयोजित कार्यक्रम में निदेशक डॉ. राजकुमार, डीन डॉ. शशि बाला सिंह, नेत्र विभाग के एचओडी डॉ सुनील कुमार, सोट्टो झारखंड के नोडल पदाधिकारी डॉ राजीव रंजन व अन्य उपस्थित थे।

कार्यक्रम के दौरान रिम्स क्विज सोसायटी के 2022 बैच के छात्रों द्वारा पोस्टर मेकिंग, फेस पेंटिंग और क्विज प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। जिसमें छात्रों ने अंगदान विषय पर अपनी रचनात्मकता के माध्यम से जागरूकता फैलाई। सोट्टो झारखंड की इस पहल की सराहना करते हुए सभी वक्ताओं ने समाज से आह्वान किया कि वे अंगदान के लिए आगे आएं और मृत्यु के बाद भी किसी और के जीवन को रौशन करें।

स्व. राम रतन राम, 76 वर्षीय बुजुर्ग, जो जीवनभर नॉन-एल्कोहलिक रहे, लेकिन लीवर सोरायसिस की गंभीर बीमारी के शिकार हो गए थे। लंबे इलाज के बावजूद उनका लीवर पूरी तरह से खराब हो चुका था और अंततः उनका निधन हो गया। उनके बेटे ने बताया कि स्व. राम रतन राम ने वर्षों पहले देहदान की शपथ ली थी। निधन के बाद जब डॉक्टरों से परामर्श लिया गया, तो बताया गया कि कॉर्निया डोनेशन भी संभव है। इसके बाद परिवार ने तुरंत निर्णय लिया और आई बैंक से संपर्क कर कॉर्निया रिट्रीव कराया। कॉर्निया दान के बाद स्व. राम रतन राम का पूरा शरीर मेडिकल कॉलेज को दान कर दिया गया, ताकि आने वाली पीढ़ियों के डॉक्टर उनके शरीर से शिक्षा और शोध ले सकें। यह पहल न केवल किसी जरूरतमंद को दृष्टि दे गई, बल्कि मेडिकल शिक्षा को भी नई दिशा प्रदान करेगी।

निदेशक ने कहा कि जब किसी व्यक्ति को ब्रेन डेड घोषित कर दिया जाता है, तो अंगदान को लेकर हिचक क्यों? आज भी ब्रेन डेड की पुष्टि के बाद अंगदान नहीं हो पा रहा है। यही स्थिति कुछ वर्ष पहले रक्तदान को लेकर भी थी, लेकिन जागरूकता आने के बाद स्थिति बदली। अब अंगदान के लिए भी हमें समाज में जागरूकता फैलानी होगी। मीडिया और आम जनता को इसमें अहम भूमिका निभानी चाहिए। जब अंग दूसरों को जीवन दे सकते हैं, तो उन्हें व्यर्थ क्यों जाने दें? साथ ही उन्होंने कहा कि अंगदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए रिम्स प्रतिबद्ध है।

आईआईटी-आईएसएम निकालेगा धरती में दबे दुर्लभ खनिजों का महाखजाना, इन चीजों को बनाने में होगा उपयोग

धनबाद, एजेंसी। देश में दुर्लभ खनिजों का अदृश्य महाखजाना हैं, जो जमीन के नीचे कई सालों से दबा है। धरती में दबे इस दुर्लभ खनिजों की खोज अब आईआईटी आईएसएम करेगा।

आईएसएम न केवल इस दुर्लभ खजाने की खोज करेगा बल्कि रिसर्च से लेकर खनन, खनन से लेकर प्रोसेसिंग, प्रोसेसिंग से लेकर चुंबक बनाने और फिर उस चुंबक को अंतिम उत्पाद में इस्तेमाल करने तक की महत्वपूर्ण भूमिका भी निभाएगा।

दुर्लभ खनिजों की खोज के लिए आईआईटी आईएसएम को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस घोषित किया गया है। आईआईटी आईएसएम में दुर्लभ खनिजों के क्षेत्र में अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने पर काम किया जाएगा।

आईएसएम कंसोर्टियम मॉडल पर काम करेगा। यह मिशन 2024-25 से 2030-31 तक चलेगा। इसका उद्देश्य देश में दुर्लभ खनिजों के घरेलू उत्पादन को बढ़ाना, आयात पर निर्भरता कम करना और खनन को बढ़ावा देना है।

भारत करीब 95 फीसद दुर्लभ खनिज चुंबक का आयात करता है। बताते चले कि राष्ट्रीय दुर्लभ खनिज मिशन (एनसीएमएम) के तहत देश के सात प्रमुख शिक्षण संस्थानों को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस घोषित किया है।

इनमें चार आईआईटी आईआईटी बांम्बे, आईआईटी हैदराबाद, आईआईटी आईएसएम धनबाद और आईआइटी रुड़की शामिल हैं। इन संस्थानों में दुर्लभ खनिजों के क्षेत्र में अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए काम किया जाएगा। हर केंद्र एक कंसोर्टियम माडल पर काम करेगा।

रांची में बिल्डिंग में लगी भयानक आग, दो दुकानें और एक मकान जलकर राख

रांची, एजेंसी। राजधानी रांची के अरगोड़ा थाना क्षेत्र के सहजानंद चौक के पास स्थित एक बिल्डिंग में रविवार तड़के अचानक भीषण आग लग गई। इस आग में बिल्डिंग में बनी दो दुकानें पूरी तरह जलकर खाक हो गईं। वहीं ऊपरी मंजिल पर स्थित मकान को भी नुकसान पहुंचा है। रांची के सहजानंद चौक के पास स्थित एक बिल्डिंग में स्थित दो स्टेशनरी की दुकानों में भीषण आग लग गई। आग रविवार तड़के करीब चार बजे लगी। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि देखते ही देखते पूरी इमारत में आग फैल गई। ऊपरी इमारत में सो रहे लोगों ने आनन-फानन में घर से बाहर निकलकर अपनी जान बचाई। अरगोड़ा थाना प्रभारी ब्रह्मदेव प्रसाद ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाना शुरू कर दिया। थाना प्रभारी के अनुसार, आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। स्थानीय लोगों ने बताया कि आग की लपटें इतनी तेज थीं कि इमारत के आसपास जाना भी मुश्किल हो गया। भीषण आग के कारण किसी को भी कुछ भी बचाने का मौका नहीं मिला। इस आग में बगल की इमारत को भी नुकसान पहुंचा है, जबकि दुकान पूरी तरह से बर्बाद हो गई है। आग की सूचना मिलने पर दमकल की चार गाड़ियां मौके पर पहुंचीं, लेकिन उन्हें आग पर काबू पाने में काफी समय लगा। इमारत के मालिक ने बताया कि आग लगने से सब कुछ नष्ट हो गया। अब तक की जांच से पता चलता है कि आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी।

जमशेदपुर में डेंगू से हाहाकार, 11 हजार घरों में मिला लार्वा, विशेषज्ञों ने दी चेतावनी

जमशेदपुर, एजेंसी। शहर में डेंगू का प्रकोप लगातार तेज हो रहा है। शनिवार को डेंगू के चार नए संदिग्ध मरीज मिले हैं, जो गोविंदपुर और उसके आसपास के क्षेत्रों से हैं। इन सभी का इलाज टाटा मोटर्स अस्पताल में किया जा रहा है। वहीं, एमजीएम के लैब से आई रिपोर्ट में दो मरीजों में डेंगू की पुष्टि हुई।

इनमें से एक मरीज की मौत पहले ही हो चुकी थी, जिसके नमूने को जांच के लिए भेजा गया था। दूसरे मरीज का इलाज अभी अस्पताल में चल रहा है और उसकी स्थिति सामान्य है। अब तक पूर्वी सिंहभूम जिले में डेंगू के कुल 23 मामलों की पुष्टि हो चुकी है।

वहीं, हाउस इंडेक्स (घर आधारित संक्रमण मापक) 4.1 तक पहुंच गया है, जो कि विश्व स्वास्थ्य संगठन की तय सीमा 1 प्रतिशत से कहीं अधिक है। यह स्थिति बेहद चिंताजनक है।

स्वास्थ्य विभाग की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, अब तक जिले में कुल 2 लाख 78 हजार 816 घरों की जांच की जा चुकी है, जिसमें से 11,306 घरों में डेंगू मच्छरों के लार्वा पाए गए। लेकिन इसके बावजूद विभाग की फागिंग गतिविधियां बेहद कमजोर हैं।

सिर्फ 795 जगहों पर ही फागिंग की गई है। इतना ही नहीं, अब तक सिर्फ 3 लोगों पर जुर्माना लगाया गया है, जो प्रशासन की लचर कार्रवाई को उजागर करता है।

वर्तमान में जिले के अस्पतालों में कुल 3 डेंगू मरीज भर्ती हैं। अच्छी बात यह है कि इनमें कोई भी मरीज आईसीयू में नहीं है। सभी सामान्य वार्ड पर भर्ती हैं।

पूर्व मंत्री योगेंद्र साव को बड़ा झटका, उनकी फैक्ट्री को एनटीपीसी ने किया ध्वस्त, साव ने दो अधिकारियों को बनाया बंधक

केरेडारी (हजारीबाग), एजेंसी। बड़कागांव के पूर्व विधायक सह पूर्व कृषि मंत्री योगेंद्र साव की 30 वर्ष पूर्व चट्टी बरियातू कोल माइंस के अधिकृत क्षेत्र जोरदाग के झुमरी टांड़ में बनी लक्ष्मण सिरामिक आफ मिनरल फायर क्ले प्राईवेट लिमिटेड को शुक्रवार करीब दो बजे एनटीपीसी ने जमींदोज कर दिया।

इसकी सूचना मिलते ही श्री साव जोरदाग कार्य स्थल पर अपने अंगरक्षकों के साथ पहुंचे। वहां सबसे पहले हाइवा चालकों और जेसीबी आपरेटर की पिटाई कर दी। कोयला ट्रांसपोर्टिंग को बंद करा दिया।

इसके आलावा एमडीओ ऋत्विक माइंस के सहायक प्रबंधक अनुराग गुप्ता और सेवानिवृत डीएसपी अवधेश सिंह को बंधक बना कर झुमरी टांड़ अपने घर में रखा। पुलिस प्रशासन ने करीब दो घंटे बाद उन्हें मुक्त कराया।

पूर्व मंत्री योगेंद्र साव का कहना था कि बिना मेरी जानकारी के और बिना मुआवजा भुगतान किए कैसे मेरी ईंट और चिमनी की संरचना को ध्वस्त किया गया। सीनियर मजिस्ट्रेट के रूप में नियुक्त सीओ रामरतन कुमार वर्णवाल से वार्ता के बाद अधिकारियों को छोड़ा गया। इधर चट्टी बरियातू कोयला खनन परियोजना के एमडीओ ऋत्विक कोल माइंस ने एसडीओ के आदेश पर सीनियर मजिस्ट्रेट सीओ रामरतन कुमार वर्णवाल और जूनियर मजिस्ट्रेट अंकित पांडे तथा जिला पुलिस बल की मौजूदगी में खनन क्षेत्र में अवस्थित ईंट और चिमनी की संरचना को ध्वस्त कर दिया।

क्योंकि कोयला खनन माइंस उक्त फैक्टरी के समीप आ चुकी है। साथ ही बताया है कि उक्त जमीन योगेंद्र साव के नाम पर है, लेकिन अभी तक जमीन का दाखिल खारिज नहीं हो सका है। शायद जमीन की प्रकृति गैरमजरुआ है। जिसका मुआवजा राज्य सरकार को दिया जाता है। फिर भी योगेंद्र साव को मुआवजा के लिए लिखित व मौखिक कहा गया है। लेकिन योगेंद्र साव ने अभी मुआवजे को एक साथ भुगतान करने की बात कही। इसके बाद एमडीओ कंपनी ने मुआवजे की राशि को बीते 15 जुलाई 2025 को ट्रिब्यूनल में जमा करा दिया है।

रिम्सः पुरानी बिल्डिंग में भी एमआरआई मशीन जल्द, निदेशक बोले- टेंडर हो चुका है फाइनल

रांची, एजेंसी। रिम्स के क्षेत्रीय नेत्र संस्थान की बिल्डिंग में ही नई एमआरआई मशीन लगेंगी। निदेशक ने इस मामले में कहा कि हमने बिल्डिंग का केवल छोटा सा हिस्सा लिया है, जिसमें मशीन इंस्टॉल कराई जा सके। चूंकि भविष्य की योजना है कि नया ओपीडी कॉम्पलेक्स भी आरआईओ के आस-पास बनेगा। ऐसे में मशीन यहां रहने से ओपीडी पेशेंट्स को सुविधा मिलेगी। निदेशक ने भर्ती मरीजों की जांच को लेकर कहा कि जल्द ही रिम्स में दूसरी एमआरआई मशीन भी खरीदी जाएगी। इसके लिए टेंडर फाइनल किया जा चुका है। दूसरी मशीन के आते ही उसे पुराने भवन में स्थान चिन्हित कर इंस्टॉल कराया जाएगा जिससे केवल भर्ती मरीजों की जांच की जाएगी। हालांकि, जबतक दूसरी मशीन नही आती है तब तक वैकल्पिक व्यवस्था के तहत भर्ती मरीजों की जांच भी क्षेत्रीय नेत्र संस्थान के रेडियोलॉजी सेंटर में की जाएगी। मरीज को यहां लाने के लिए अलग से ट्रॉली, स्ट्रेचर के साथ ट्रॉली मैन नियुक्त रहेंगे। वहीं उन मरीजों के लिए अलग से रास्ता भी दिया जाएगा जिससे अस्पताल व आरआईओ की दूरी कम से कम की जा सके। निदेशक डॉ. राजकुमार ने कहा कि क्षेत्रीय नेत्र संस्थान में स्थान का चयन तीन-चार कमेटी ने मिलकर किया है। पूर्व में चार स्थानों को फिलिप्स कंपनी के इंजीनियर ने रिजेक्ट कर दिया था। इसके बाद आरआईओ में इंस्टॉल करने का निर्णय लिया गया है। इसपर निदेशक ने यह भी कहा कि मशीन इंस्टॉल होने के बाद इसकी लाइफ 20 से 25 साल रहेगी। ऐसे में मशीन ऐसी जगह में इंस्टॉल होनी चाहिए कि भविष्य में होने वाली सिविल वर्क से इसे परेशानी न हो। पुरानी बिल्डिंग कमजोर हो चुकी है। सरकार इसे डिमॉलिश करने की भी योजना पर काम कर रही है।

सब्जी उत्पादन की विशिष्ट समस्याएं

भारत की जलवायु तथा भूमि सब्जी उत्पादन के लिऐ अत्यन्त उपयुक्त है। उत्पादन तुलनात्मक दृष्टि से कम है क्योकि रोग/कीटों से हानि बहुत होती है। प्रमुख व्याधियां इस प्रकार हैं।

सोलेनेसी कुल के पौधों में निमेटोड की समस्या- फसलों में ज्यादातर बीमारियाँ फंफूदी बैक्टीरिया और वायरस द्वारा होती है। लेकिन सूत्रकृमि यानी निमेटोड भी फसलों, खासकर सब्जी की फसल के पौधों की जड़ों में गाँठ बनाकर नुकसान पहुंचाकर पैदावार को कम करते हैं। भारत में सब्जी उत्पादन में औसतन पैदावार में निमेटोड से तकरीबन 10-15 प्रतिशत का नुकसान होता है।

लक्षण

- निमेटोड के कारण जड़ गांठ बिमारी होती है,
- जिन खेतों में निमेटोड पहले से मौजूद होता है उन खेतों में पौधे पीले पड़कर गिरने लगते हैं।
- पौधों की जमीन से पोषक तत्वों लेने की ताकत कम होती है।
- जड़ों में गांठे बन जाती हैं, जिसके चलते पत्तियों का आकार छोटा हो जाता है।

रोकथाम -

- टमाटर के बीज को कार्बोफ्यूरान से उपचारित करके बोना चाहिए।
- उचित फसल चक्र अपनाना चाहिए।
- धान की फसल वाले खेतों में सब्जी उत्पादन करने से निमेटोड नहीं लगते हैं।
- गहरी जुताई गर्मी के मई-जून महीने में करना चाहिए।
- खेतों में नीम, महुआ, करंज व अरण्डी वगैरह की खली की खली की 15 से 24 क्विंटल मात्रा प्रति हेक्टर की दर से देना चाहिए।
- उचित किस्म का चयन जैसे टमाटर की निमोटेक्स, एनटीआर-1, एसएल-120, मिर्च की एनपी-46ए, पूसा ज्वाला करना चाहिए।

बैंगन का फल भेदक कीट

यह बैंगन का प्रमुख कीट है जिससे सबसे अधिक हानि होती है। यह कीट सफेद रंग का होता है तथा इसके पंखों पर भूरे रंग के धब्बे होते हैं। इसकी इल्ली सफेद या हल्के गुलाबी रंग की होती है तथा शरीर में बैंगनी रंग की धारियां होती हैं।

लक्षण -

- यह कीट तने तथा फल में छेद करता है और अन्दर से काट देता है।
- इस कीट से बढ़ती हुई शिरायें मुरझाकर खत्म हो जाती है।
- फलों की गुणवत्ता में कमी आती है।
- फल बनने पर मैलाथियान 1.5 मिली. प्रति ली. पानी की दर से छिड़के इसे 10-15 दिन पर दोहराये।
- बैंगन की प्रतिरोधी किस्म- पंत सम्राट, पंत ऋतुराज, पूसा हाईब्रिड-6ए, 9, पूसा क्रांति आदि का उपयोग करना चाहिए।

भिण्डी में पीत शिरा विषाणु रोग

भिण्डी का यह प्रमुख रोग विषाणु के द्वारा होता है तथा इसका वाहक सफेद मक्खी होती है। यह रोग वर्षा ऋतु में अधिक फैलता है। रोग के कारण 90% तक की हानि हो सकती है।

लक्षण

- पौधे की वृद्धि रूक जाती हैं।
- पत्तियों की शिरायें पीली पड़ने लगती है।
- कुछ समय बाद पत्तियां सिकुड़ने तथा मुड़ने लगती हैं। अंततः पूरा पौधा पीला पड़ जाता है।
- फल का आकार भी छोटा हो जाता है तथा वो पीला पड़ जाता है।

रोकथाम

- खेत की साफ-सफाई अच्छे से करना चाहिए।
- रोगग्रस्त पौधों को उखाड़कर जला देना चाहिए।
- कीट वाहक के नियंत्रण के लिए डायजिनान 20ई.सी. 1मि.ली./ लिटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।
- कार्बोफ्यूरान 1किलो ग्राम प्रति है बोते

समय डालना चाहिए। रोग प्रतिरोधी किस्में जैसे अर्का अनामिका, अर्का अभय, वर्षा उपहार, वी.आर,ओ,- 6 का उपयोग करना चाहिए।

प्याज का बैंगनी धब्बा (पर्पल ब्लांच)

यह एक फंफूद जनक रोग है। यह अधिकतर 28-30 डिग्री तापमान और 70-90% आर्दता इस रोग के लिए उपयुक्त होती है। सामान्यतः यह खरीफ में रबी की अपेक्षा अधिक होती है यह रोग फरवरी से अप्रैल के मध्य लगता है।

लक्षण -

- शुरूआत में पत्तियों पर छोटे सफेद रंग के धब्बे हो जाते हैं, जिनका मध्य भाग बैंगनी रंग का होता है।
- बाद में बैंगनी धब्बे बड़े हो जाते हैं। द्य पत्तियों एवं तना सूखने लगता है और गिर जाता है।

रोकथामः-

- खेत में साफ-सफाई रखना चाहिए।
- उचित फसल चक्र अपनाना चाहिए।
- समय पर दवाईयों का छिड़काव करना चाहिए। द्य मैन्कोजेब 2 ग्राम/लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करना चाहिए।
- रोग प्रतिरोधी किस्में जैसे अर्का कल्याण, नासिक रेड का फसल उत्पादन में प्रयोग करना चाहिए।

बैंगन की छोटी पत्ती -

यह रोग बैंगन में माइकोप्लाज्मा के द्वारा होता है इसका वाहक फुदका होता है। यह बैंगन का प्रमुख रोग है। इसके कारण 100% तक की हानि हो जाती है।

लक्षणः-

- रोगग्रस्त पौधों की पत्तियां पतली पड़ जाती हैं।
- पत्तियाँ छोटी पड़ जाती और शीर्ष में झुंड बन जाता है। द्य पौधों में पुष्प नहीं लगते है।
- पौधों की वृद्धि रूक जाती है एवं धीरे-धीरे पौधा सूखने लगता है।

रोकथाम

- रोगग्रस्त पौधों को उखाड़ कर जला देना चाहिए।
- खेत में साफ-सफाई रखना चाहिए।
- उचित फसल चक्र अपनाना चाहिए।
- रटून फसल नहीं लेना चाहिए।
- पौधे को रोपाई के पूर्व 0-2% कार्बोफ्यूरान (75%) के घोल में 24 घण्टे के लिए रखकर रोपाई करना चाहिए।
- 10 से 50 पीपीएम टैट्रासाईक्लिन का छिड़काव करना चाहिए।

ज्वार के प्रमुख कीट रोग एवं उनका प्रबंधन

ज्वार खरीफ की एक महत्वपूर्ण खाद्यान्न फसल है। यह अधिक तापमान सहकर भी अन्य खाद्यान्नों की अपेक्षा अधिक उत्पादन देने की क्षमता रखती है। ज्वार के दानों का प्रयोग चपाती, बिस्कुट, केक, पापड़ बनाने के अतिरिक्त मदिरा, इथेनाल, स्टार्च, गुड़ आदि भी तैयार करने में आता है। ज्वार की फसल में बुवाई से लेकर दाना पकने की अवस्था तक कीटों के नियंत्रण तथा उचित प्रबंधन से अच्छा उत्पादन ले सकते हैं।

शूट फ्लाई- यह कीट अंकुरण के प्रथम सप्ताह से चार सप्ताह तक क्षति पहुंचाता है। छोटी-छोटी लटें पौधे के अग्रभाग में घुसकर मुख्य प्ररोह को क्षति पहुंचाती हैं जो सूखकर मृत केन्द्र बनता हैं।

नियंत्रण - मानसून वर्षा के 7 दिन में बुवाई करें। बीज दर बढ़ाकर काम लें जिससे क्षतिग्रस्त पौधों को उखाड़कर नष्ट करने पर पौधों की संख्या कम न हो। फोरेट 20 किग्रा. प्रति हेक्टर बुवाई के समय मृदा में मिलावें। मेलाथियान 2 मिली. प्रति लीटर पानी का घोल फसल की 7 से 14 दिन की अवस्था में छिड़काव करें।

तना छेदक - यह फसल को दो सप्ताह तक पकने में हानि पहुंचाता रहता है। इस कीट की लटें फसल के शीर्ष पोरों को खाती रहती हैं, जिससे निचली पत्तियों में समानान्तर छेद हो जाते हैं जो आरपार दिखाई देते हैं। भारी प्रकोप होने पर प्रारंभिक अवस्था में पौधों में मृत केन्द्र विकसित हो जाते हैं।

नियंत्रण- फसल कटाई के बाद अवशेषों को जलाकर नष्ट करें. कीट के प्रकोप दिखने पर फ्यूराडान 3 जी या कार्बोरिल 3 जी 8 से 12 किग्रा प्रति हेक्टर पौधों की 20 व 35 दिन की अवस्था में पोरों में डालें।

बरूथी- यह कीट पत्तियों की निचली सतह का रस चूसते रहते हैं जिससे पत्तियां हल्की पीली पड़ने लगती हैं और बाद में इनकी ऊपरी सतह लाल या भूरी, पीली दिखाई पड़ती है। पत्तियों की निचली सतह पर जाले दिखाई पड़ते हैं।

नियंत्रण- डायमिथियेट 1 लीटर 500 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें।

पर्णपुदका - इस कीट का आक्रमण बेमौसम एवं पेड़ी ज्वार में अधिक होता है। यह कीट पौधे के नरम भाग (प्ररोह) का रस चूसकर हानि पहुंचाता है जिससे पौधे का हरापन कम हो जाता है व प्ररोह सूखकर मर जाता हैं।

नियंत्रण - मैटासिस्टाक्स कीटनाशी 1 लीटर दवा 500 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव प्रति हेक्टर करें।

रोग -

दाना फफूंद - दाना पकते समय वर्षा अथवा नमी से यह तेजी से फैलता है। ज्वार के दानों पर काली, सफेद, गुलाबी या भूरे रंग की फफूंद दिखाई देती है जो दानों का वजन व गुणवत्ता को कम कर देती है। इसके द्वारा विषैला तत्व मारकोटोक्सिन बनता है जो मनुष्य व पशुओं के लिये हानिकारक है।

नियंत्रण - फसल पकते समय वर्षा होने पर या नमी रहने पर कार्बेन्डाजिम 0.2 प्रतिशत का छिड़काव करें।

अर्गट या गूंदिया - दानों के बाहरी भाग पर गाढ़ा, रंगहीन अथवा हल्का गुलाबी चिपचिपा स्त्राव बूंदों के रूप में जमा होता है. बाजरा व इस्केमस घास इस रोगकारक के अन्य परपोषी हैं।

नियंत्रण - खेत के आसपास अन्य परपोषी पौधों को हटा दें। रोग के प्रारंभिक लक्षण दिखाई देते ही कार्बेन्डाजिम 0.2 प्रतिशत का छिड़काव करें।

कंडुआ रोग - ज्वार की फसल में चार विभिन्न प्रकार के कंड रोग लगते हैं। इनका पता सिट्टा आने पर ही चलता है। आवृत कंड में सिट्टे के सारे बीज प्रभावित होते हैं जो काले रंग के चूर्ण में बदल जाते हैं। अनावृत कंड में भी सारे बीज प्रभावित होकर गांठे बनती हैं जिस पर हल्की सफेद रंग की परत होती है। दीर्घ-कंड में सिट्टे के कुछ दाने संक्रमित होकर लम्बी बेलनाकार संरचनायें बनती हैं. शीर्ष कंड में पूरा सिट्टा ही एक गांठ के रूप में बदल जाता है।

प्रबंधन - खेत में रोगग्रस्त सिट्टे दिखाई देते ही कागज या कपड़े की थैली से इन्हें ढक कर काट लें व जलाकर नष्ट कर दें। बीजों को बुवाई पूर्व थायरम 4 ग्राम या वीटावैक्स 2 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से उपचारित करें।

पत्ती धब्बा - ज्वार पर ग्यारह प्रकार के विभिन्न पत्ती धब्बा रोगों का आक्रमण होता है। ये रोग देशी किस्मों पर व्यापकता से फैलते हैं। ये पर्ण अंगमारी, लाल धब्बा, जोनेट धब्बा, टारगेट धब्बा, कज्जली धारी, भूरा धब्बा, खुरदरा धब्बा, ड्रेक्सलेरा पत्ती झुलसा प्रमुखता से हैं।

प्रबंधन - ये रोग बीजोढ होते हैं साथ ही फसल अवशेषों में जीवित रहते हैं अतः रोगग्रस्त अवशेषों को इकट्ठा कर जला देवें। रोगग्रस्त फसल के बीज बुवाई के काम न लें। रोगरोधी किस्में सीएसवी 10,15, 17 सीएसएच 5,6,9 व 14 की बुवाई करें. चारे के काम देशी किस्में बोयें तो कार्बेन्डाजिम 2 ग्राम प्रति किलो बीज से उपचारित करें। रोग के प्रारंभिक लक्षण दिखाई देने पर मैन्कोजेब 0.2 प्रतिशत का छिड़काव करें।

चारकोल तना सड़न

इस रोग से तने के निचले भाग अथवा जड़ों पर पहले हल्के रंग के बाद में काले भूरे रंग के धब्बे बनते हैं तथा उनमें सड़न प्रारंभ हो जाती है। बहुधा इस प्रकार के पौधे झुण्डों में होते हैं तथा सूखकर गिर जाते हैं, इससे उपज में बहुत अधिक हानि होती है।

प्रबंधन

यह रबी की ज्वार में नमी कम होने पर अधिक होता हैं अतः नमी का मृदा में संरक्षण करें। उचित मात्रा में उर्वरकों का प्रयोग करें। प्रति हेक्टर पौधों की संख्या अधिक या बहुत कम नहीं होनी चाहिये। ऐसी किस्में जो दाना पकते समय हरी रहती हों बोनी चाहिए. क्योंकि इनमें चारकोल तना सड़न नहीं आता है।

रेखा झुनझुनवाना ने नाज़ारा टेक्नोलॉजीज से बेचा अपना पूरा हिस्सा

नई दिल्ली, एजेंसी। रेखा झुनझुनवाला ने नाज़ारा टेक्नोलॉजीज में अपना पूरा हिस्सा बेच दिया है। एक समय में उनकी कंपनी में 10.82 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। पिछले 3 साल में कंपनी के शेयरों की कीमतों में 111 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखने को मिली है। इस कंपनी में मधुसूदन केला और नितिन कामथ का निवेश है। मार्च 2025 की शेयरहोल्डिंग

के अनुसार नाज़ारा टेक्नोलॉजीज में रेखा झुनझुनवाला की हिस्सेदारी 7.06 प्रतिशत थी। उनके पास कंपनी के 61,83,620 शेयर थे। इकनॉमिक्स टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार कंपनी के जून की शेयरहोल्डिंग में रेखा झुनझुनवाला का नाम नहीं है। उन्होंने अपनी पूरी हिस्सा बेच दिया है।

कितने रुपये के हिसाब से उन्होंने शेयर बेचे– 13 जून को रेखा झुनझुनवाला ने नाज़ारा टेक्नोलॉजीज के 13 लाख शेयर बीएसई में और 14 लाख शेयर एनएसई में बेचा था। उन्होंने 1225.19 रुपये और 1225.63 रुपये प्रति शेयर के हिसाब से शेयर बेचे थे। यह पूरी डील 334 करोड़ रुपये के है। रेखा झुनझुनवाला ने भले ही अपना हिस्सा बेच दिया है।

900 प्रतिशत का रिटर्न देने वाले स्टॉक ने किया तिमाही नतीजों का ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी। मल्टीबैगर स्टॉक पीसी ज्वैलर्स ने तिमाही नतीजों का ऐलान कर दिया है। कंपनी की तरफ से दी जानकारी के अनुसार अप्रैल से जून 2025 के दौरान नेट प्रॉफिट 144 करोड़ रुपये रहा है। एक साल पहले इसी तिमाही में पीसी ज्वैलर्स का नेट प्रॉफिट 65 करोड़ रुपये रहा था। कंपनी के सेल्स में भी तेज इजाफा हुआ है। अप्रैल से जून के दौरान कंपनी का सेल्स 725 करोड़ रुपये रहा है। बीते वित्त वर्ष की इसी तिमाही में कंपनी की सेल्स 401 करोड़ रुपये रहा था। अब इस रिजल्ट के सामने आने के बाद कंपनी के शेयर सोमवार को फोकस में रहेंगे। कंपनी ने तिमाही नतीजों का ऐलान शनिवार की शाम को किया है।

पीजी ज्वैलर्स का 136 प्रतिशत की बढ़ोतरी के बाद 210 करोड़ रुपये रहा है। पिछले वित्त वर्ष में यह 89 करोड़ रुपये रहा था। वहीं, प्रॉफिट (टैक्स भुगतान के बाद) 164 करोड़ रुपये रहा है। पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में यह 83 करोड़ रुपये रहा था।

शेयरों का भाव 20 रुपये से कम– शुक्रवार को पीसी ज्वैलर्स के शेयरों का भाव 3.84 प्रतिशत की गिरावट के बाद 15.02 रुपये के लेवल पर बंद हुआ था। बीते 3 महीने के दौरान कंपनी के शेयरों की कीमतों में 22 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखने को मिली है। वहीं, एक साल में कंपनी के शेयरों का भाव 60 प्रतिशत से अधिक बढ़ा है। जबकि इस पीरियड में सेंसेक्स इंडेक्स में 1.55 प्रतिशत की गिरावट आई है। पीसी ज्वैलर्स के शेयरों में 2 साल में 427 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। वहीं, 5 साल में कंपनी के शेयरों का भाव 914 प्रतिशत बढ़ा है।

हो चुका है कंपनी के शेयरों का बंटवारा– 2024 में पीसी ज्वैलर्स के शेयरों का बंटवारा हुआ था। तब कंपनी के शेयरों का बंटवारा 10 हिस्सों में हुआ था। वहीं, 2017 में कंपनी ने बोनस शेयर भी दिया था।

रूसी तेल से दूरी भारत को पड़ सकती है भारी

विशेषज्ञ बोले- आयात बिल में होगी 11 अरब डॉलर तक की बढ़ोतरी

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका ने रूस से तेल खरीदना जारी रखने पर भारत को जुर्माना भुगतने की धमकी दी है। जुर्माने की धमकी के चलते अगर भारत रूसी तेल को खरीदना बंद करता है तो उसे भारी नुकसान झेलना पड़ सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि रूस से तेल आयात बंद करने के बाद भारत का वार्षिक तेल आयात बिल 9-11 अरब डॉलर तक बढ़ सकता है। हालांकि भारत अमेरिका के दबाव के आगे झुकता नहीं दिख रहा है।

रूस, दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा कच्चे तेल का उत्पादक– रूस, कच्चे तेल का दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक देश है, जिसका रोजाना का तेल उत्पादन करीब 9.5 मिलियन बैरल/प्रतिदिन है। यह वैश्विक मांग का करीब 10 प्रतिशत है। रूस, दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा निर्यातक देश भी है, जो लगभग 4.5 मिलियन बैरल प्रति दिन कच्चा तेल और 2.3 मिलियन बैरल प्रति दिन परिष्कृत उत्पादों का निर्यात करता है। साल 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद रूसी तेल के बाजार से बाहर होने की आशंका थी, जिससे वैश्विक स्तर पर तेल की कीमतें बढ़ने की आशंका पैदा हो गई। भारत ने इसे अच्छा मौका समझा और इसे लपक लिया।

इन कंपनियों के लिए चुनौती– पिछले वित्त वर्ष में भारत ने कच्चे तेल के आयात पर 137 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक खर्च किए। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड और नायरा एनर्जी जैसे रिफाइनरों के लिए चुनौती गंभीर है। नायरा को रूसी तेल कंपनी रोसनेफ्ट का समर्थन प्राप्त है और पिछले महीने यूरोपीय संघ ने उस पर प्रतिबंध लगा दिया है। जबकि रिलायंस भी यूरोप के लिए एक बड़ी ईंधन निर्यातक रही है।

भारत को मिला है काफी फायदा

फरवरी, 2022 के शुरू में भारत के कच्चे तेल आयात में रूस की हिस्सेदारी केवल 0.2 प्रतिशत थी। यूरोपीय बाजारों के दरवाजे बंद होने के बाद रूस से भारत को समुद्री निर्यात बढ़ने लगा। अब रूस से भारत कच्चे तेल का 35-40 प्रतिशत आयात कर रहा है। इससे भारत को खुदरा ईंधन की कीमतों को नियंत्रण में रखने और मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने में मदद मिलती है।

केपलर के अनुसार दुनिया के सबसे बड़े डीजल निर्यातकों में से एक होने के नाते रिलायंस ने पिछले दो वर्षों में रिफाइनिंग मार्जिन को बढ़ाने के लिए रियायती रूसी कच्चे तेल का बड़े पैमाने पर उपयोग किया है। अब रिलायंस को या तो रूसी फीडस्टॉक के अपने सेवन को कम करना होगा। इससे लागत प्रतिस्पर्धात्मकता प्रभावित होगी या रूस से जुड़े उत्पादों को गैर-यूरोपीय संघ के बाजारों में भेजना होगा। केप्लर के प्रमुख अनुसंधान विश्लेषक सुमित रिटोलिया ने कहा कि डीजल निर्यात को दक्षिण-पूर्व एशिया, अफ्रीका या लैटिन अमेरिका की ओर भेजा जाना चाहिए। लेकिन इससे मार्जिन कम होगा। यात्रा समय अधिक लगेगा

रूसी तेल के आयात में गिरावट

केप्लर के आंकड़ों के मुताबिक जुलाई में भारत के रूसी कच्चे तेल के आयात में उल्लेखनीय गिरावट आई है। यह जून में 21 लाख बैरल प्रतिदिन की तुलना में 18 लाख बैरल प्रतिदिन हो गई है। यह गिरावट सरकारी रिफाइनरियों में ज्यादा हुई है। इसके अलावा निजी रिफाइनरियों ने भी जोखिम कम करना शुरू कर दिया है। अमेरिकी प्रतिबंधों को लेकर नए खरीद विविधीकरण की प्रक्रिया शुरू हो गई है। रिटेलिया ने कहा कि यहां जोखिम केवल आपूर्ति का नहीं, बल्कि लाभ का भी है। रिफाइनरों को फीडस्टॉक की उच्च लागत का सामना करना पड़ेगा और मार्जिन पर भी दबाव होगा।

ऐसे हो सकता है भारत को नुकसान

भविष्य को लेकर केप्लर का मानना है कि भारत के जटिल निजी रिफाइनर मध्य पूर्व, पश्चिम अफ्रीका, लैटिन अमेरिका या यहां तक कि अमेरिका से गैर-रूसी बैरल की ओर रुख करेंगे। हालांकि रूसी बैरल को पूरी तरह से बदलना कोई आसान काम नहीं है। यह आर्थिक रूप से कष्टदायक और भू-राजनीतिक रूप से जोखिम भरा है। मान लें कि 18 लाख बैरल प्रतिदिन पर 5 डॉलर प्रति बैरल की छूट का नुकसान होता है, तो भारत का आयात बिल सालाना 9-11 अरब डॉलर तक बढ़ सकता है। अगर रूसी उपलब्धता कम होने के कारण वैश्विक स्थिर कीमतें और बढ़ती हैं तो लागत और भी बढ़ सकती है। इससे राजकोषीय दबाव बढ़ेगा। खासकर अगर सरकार खुदरा ईंधन की कीमतों को स्थिर करने के लिए कदम उठाती है।

अब रिफाइनरियों पर पड़ सकती है दोहरी मार

ट्रंप के टैरिफ, रूस से तेल खरीदने पर जुर्माना लगने और यूरोपीय संघ के रूसी मूल के कच्चे तेल से बने परिष्कृत उत्पादों के आयात पर प्रतिबंध लगाने से भारतीय रिफाइनरियों के लिए दोहरी मार पड़ सकती है। केप्लर के प्रमुख अनुसंधान विश्लेषक सुमित रिटोलिया इसे दोनों ओर से दबाव बताते हैं। उन्होंने कहा कि यूरोपीय संघ के प्रतिबंध जनवरी 2026 से प्रभावी होंगे। इससे भारतीय रिफाइनरों को कच्चे तेल का उपयोग करने से मजबूर किया जा सकता है। साथ ही अमेरिकी टैरिफ से भारत के रूसी तेल व्यापार को आधार देने वाली शिपिंग, बीमा और वित्तपोषण जीवन रेखा प्रभावित होगी। ये सभी उपाय भारत के कच्चे तेल की खरीद के लचीलेपन को तेजी से कम करते हैं। जोखिम को बढ़ाते हैं तथा महत्वपूर्ण लागत अनिश्चितता पैदा करते हैं।

पूर्वी भारत में खाद्य क्षेत्र के विस्तार की बड़ी संभावना

आइसक्रीम बाजार पर टिकी निगाहें

नई दिल्ली, एजेंसी। उद्योग जगत के लीडर्स का मानना है कि पूर्वी भारत में खाद्य उद्योग क्षेत्र में विकास की अपार संभावनाएं हैं। यह टिप्पणी शनिवार को इंटरनेशनल कोलकाता फूडटेक 2025 के उद्घाटन सत्र में की गई। साथ ही उन्होंने इस क्षेत्र में मौजूदा चुनौतियों का भी जिक्र किया।

बेकरी क्षेत्र के लिए अपार अवसर – लीडर्स के अनुसार बेकरी क्षेत्र में पूर्वी भारत अग्रणी है, लेकिन आइसक्रीम की श्रेणी में यह अभी भी पीछे है। ड्रीम बेक की सीईओ नेमिशा घिया ने टिकाऊ

पैकेजिंग को अपनाने का आह्वान किया। साथ ही हितधारकों से अपील किया कि वे इस बात का पता लगाएं कि यह क्षेत्र किस प्रकार उद्योग में अग्रणी स्थान प्राप्त कर सकता है।

विनिर्माण केंद्र बनने की जरूरत– भीखाराम चांदमल के निदेशक आशीष अग्रवाल ने कहा कि भले ही पूर्वी भारत मिठाई और नमकीन का एक प्रमुख उपभोक्ता है, फिर भी यह अभी तक विनिर्माण केंद्र के रूप में उभर नहीं पाया है।

आइसक्रीम बाजार में उल्लेखनीय वृद्धि की संभावना– भारतीय आइसक्रीम निर्माता संघ के उपाध्यक्ष अनुव्रत पबराय ने कहा कि इस क्षेत्र में आइसक्रीम बाजार में उल्लेखनीय वृद्धि की संभावना है। उन्होंने कहा कि हालांकि वर्तमान में इस क्षेत्र में देश की कुल आइसक्रीम खपत का केवल 15 प्रतिशत हिस्सा है। वहीं पश्चिम में 35 प्रतिशत और उत्तर व दक्षिण में 25-25 प्रतिशत है। लेकिन कम आधार को तेजी से विस्तार के एक बड़े अवसर के रूप में देखा जा रहा है।

भारतीय वाहन-टायर उद्योग को एशियाई देशों से ज्यादा नुकसान, वाहन कलपुर्जा निर्यात में यूएस हिस्सेदारी 27 प्रतिशत

नई दिल्ली, एजेंसी। रेटिंग एजेंसी इक्रा ने शनिवार को कहा कि भारतीय निर्यात पर 25 प्रतिशत अमेरिकी टैरिफ घरेलू वाहन कलपुर्जा उद्योग और टायर विनिर्माताओं को जापान, वियतनाम और इंडोनेशिया जैसे एशियाई समकक्षों की तुलना में अधिक नुकसान पहुंचाने वाला है। इक्रा ने कहा कि भारत के वाहन कलपुर्जा निर्यात में अमेरिका की हिस्सेदारी 27 प्रतिशत और टायर निर्यात में 17 प्रतिशत है। इसलिए टैरिफ में बढ़ोतरी से भारतीय विनिर्माताओं को जापान, वियतनाम और इंडोनेशिया जैसे एशियाई समकक्षों की तुलना में नुकसान होगा, जहां कम या तरजीही शुल्क लागू हैं। इसमें कहा

गया है कि खासकर ऑफ-हाइवे और सिर्फ टायर खंड में, और विभिन्न वाहन कलपुर्जा में शुल्क में बढ़ोतरी से भारतीय आपूर्तिकर्ताओं की प्रतिस्पर्धात्मकता प्रभावित हो सकती है। हालांकि, पहले भारतीय टायर निर्यातकों को चीनी प्रतिस्पर्धियों पर मामूली बढ़त हासिल थी लेकिन अब अन्य दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों को दी जाने वाली कम शुल्क दरों से यह बढ़त कम हो सकती है। वाहन कलपुर्जा उद्योग ने पिछले वित्त वर्ष (2024-25) के लिए 80.2 अरब डॉलर (6.73 लाख करोड़ रुपये) का कारोबार दर्ज किया, जो वित्त वर्ष 2023-24 की तुलना में लगभग 10 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

अमेरिकी टैरिफ के दबाव से एफपीआई का रुख बदला, जुलाई में बाजार से निकाले 17741 करोड़ रुपये

नई दिल्ली, एजेंसी। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) ने जुलाई में भारतीय बाजारों से कुल 17,741 करोड़ रुपये निकाले। इसी के साथ वे इक्विटी बाजार में शुद्ध विक्रेता बन गए हैं। एनएसडीएल के आंकड़ों से यह जानकारी मिली।

अप्रैल, मई और जून के दौरान लगातार तीन महीनों के सकारात्मक निवेश के बाद यह एफपीआई द्वारा नकारात्मक निवेश का पहला महीना है। जुलाई के आखिरी हफ्ते में अचानक हुई बिकवाली के चलते धारणा में यह भारी बदलाव आया। 28 जुलाई से 1 अगस्त के बीच, विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजारों से 17,390.6 करोड़ रुपये निकाले। इससे कुल मासिक आंकड़ों पर गहरा असर पड़ा और जुलाई का निवेश नकारात्मक दायरे में चला गया।

एफपीआई ने 2025 में अब तक 1,10,795 करोड़ रुपये निकाले– यह बिकवाली दबाव मुख्य रूप से

अमेरिका की ओर से लगाए गए ने टैरिफ शुल्कों के कारण है। इसका असर कई अन्य देशों के साथ भारत पर भी भारी पड़ा। जुलाई में हुई हालिया बिकवाली के साथ, कैलेंडर वर्ष 2025 में एफपीआई द्वारा कुल शुद्ध बहिर्वाह अब 1,01,795 करोड़ रुपये को पार कर गया है।

मई में एफपीआई का प्रदर्शन अब तक सबसे अधिक रहा– आंकड़ों से यह भी पता चला कि मई में 2025 में अब तक सबसे अधिक एफपीआई प्रवाह देखा गया। वहीं जनवरी में सबसे बड़ी बिकवाली देखी गई। इसमें 78,027 करोड़ रुपये की शुद्धि बिक्री हुई।

टैरिफ और भू-राजनीतिक तनाव का पड़ेगा असर– एफपीआई के रुझान में बदलाव से भारतीय इक्विटी बाजार के लिए चिंताएं बढ़ गई हैं। इसे पिछले महीनों में विदेशी निवेशकों से मजबूत समर्थन मिल रहा था।

पिछले महीनों का प्रदर्शन

पिछले महीने जून में, एफपीआई ने भारतीय बाजार में 14,590 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया था। मई में, विदेशी निवेशकों ने 19,860 करोड़ रुपये का निवेश किया। इससे एफपीआई प्रवाह के लिहाज से यह साल का अब तक का सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाला महीना बन गया। हालांकि, इस साल की शुरुआत में, एफपीआई ने भारतीय शेयर बाजारों से अच्छी-खासी रकम निकाली थी। उन्होंने मार्च में 3,973 करोड़ रुपये, जबकि जनवरी में 78,027 करोड़ रुपये और फरवरी में 34,574 करोड़ रुपये के शेयर बेचे थे।

पुणे के विकास में सबसे बड़ी बाधा बन चुकी है उद्योगों पर दादागिरी, सीएम फडणवीस ने दी चेतावनी

नई दिल्ली, एजेंसी। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा है कि पुणे में कुछ तत्वों द्वारा उद्योगों पर खास लोगों को नौकरी देने या ठेके दिलाने का दबाव बनाया जा रहा है। उन्होंने इसे दादागिरी करार देते हुए कहा कि यह प्रवृत्ति शहर के विकास की राह में सबसे बड़ी रुकावट बनती जा रही है। यह निवेशकों की व्यवहार्य और किफायती विकल्प चुनने की स्वतंत्रता को सीमित करती है। फडणवीस ने शुक्रवार को पुणे मेट्रोपॉलिटन रीजन ग्रोथ हब की शुरुआत के दौरान यह बयान दिया। मुख्यमंत्री ने चेतावनी दी कि अगर इस मानसिकता को खत्म नहीं किया गया तो राज्य का दूसरा बड़ा शहर और देश के प्रमुख आर्थिक केंद्रों में एक पुणें अपनी वास्तविक विकास क्षमता को प्राप्त नहीं कर पाएगा।

केवल सरकारी स्तर पर बदलाव काफी नहीं– उन्होंने जोर देकर कहा कि सिर्फ सरकारी स्तर पर परेशानी मुक्त माहौल सुनिश्चित करना ही काफी नहीं है। व्यापाक सामाजिक और राजनीतिक पारिस्थितिकी तंत्र भी व्यवसायों के लिए अनुकूल होना चाहिए।

स्वतंत्र रूप से काम नहीं कर पाएंगे निवेशक– मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि इस तरह के दबाव उद्योगपतियों की लागत और व्यावसायिक रणनीति को प्रभावित करते हैं, जिससे वे वैश्विक प्रतिस्पर्धा में टिक नहीं पाते।

टाटा या अडानी, सोमवार को किस पावर शेयर में होगी हलचल

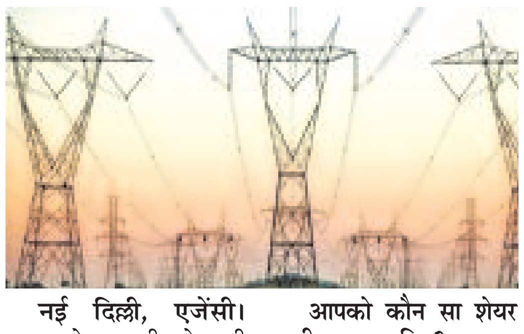

नई दिल्ली, एजेंसी। पावर सेक्टर की दो बड़ी कंपनियां- टाटा पावर और अडानी पावर ने जून तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। बीते शुक्रवार को जारी तिमाही नतीजे में दोनों कंपनियों ने शानदार प्रदर्शन किया। अब सोमवार को अडानी पावर और टाटा पावर के शेयर फोकस में रहेंगे। आइए एक्सपर्ट से जानते हैं कि दोनों कंपनियों के शेयर में किस पर दांव लगाना सही है।

आपको कौन सा शेयर खरीदना चाहिए?– जून तिमाही के नतीजों की घोषणा के बाद कौन सा शेयर खरीदना चाहिए, इस पर मिंट से एसएमसी ग्लोबल की सीमा श्रीवास्तव ने कहा- लॉन्ग टर्म के आउटलुक से अडानी पावर अपनी हाई डेवलपमेंट कैपिसिटी और लगभग 10-15 के कम पी/ई रेश्यो के कारण ज्यादा आकर्षक प्रतीत होता है। वहीं, टाटा पावर का पूर्व पी/ई रेश्यो 0.4-4.5 प्रतिशत है।

टाटा पावर के नतीजे

चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में टाटा पावर का मुनाफा 6 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 1,262 करोड़ रुपये रहा। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी का मुनाफा 1,189 करोड़ रुपये रहा था। जून तिमाही के दौरान कंपनी की आय बढ़कर 17,464 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले इसी अवधि में 16,810 करोड़ रुपये थी। कंपनी ने महाराष्ट्र के प्रमुख क्षेत्रों में अपने वितरण का विस्तार करने के लिए लाइसेंस के लिए आवेदन किया है। यह कंपनी के 2030 तक चार करोड़ ग्राहकों तक पहुंचने के लक्ष्य के अनुरूप है। जून तिमाही में अडानी पावर का मुनाफा 15.5 प्रतिशत घटकर ?3,305.13 करोड़ रह गया, जबकि पिछले वर्ष यह ?79 करोड़ था।

कृषि-डेयरी क्षेत्रों के लिए अमेरिका को रियायत देने को तैयार नहीं भारत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने अमेरिका के साथ प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) में कृषि उत्पादों, डेयरी और जीएम खाद्य पदार्थों पर शुल्क रियायत बढ़ाने पर अपना रुख साफ कर दिया है। अमेरिका और भारत के साथ अभी तक कोई समझौता नहीं हुआ है और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को घोषणा की है कि 7 अगस्त से अमेरिकी बाजारों में प्रवेश करने वाले भारतीय सामानों पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त आयात शुल्क लगाया जाएगा। इससे पहले यह शुल्क एक अगस्त से लगाया जाना था। हालांकि, राष्ट्रपति ने यह भी नहीं बताया कि रूस से कच्चा तेल और सैन्य उपकरण खरीदने पर उन्होंने भारत पर कितना जुर्माना लगाने की घोषणा की है। भारत के रुख के पीछे के कारणों और श्रम-प्रधान क्षेत्रों पर अमेरिकी टैरिफ के प्रभाव को समझाने के लिए आइए जानते हैं कुछ अहम सवालों के जवाब।

भारत और अमेरिका ने मार्च 2025 में एक निष्पक्ष, संतुलित और पारस्परिक रूप से लाभकारी बीटीए के लिए वार्ता शुरू की, जिसका लक्ष्य 2025 के अक्तूबर-नवंबर तक समझौते के पहले चरण को पूरा करना है। अब तक पांच दौर की बातचीत पूरी हो चुकी है। अगले दौर के लिए, दक्षिण और मध्य एशिया के लिए सहायक अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि ब्रेंडन लिंच के नेतृत्व में अमेरिकी टीम 25 अगस्त से भारत दौरे पर आ रही है।

बीटीए का मकसद क्या है?– आमतौर पर किसी व्यापार समझौते में, दो व्यापारिक साझेदार अपने बीच व्यापार की जाने वाली अधिकतम वस्तुओं पर आयात शुल्क या तो काफी कम कर देते हैं या उसे पूरी तरह से समाप्त कर देते हैं। इसके अलावा, वे सेवाओं में व्यापार को बढ़ावा देने और दोतरफा निवेश बढ़ाने के लिए मानदंडों को आसान बनाते हैं। भारत-अमेरिका बीटीए का लक्ष्य द्विपक्षीय व्यापार को वर्तमान के 191 बिलियन अमेरिकी डॉलर से दोगुना करके 2030 तक 500 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाना है।

बीटीए में दोनों देशों की एक दूसरे से प्रमुख मांगें क्या हैं?– अमेरिका कुछ औद्योगिक वस्तुओं, ऑटोमोबाइल, विशेषकर इलेक्ट्रिक वाहनों, वाइन, पेट्रोकेमिकल उत्पादों, कृषि वस्तुओं, डेयरी वस्तुओं, सेब, वृक्ष नट्स और आनुवंशिक रूप से संशोधित फसलों पर शुल्क रियायत चाहता है।

वहीं, भारत इस अतिरिक्त टैरिफ (वर्तमान में 25 प्रतिशत) को हटाने तथा इस्पात और एल्युमीनियम (50 प्रतिशत), ऑटो क्षेत्र (25 प्रतिशत), श्रम-प्रधान क्षेत्रों जैसे कपड़ा, रत्न एवं आभूषण, चमड़े के सामान, परिधान, प्लास्टिक, रसायन, झींगा, तिलहन, अंगूर और केले पर टैरिफ में कटौती की मांग कर रहा है।

25 प्रतिशत शुल्क कब से लागू होगा?

इस सप्ताह घोषित यह शुल्क 7 अगस्त (भारतीय समयानुसार सुबह 9:30 बजे) से लागू होगा। कार्यकारी आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि 5 अक्टूबर, पूर्वी डेलाइट समय (ईडीटी) के अनुसार रात 12:01 बजे या भारतीय समयानुसार सुबह 9:30 बजे तक पारगमन में मौजूद वस्तुओं पर 10 प्रतिशत शुल्क लगेगा, बशर्ते कि ऐसी वस्तुएं 7 अगस्त, पूर्वी डेलाइट समय के अनुसार रात 12:01 बजे से पहले पारगमन में प्रवेश कर गई हों। भारत डेयरी, कृषि और जीएम खाद्य पदार्थों पर शुल्क रियायत देने के लिए तैयार क्यों नहीं है?

कृषि– कृषि आजीविका दांव पर है। यह राजनीतिक और आर्थिक रूप से संवेदनशील क्षेत्र है क्योंकि भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था में 70 करोड़ से ज़्यादा लोग इस क्षेत्र पर निर्भर हैं। अगर भारत टैरिफ हटाता है, तो वैश्विक कीमतों में गिरावट के दौरान सस्ते, सब्सिडी वाले अमेरिकी अनाज भारतीय बाजारों में भर सकते हैं। अमेरिका के उलट, जहां कृषि का निगमीकरण हो चुका है, भारतीय खेती आजीविका से जुड़ा मसला है।

एशिया कप, भारत-पाकिस्तान 14 सितंबर को दुबई में खेलेंगे

फाइनल समेत सुपर-4 के एक मैच को छोड़कर सभी मैच यहीं होंगे; टूर्नामेंट 9 सितंबर से

नई दिल्ली, एजेंसी। एशियन क्रिकेट काउंसिल के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने शनिवार को मेंस एशिया कप के मुकाबलों के लिए वेन्यू का ऐलान कर दिया। हालांकि, शेड्यूल का ऐलान पहले ही किया जा चुका था। एशिया कप 9 से 28 सितंबर तक संयुक्त अरब अमीरात (८श्व) में खेला जाएगा। टूर्नामेंट में भारत और पाकिस्तान के बीच ग्रुप मुकाबला रविवार (14 सितंबर) को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाएगा। टूर्नामेंट में भारत और पाकिस्तान की टीमें एक ही ग्रुप में हैं। ऐसे में रविवार (21 सितंबर) को सुपर 4 मैच में फिर से उनके आमने-सामने होने की उम्मीद है।

साइना नेहवाल ने तलाक का फैसला लिया वापस

पति पारुपल्ली कश्यप के साथ रिश्ते को दिया एक और मौका

नई दिल्ली, एजेंसी। ओलंपिक ब्रॉन्ज मेडलिस्ट साइना नेहवाल ने 14 जुलाई, 2026 को अपने पति पारुपल्ली कश्यप से अलग होने का फैसला किया था, लेकिन अब इस कपल ने अपने फैसले को वापस ले लिया है. बैडमिंटन प्लेयरसाइना नेहवाल और पारुपल्ली कश्यप अपने रिश्ते को एक और मौका देना चाहते हैं. साइना नेहवाल ने आज शानिवार, 2 अगस्त को अपने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए इस बात की जानकारी शेयर की.

साइना नेहवाल ने 19 दिन में बदला फैसला

साइना नेहवाल ने 19 दिन पहले 13 जुलाई की रात को इंस्टाग्राम स्टोरी शेयर करके अपने पति पारुपल्ली कश्यप से अलग होने का ऐलान किया था. साइना नेहवाल ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा था कि जिंदगी हमें कभी-कभी अलग-अलग रास्तों पर ले जाती है. बैडमिंटन प्लेयर ने आगे लिखा था कि मैंने और पारुपल्ली कश्यप ने काफी सोचने के बाद अलग होने का फैसला किया है. हम एक-दूसरे के लिए शांति, तरक्की और बेहतर जीवन चुनना चाहते हैं. मैं अब तक ही सभी यादों के लिए खुद को भाग्यशाली मानती हूं और इसके बदले में कुछ नहीं चाहती. साइना नेहवाल ने आगे लिखा था कि हमारी बात समझने के लिए शुक्रिया और हमारी प्राइवेसी का भी ध्यान रखिएगा.

साइना नेहवाल ने अपने इस पोस्ट के 19 दिन बाद ही पारुपल्ली कश्यप के साथ रिश्ते को एक और मौका दिया है. साइना ने इस पोस्ट में अपने पति के साथ फोटो शेयर की है. इस फोटो में वे पहाड़ों में घूमते नजर आ रहे हैं. इस तस्वीर के साथ साइना नेहवाल ने लिखा कि कभी-कभी दूरियां आपको लोगों की अहमियत बता देती हैं. यहां हम दोनों हैं और फिर एक बार कोशिश कर रहे हैं. इस पोस्ट को साइना नेहवाल ने पारुपल्ली कश्यप के साथ कोलैबोरेशन में शेयर किया है.

यह शतक से कम नहीं...

कप्तान गिल और अन्य ने आकाश दीप के अर्धशतक की अहमियत बताई

लंदन (यूके), एजेंसी आकाश दीप इंग्लैंड के खिलाफ ओवल में खेले जा रहे अंतिम टेस्ट मैच के दूसरे दिन देर रात चौथे नंबर पर नाइट वॉचमैन के तौर पर उतरे। बहुत कम लोगों को उम्मीद थी कि वह ज़्यादा देर तक टिकेंगे, लेकिन तीसरे दिन के अंत तक, इस तेज गेंदबाज ने 94 गेंदों पर 66 रनों की निर्णायक पारी खेली जिसका अहम योगदान भारत को 396 रनों का स्कोर बनाने में मदद कर सका। भारतीय क्रिकेट टीम ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर पोस्ट किया, जहां सभी ने आकाश की बल्लेबाजी पर अपने विचार साझा किए। आकाश ने बल्लेबाजी के लिए जाने से पहले अपनी मानसिकता की एक झलक साझा की। उन्होंने कहा, जब मैं कल रात सोने गया, तो मेरी मानसिकता यही थी कि मैं आउट नहीं होना चाहता। अगर गेंद मुझे आउट भी कर दे, तो भी मैं आउट नहीं होना चाहता। अगर गेंद शरीर पर भी लगे, तो भी मैं खेलना चाहता हूं। आकाश ने सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल के साथ 107 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी की, बेहतरीन बल्लेबाजी की और इंग्लिश आक्रमण को नाकाम कर दिया। उन्होंने कहा, जहां गेंद को खेलने की जरूरत थी, हमने जशू (यशस्वी जायसवाल) के साथ 100 रनों की साझेदारी की। इसलिए यह मेरे लिए बहुत खास है। अर्धशतक तो खास है ही, उससे भी ज्यादा खास है वो दो घंटे जो मैंने सुबह टीम के लिए खेले, वो। दूसरी तरफ से मुकाबला देख रहे जायसवाल ने अपने साथी की खूब तारीफ की। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि जिस तरह से उन्होंने बल्लेबाजी की वो कमाल की है। हम बीच में अच्छी बातचीत कर रहे थे। हां, मुझे उम्मीद है कि वो हमारे लिए ऐसा करते रहेंगे।

भारतीय कप्तान शुभमन गिल आकाश की पारी की तारीफ करते नहीं थक रहे थे। भारतीय कप्तान ने कहा, काफी समय से हम आपस में मजाक करते आ रहे हैं। बल्लेबाज गेंदबाजों को योगदान देने के लिए कहते रहते हैं। आज सुबह जब वह बल्लेबाजी करने गए, तो हमने उनसे एक बात कही, अगर कोई गेंद आपके रडार में है, तो उसका पूरा इस्तेमाल करने की कोशिश करो। मुझे लगता है कि उनके 66 रन किसी शतक से कम नहीं हैं।

जेसन होल्डर की मदद से वेस्टइंडीज की पाकिस्तान पर रोमांचक जीत, सीरीज में बराबरी की

लॉडरहिल (अमेरिका), एजेंसी। जेसन होल्डर ने चार विकेट लिए और फिर मैच की अंतिम गेंद पर चौका जड़ा जिससे वेस्टइंडीज ने कुछ विषम पलों से गुजरते हुए दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में पाकिस्तान को 2 विकेट से हराकर तीन मैच की श्रृंखला 1-1 से बराबर की। अनुभवी ऑलराउंडर होल्डर ने शानदार गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में 19 रन देकर चार विकेट लिए और पहले बल्लेबाजी करने के लिए उतरे पाकिस्तान को 9 विकेट पर 133 रन पर रोकने में अहम भूमिका निभाई। पाकिस्तान के केवल तीन बल्लेबाज हसन नवाज (40), कप्तान सलमान आगा (38) और फखर जमा (20) ही दोहरे अंक में पहुंच पाए। वेस्टइंडीज की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही और एक समय उसका स्कोर 5 विकेट पर 70 रन था, लेकिन गुडाकेश मोती (28) और रोमारियो शेफर्ड (15) ने उसे मुकाबले में बनाए रखा। वेस्टइंडीज को जीत के लिए अंतिम गेंद पर तीन रन की जरूरत थी। होल्डर ने पाकिस्तान के प्रमुख तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी की गेंद को चार रन के लिए भेजकर वेस्टइंडीज का स्कोर आठ विकेट पर 135 रन पर पहुंचाया। होल्डर ने 10 गेंद पर नाबाद 16 रन बनाए। पाकिस्तान की तरफ से मोहम्मद नवाज ने तीन और सैम अयूब ने दो विकेट लिए। यह वेस्टइंडीज की सात टी20 मैचों में पहली जीत है। उसे पिछले महीने ऑस्ट्रेलिया ने पांच मैच की श्रृंखला में 5-0 से हराया था।

रविंद्र जडेजा इंग्लैंड में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय की लिस्ट में नंबर 3 पर पहुंचे, गावस्कर-स्टीव वॉ का यह रिकॉर्ड तोड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड के खिलाफ ओवल टेस्ट मैच की पहली पारी में रविंद्र जडेजा ने 9 रन बनाए, लेकिन दूसरी पारी में उन्होंने काफी अच्छी बैटिंग की और 77 गेंदों पर 5 चौकों के साथ 53 रन की अहम पारी खेली। इंग्लैंड के खिलाफ भारत ने दूसरी पारी में 396 रन बनाए जिसमें जडेजा का भी अहम योगदान रहा। जडेजा ने अपनी इस अर्धशतकीय पारी के दम पर कुछ शानदार रिकॉर्ड्स अपने नाम किए और वो अब इंग्लैंड में भारत की तरफ से टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बैटर्स की लिस्ट में तीसरे नंबर पर आ गए और सुनील गावस्कर को पीछे छोड़ दिया साथ ही एक टेस्ट सीरीज में नंबर 6 या उससे नीचे बैटिंग करते हुए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बैटर्स की लिस्ट में 5वें नंबर पर आ गए और स्टीव वॉ को पीछे छोड़ दिया।

सुनील गावस्कर से आगे निकले जडेजा

रविंद्र जडेजा अब भारत की तरफ से इंग्लैंड की धरती

पर सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय खिलाड़ियों की लिस्ट में तीसरे नंबर पर आ गए। जडेजा ने इंग्लैंड की धरती पर अब तक टेस्ट में 33 पारियों में 1158 रन बनाए हैं जबकि गावस्कर ने 28 पारियों में 1152 रन बनाए थे। इस लिस्ट में 1575 रन के साथ सचिन तेंदुलकर पहले स्थान पर हैं जिन्होंने ये रन 30 पारियों में बनाए थे।

इंग्लैंड की धरती पर टेस्ट में भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बैटर्स

1575 रन - सचिन तेंदुलकर (30)
1376 रन - राहुल द्रविड़ (23)
1158 रन - रविंद्र जडेजा (33)
1152 रन - सुनील गावस्कर (28)
1146 रन - केएल राहुल (28)
1096 रन - विराट कोहली (33)
1035 रन - ऋषभ पंत (24)

स्टीव वॉ से आगे निकले जडेजा

एक टेस्ट सीरीज में नंबर 6 या उससे नीचे बैटिंग करते हुए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बैटर्स की लिस्ट में जडेजा अब 5वें नंबर पर आ गए और स्टीव वॉ को पीछे छोड़ दिया। जडेजा ने इस टेस्ट सीरीज में इंग्लैंड के खिलाफ 516 रन बनाते हुए वॉ को पीछे छोड़ा। वॉ ने 1989 में इंग्लैंड के खिलाफ ही एक टेस्ट सीरीज में नंबर 6 या उससे नीचे बैटिंग करते हुए 506 रन बनाए थे।

एक टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रन (नंबर 6 या उससे नीचे बैटिंग करते हुए)

722 रन – गैरी सोबर्स बनाम इंग्लैंड, 1966
606 रन – डेनिस लिंडसे बनाम ऑस्ट्रेलिया, 1966
562 रन – शिवनारायण चंद्रपॉल बनाम भारत, 2002
517 रन – वसीम राजा बनाम वेस्टइंडीज, 1977
516 रन – रविंद्र जडेजा बनाम इंग्लैंड, 2025
506 रन – स्टीव वॉ बनाम इंग्लैंड, 1989

पीसीबी का बड़ा फैसला, अब डब्ल्यूसीएल में नहीं खेलेगा पाकिस्तान

भारत के न खेलने पर लगाया पूरी तरह से बैन; साउथ अफ्रीका चैंपियन बना

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने पिछले सीजन पाकिस्तान को हराकर वर्ल्ड चैंपियंनशिप ऑफ लीजेंड्स का खिताब जीता था। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स में भविष्य में हिस्सा लेने पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया है। यह फैसला भारत और पाकिस्तान के बीच हुए विवाद के बाद लिया गया। भारतीय टीम ने डब्ल्यूसीएल 2025 में पाकिस्तान के खिलाफ दो मैच खेलने से इनकार कर दिया था। इसमें सेमीफाइनल और ग्रुप स्टेज का मुकाबला शामिल है। पीसीबी ने इसकी घोषणा रविवार को बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की 79वीं मीटिंग के बाद की। मीटिंग की अध्यक्षता मोहसिन नकवी ने की। पीसीबी ने बयान में कहा गया, इस दुर्भाग्यपूर्ण घटनाक्रम के मद्देनजर, जो बाहरी दबावों के स्पष्ट और असहनीय प्रभाव तथा खेल की निष्पक्षता के सिद्धांतों की अवहेलना को उजागर करता है, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को मजबूरी में कड़ा रुख अपनाना पड़ रहा है। पीसीबी अब ऐसे टूर्नामेंट में भाग लेने की अनुमति नहीं दे सकता, जहां निष्पक्ष खेल भावना और स्वतंत्र संचालन जैसे मूलभूत सिद्धांत बाहरी हस्तक्षेप के कारण समझौते की भेंट चढ़ जाएं।

World Championship of Legends 2025:

एबी डिविलियर्स के तूफान में उड़ा पाकिस्तान

साउथ अफ्रीका बना चैंपियन

नई दिल्ली, एजेंसी। वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स 2025 के फाइनल मुकाबले में साउथ अफ्रीका चैंपियंस का सामना पाकिस्तान चैंपियंस के साथ एजबेस्टन, बर्मिंघम में हुआ। इस मैच में एबी डिविलियर्स की तूफानी नाबाद शतकीय पारी के दम पर प्रोटियाज ने पाकिस्तान को 9 विकेट से हरा दिया और वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स 2025 का खिताब अपने नाम किया। इस मैच में पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग का फैसला किया था और फिर 20 ओवर में 5 विकेट पर 195 रन बनाए। साउथ अफ्रीका को जीत के लिए 196 रन का टारगेट मिला था और इस टीम ने 16.5 ओवर में एक विकेट पर 197 रन बनाकर मैच जीत लिया। इस हार के साथ ही मोहम्मद हफीज की कप्तानी में पाकिस्तान का चैंपियन बनने का सपना टूट गया और इस टीम को उप-विजेता बनकर संतोष करना पड़ा।

साउथ अफ्रीका की पारी, एबी ने 47 गेंदों पर लगाया शतक - साउथ अफ्रीका के लिए ओपनर हाशिम अमला ने 18 रन बनाए। एबी

डिविलियर्स ने पहले 24 गेंदों पर अर्धशतक लगाया और फिर उन्होंने 47 गेंदों पर शतक पूरा किया जो इस टूर्नामेंट में उनका तीसरा शतक भी रहा। एबी ने पाकिस्तान के खिलाफ इस मैच में 60 गेंदों पर 7 छक्के और 12 चौकों की मदद से नाबाद 120 रन की पारी खेली जबकि डुमिनी ने उनका पूरा साथ दिया और उन्होंने 28 गेंदों पर 2 छक्के और 4 चौकों की मदद से नाबाद 50 रन की पारी खेली। पाकिस्तान की तरफ से एकमात्र विकेट सईद अजमल को मिला।

पाकिस्तान की पारी, शरजील खान ने खेली 76 रन की पारी - पाकिस्तान की तरफ से ओपनर बल्लेबाज शरजील खान ने अपनी टीम के लिए सबसे बड़ी पारी खेली और उन्होंने 44 गेंदों पर 4 छक्के और 9 चौकों की मदद से 76 रन की पारी खेली। कामरान अकमल 2 रन पर आउट हुए जबकि कप्तान मोहम्मद हफीज ने 17 रन तो शोएब मलिक ने 20 रन बनाए। उमर अमीन ने 19 गेंदों पर नाबाद 36 रन की पारी खेली जबकि आसिफ अली ने 15 गेंदों पर 28 रन बनाए। आमिर यामीन 2 रन की पारी खेलकर नाबाद रहे। साउथ अफ्रीका के लिए पाकिस्तान के खिलाफ फाइनल में विल्जोएन और वेन पार्नेल ने 2-2 विकेट लिए जबकि ओलिवियर को एक सफलता मिली।

नेशनल बैंक ओपन: विक्टोरिया एमबोको ने कोको गॉफ को हराकर किया उलटफेर, गत चैंपियन पोपिरिन क्वार्टर फाइनल में

मांट्रियल, एजेंसी। कजाखस्तान की नौंवी वरीय एलेना रिबाकिना ने यूक्रेन की डायना यास्त्रेमस्का को 5-7 6-2 7-5 से हराया। क्वार्टर फाइनल में कोस्तयुक और यास्त्रेमस्का आमने-सामने होंगी। कनाडा की युवा खिलाड़ी विक्टोरिया एमबोको ने शीर्ष वरीय कोको गॉफ को हराकर उलटफेर करते हुए शनिवार को यहां नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। दुनिया की 85वें नंबर की खिलाड़ी और 18 वर्षीय एमबोको ने एक घंटा और 22 मिनट में गॉफ को 6-1 6-4 से हराया। फ्रेंच ओपन जीतने के बाद से गॉफ की पांच मैच में यह तीसरी हार है। फ्रेंच ओपन का खिताब जीतने के बाद उन्हें बर्लिन और विंबलडन में पहले दौर में हार का सामना करना पड़ा। शनिवार को हुए मुकाबले में गॉफ ने पांच डबल फॉल्ट किए। उन्होंने पहले मैच में डेनियली कोलिन्स के खिलाफ 23 और वेरोनिका कुदरमेतोवा के खिलाफ 14 डबल फॉल्ट किए थे। मई में गॉफ ने रोम में एमकोबो के खिलाफ पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए 3-6 6-2 6-1 से जीत दर्ज की थी। अन्य मुकाबलों में 24वीं वरीय यूक्रेन की मार्ता कोस्तयुक ने अमेरिका की मैकार्टनी केसलर को 5-7 6-3 6-3, जबकि कजाखस्तान की नौंवी वरीय एलेना रिबाकिना ने यूक्रेन की डायना यास्त्रेमस्का को 5-7 6-2 7-5 से हराया। क्वार्टर फाइनल में कोस्तयुक और यास्त्रेमस्का आमने-सामने होंगी।

पोपिरिन नेशनल बैंक ओपन के क्वार्टर फाइनल में - ऑस्ट्रेलिया के गत चैंपियन एलेक्सी पोपिरिन ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए तीन सेट तक चले मुकाबले में जीत दर्ज करके नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। अमेरिकी ओपन की तैयारी के सिलसिले में महत्वपूर्ण इस प्रतियोगिता में 18वीं वरीयता प्राप्त पोपिरिन ने डेनमार्क के पांचवीं वरीयता प्राप्त होल्गर रूण को 4-6, 6-2, 6-3 से हराया। अमेरिका के एलेक्स मिशेलसन भी क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए हैं। उन्होंने हमवतन लर्नर टिएन को 6-3, 6-3 से हराया। मिशेलसन का अगला मुकाबला रूस के 11वीं वरीयता प्राप्त कारेन खाचानोव से होगा, जिन्होंने नॉर्वे के आठवीं वरीयता प्राप्त कैस्पर रूड को 6-4, 7-5 से पराजित किया।

कोपा अमेरिका फैमिना:

ब्राजील फुटबॉल टीम फिर चैंपियन, नौवीं बार जीता कोपा अमेरिका फेमिनिना का खिताब

क्विटो (इक्वाडोर), एजेंसी। छह बार विश्व की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रही मार्टा के शानदार प्रदर्शन की मदद से ब्राजील की महिला फुटबॉल टीम ने तीन बार पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए कोलंबिया को पेनल्टी शूटआउट में 5-4 से हराकर नौवां कोपा अमेरिका फेमिनिना खिताब जीता। दुनिया की सर्वश्रेष्ठ महिला फुटबॉलर 39 वर्षीय मार्टा ने 82वें मिनट में मैदान पर कदम रखा और इंजरी टाइम के छठे मिनट में गोल करके ब्राजील को 3-3 से बराबरी पर ला दिया। इसके बाद उन्होंने अतिरिक्त समय में भी गोल किया जिससे ब्राजील ने पहली बार मैच में बढ़त बनाई। लेसी सैंटोस ने 115वें मिनट में गोल करके कोलंबिया को 4-4 की बराबरी पर ला दिया और मैच पेनल्टी शूटआउट में चला गया। गोलकीपर लोरेना दा सिल्वा ने शूटआउट में दो पेनल्टी बचाकर ब्राजील को महाद्वीपीय चैंपियनशिप में लगातार पांचवां खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई। ब्राज़ील ने पिछले पांच फाइनल में चौथी बार कोलंबिया को हराया।

राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारः

कमल हासन ने शाहरुख को नेशनल अवॉर्ड मिलने पर दी बधाई

बॉलीवुड के सुपरस्टार शाहरुख खान को उनके करियर का पहला नेशनल अवॉर्ड शुक्रवार को मिला। शनिवार को एक्टर और राजनेता कमल हासन ने उन्हें बधाई दी और कहा कि वर्ल्ड सिनेमा पर उनका जो प्रभाव रहा है, उसे देखते हुए यह अवॉर्ड उन्हें बहुत देरी से मिला। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, जवान के लिए नेशनल अवॉर्ड मिलने के लिए बधाई शाहरुख खान, इस पहचान की आपको लंबे समय से दरकार थी, जिस तरह से आपका विश्व सिनेमा में प्रभाव रहा है। इसके बाद उन्होंने विधु विनोद चोपड़ा और एक्टर विक्रांत मैसी को भी 12वीं फेल के लिए बधाई दी। उन्होंने एक्स पर लिखा, 12वीं फेल एक मास्टरपीस थी, जिसने मुझे अंदर तक प्रभावित किया। इसने संघर्ष की कीमत बताई और लाखों लोगों को प्रेरित किया। बधाई हो विधु विनोद चोपड़ा और विक्रांत मैसी इस सम्मान के लिए, जिसके आप हकदार थे। एक्टर ने रानी मुखर्जी को भी सराहा, जिन्हें बेस्ट एक्ट्रेस का नेशनल अवॉर्ड मिला। उन्हें ये अवॉर्ड 'मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे' के लिए मिला। उनके बारे में कमल हासन ने लिखा, ऐसा किरदार जो बहुत ही ज्वलंत और नाजुक भी था, उसके लिए आपको राष्ट्रीय स्तर पर पहचाना जाना चाहिए ही था। एक्टर ने तमिल फिल्म पार्किंग को भी बधाई दी, जिसने तीन अवॉर्ड जीते।

सैम बहादुर को तीन सम्मान मिलने पर फातिमा सना शेख गदगद

अभिनेत्री फातिमा सना शेख, जो अपनी दमदार भूमिकाओं के लिए जानी जाती हैं, 71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में अपनी फिल्म सैम बहादुर को मिली सफलता से बेहद उत्साहित हैं। इस फिल्म ने तीन प्रतिष्ठित पुरस्कार जीते हैं - राष्ट्रीय, सामाजिक और

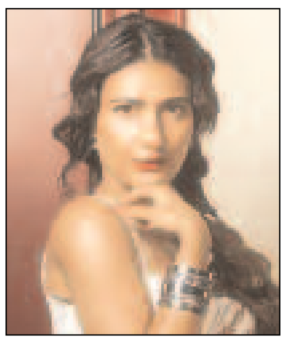

पर्यावरणीय मूल्यों पर आधारित सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म, सर्वश्रेष्ठ मेकअप और सर्वश्रेष्ठ कॉस्ट्यूम डिज़ाइन। इस बड़ी उपलब्धि पर फातिमा ने पूरी टीम को बधाई दी और इस यादगार सफर का हिस्सा बनने पर खुशी जाहिर की। फातिमा ने एक भावुक बयान में कहा, सैम बहादुर की टीम को तीन शानदार राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीतने पर ढेरों बधाई!! यह वास्तव में मेरे लिए एक गर्व का क्षण है। इस फिल्म का हिस्सा बनकर और श्रीमती इंदिरा गांधी का किरदार निभाकर मैं बेहद खुश हूं। उन्होंने फिल्म की निर्देशक मेघना गुलज़ार की भी सराहना करते हुए कहा, मेघना गुलज़ार के साथ काम करना एक सपना सच होने जैसा था, और यह मेरे लिए एक बेहद खास अनुभव रहा। मेघना गुलज़ार द्वारा निर्देशित सैम बहादुर भारत के पहले फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ के जीवन पर आधारित है। फातिमा ने इस फिल्म में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की भूमिका निभाई थी। उनके सशक्त और विश्वसनीय अभिनय को दर्शकों और समीक्षकों दोनों से खूब सराहना मिली थी, जिसने एक बार फिर उनकी अभिनय क्षमता और बहुमुखी प्रतिभा को साबित किया।

द केरल स्टोरी को नेशनल फिल्म अवॉर्ड मिलने पर खुश सुदीप्तो

राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों का शुक्रवार को एलान किया गया। द केरल स्टोरी की झोली में दो अवॉर्ड आए हैं। फिल्म को सर्वश्रेष्ठ निर्देशक और सर्वश्रेष्ठ सिनेमैटोग्राफी अवॉर्ड मिला है। इस पर सुदीप्तो सेन ने प्रतिक्रिया दी है। 71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में सुदीप्तो सेन के निर्देशन में बनी फिल्म द केरल स्टोरी को सर्वश्रेष्ठ निर्देशक और सर्वश्रेष्ठ सिनेमैटोग्राफी पुरस्कार मिला है। साल 2023 में आई इस फिल्म में अदा शर्मा ने लीड रोल किया था। फिल्म को मिले राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार पर सुदीप्तो सेन ने प्रतिक्रिया दी है और यह अवॉर्ड केरल की लड़कियों को समर्पित किया है।

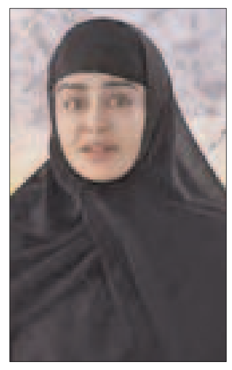

'कभी नीम नीम कभी शहद शहद' में

खलनायिका की भूमिका निभाएंगी शीतल मौलिक

जानी-मानी टेलीविजन अभिनेत्री शीतल मौलिक ने प्रेम कहानी पर आधारित शो 'मेरी भव्य लाइफ' को अलविदा कह दिया है और अब वह 'कभी नीम नीम कभी शहद शहद' शो की टीम में शामिल हो चुकी हैं। 'कभी नीम नीम कभी शहद शहद' शो में अभिनेत्री नकारात्मक किरदार में नजर आएंगी। 'मेरी भव्य लाइफ' में पृषा धतवालिया और करण वोहरा मुख्य भूमिकाओं में थे। शीतल ने इस शो में प्रिया का किरदार निभाया था, जिसे वह अपने करियर का एक महत्वपूर्ण अनुभव मानती हैं। हालांकि, शो और अपने किरदार को लेकर उनका मानना है कि यह उनकी उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा।

शीतल ने बताया, प्रिया का किरदार निभाना मेरे लिए एक खास अनुभव था, लेकिन मुझे किरदार में

वह गहराई नहीं मिली, जिसकी मैं अपेक्षा कर रही थी। फिर भी इस शो के दौरान मुझे कुछ शानदार लोगों से मिलने और उनके साथ गहरे रिश्ते बनाने का मौका मिला, जो मेरे लिए परिवार की तरह बन गए। ये रिश्ते मेरे लिए इस अनुभव का सबसे मूल्यवान हिस्सा हैं। अब शीतल 'कभी नीम नीम कभी शहद शहद' में अंबिका की भूमिका में नजर आएंगी। शीतल ने बताया, अंबिका का किरदार बहुत दिलचस्प है। वह बाहर से मीठी दिखती है, लेकिन अंदर से थोड़ी चालाक भी है। यह एक मुश्किल भरा, लेकिन मजेदार किरदार है, जो परिवार में अपनी चतुराई से सभी का ध्यान खींचता है और बड़ों का सम्मान हासिल करता है। मैं इस किरदार की गहराई को दिखाने के लिए उत्साहित हूं।

उन्होंने कहा, किसी का स्थान लेना मेरे लिए पहला अनुभव है। मैं क्रू, कास्ट, डायरेक्टर और क्रिएटिव्स की धैर्य और सहायता की सराहना करती हूं। अंबिका का किरदार निभाना और उसकी बारीकियों को समझना मेरे लिए खास अनुभव रहा। मैं यह देखने के लिए उत्सुक हूं कि अंबिका की कहानी आगे कैसे बढ़ती है।

हिना की भी पति रॉकी के साथ होती है

नोकझोंक

फेमस एक्ट्रेस हिना ने पति रॉकी जायसवाल के साथ अपने रिश्ते को लेकर खुलकर बात की है। साथ ही उन्होंने बताया कि वे कैसे पति के साथ होने वाली असहमति और नोकझोंक को हैंडल करती हैं। हिना खान ने इंटरव्यू में खुलासा किया कि दोनों के बीच की समझदारी और शांत बातचीत उनके रिश्ते को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जब उनसे पूछा गया कि वो अपने पति के साथ होने वाली असहमतियों को कैसे हैंडल करती हैं। इस पर उन्होंने कहा, शांत रहना और खुलकर बात करना। इसके जरिए ही हम हमारे बीच के मतभेदों को आसानी से सुलझा लेते हैं। ईमानदारी से कहें तो हम बहुत कम ही लड़ते हैं, शायद साल में कभी एक बार। हंसते हुए उन्होंने ये भी कहा कि जब ऐसा होता है तो मैं उन्हें तगड़ी खुराक देती हूं। वहीं रॉकी ने कहा- और मैं बात करके जल्द से जल्द मामले को सुलझाने में यकीन करता हूं। शादी के बाद उनकी जिंदगी में क्या बदलाव आए इस पर बात करते हुए ये रिश्ता क्या कहलाता है एक्ट्रेस ने कहा, सच बताऊं तो हमारे बीच कुछ भी नहीं बदला है। सब कुछ वैसा ही है। सिर्फ एक ही बदलाव आया है वो ये कि अब हम एक-दूसरे को पति-पत्नी के रूप में अपना परिचय देते हैं। पहले मैं बस इतना ही कहती थी कि मिलिए मेरे पार्टनर से या मिलिए रॉकी से। अब ये हो गया है मिलिए मेरे पति से और मिलिए मेरी पत्नी से। हिना खान ने पति पत्नी और पंगा रियलिटी शो में रॉकी के साथ हिस्सा लेने पर भी बात की।

फिर उठ खड़ा हुआ कुंदन

थिएटर से वायरल हुआ AI जनरेटेड रांझणा का क्लाइमैक्स सीन

फिल्म 'रांझणा' की एंडिंग को एआई की मदद से बदल दिया गया। 12 साल बाद इस नई एंडिंग के साथ फिल्म को री-रिलीज किया गया। इस एंडिंग पर थिएटर्स से दर्शकों की प्रतिक्रिया भी सामने आई है। 12 साल पहले साउथ स्टार धनुष की हिंदी फिल्म 'रांझणा' को दर्शकों का खूब प्यार मिला। धनुष स्टारर और आनंद एल रॉय निर्देशित इस फिल्म को 21 जून को री-रिलीज किया गया लेकिन इसका अंत एआई की मदद से बदल दिया गया। फिल्म के नए वर्जन में कुंदन यानी धनुष का किरदार मरता नहीं है। इसी नई एंडिंग के साथ एक वीडियो साउथ के थिएटर वायरल हो रहा है। जिसमें दर्शक फिल्म के नई एंडिंग पर रिएक्शन दे रहे हैं।

कुंदन के जिंदा होने पर खुशी से झूम उठे दर्शक

सोशल मीडिया पर जो वीडियो 'रांझणा' की नई एंडिंग के साथ वायरल हो रहा है, उसमें कुंदन फिल्म में मरता नहीं है। वह हॉस्पिटल के बैड पर आंखें खोलता है, उठ खड़ा होता है। उसके दोस्त बिंदिया (स्वरा भास्कर) और मुरारी (जीशान अयूब) खुश होते हैं। इसके बाद बनारस की गलियों में बड़ा और छोटा कुंदन दिखाए जाते हैं और फिल्म खत्म हो जाती है। इस नई एंडिंग को देखकर दर्शक थिएटर में सीटी बजाते हैं, फोन की लाइट्स चमकाते हुए नजर आते हैं।

Bigg Boss-19: Salman Khan के घर में एंट्री मारेगी साउथ की ये हसीना?

सलमान खान के शो बिग बॉस 19 का काउनडाउन शुरू हो चुका है. मेकर्स तेजी से इस समय बिग बॉस 19 पर काम कर रहे हैं. ऐसे में सितारों का नाम लगातार बिग बॉस 19 से जोड़ा जा रहा है. इसी बीच साउथ की एक हसीना है जिसने बिग बॉस 19 को लेकर चुप्पी तोड़ दी है. इस हसीना ने बताया है कि क्या वो बिग बॉस 19 का हिस्सा बनने वाली हैं. यहां हम बात कर रहे हैं साउथ एक्ट्रेस मालवी मल्होत्रा की जो कि जल्द ही फिल्म जेनमा नक्षत्रम में नजर आने वाली हैं. ये फिल्म पहले ही तमिल सिनेमा में धमाल मचा रही है. जल्द ही इस फिल्म का हिंदी वर्जन फैंस का मनोरंजन करेगा. बॉलीवुड लाइफ हिंदी से बात करते हुए मालवी मल्होत्रा ने कहा, मुझे नहीं लगता कि मैं बिग बॉस में जा पाऊंगी. फिलहाल मैं कई प्रोजेक्ट्स पर काम कर रही हूं. इसके अलावा शो का फॉर्मेट मेरी पर्सनैलिटी को सूट नहीं करता. मैं शायद शो में परफॉर्म नहीं कर पाऊंगी, आने वाले समय में अगर मुझे बिग बॉस का ऑफर मिला तो मैं एक बार जरूर सोचूंगी.

अपनी फिल्म को लेकर मालवी मल्होत्रा ने तोड़ी चुप्पी

अपनी फिल्म के बारे में बात करते हुए मालवी ने कहा, ये एक हॉरर थ्रिलर फिल्म है जिसकी शूटिंग काफी चैलेंजिग थी. हम लोग रात में शूट करते थे. ऐसे में मेरा पूरा रुटीन बिगड़ गया था. हालांकि शूटिंग के दौरान मुझे कभी डर नहीं लगा. फिल्म के एक सीन में तो कुछ ऐसा हुआ था जिसे देखकर मैं भी घबरा गई थी. फिल्म में एक डॉग का रोल भी है जो कि लोगों का काफी पसंद आएगा. आप थिएटर में बैठकर अंदाजा ही हीं लगा पाएंगे कि कहानी में आगे क्या होने वाला है.

मालवी मल्होत्रा ने इस दौरान बताया कि बॉलीवुड और साउथ में क्या अंतर है. मालवी मल्होत्रा ने कहा, बॉलीवुड में नए लोगों को काम मिलना इतना आसान नहीं होता. हालांकि साउथ इंडस्ट्री में ऐसा नहीं है. वहां पर आप आसानी से किसी बड़े डायरेक्टर से मुलाकत कर सकते हैं. यहां पर आपको काम भी आसानी से मिल जाता है. बॉलीवुड में आप किसी डायरेक्टर के ऑफिस जाने के बारे में नहीं सोच सकते. साउथ इंडस्ट्री में आपकी हर कोई इज्जत करता है.

अजय देवगन की एक्टिंग के कायल हुए सुनील शेट्टी

बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन की फिल्म सन ऑफ सरदार 2 थिएटर्स में रिलीज हो चुकी है। इस फिल्म का दर्शकों को बड़ी बेसब्री से इंतजार था। फिल्म को सोशल मीडिया पर मिली-जुली प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं। फिल्म में अजय देवगन और मृणाल ठाकुर की केमिस्ट्री नेटिजंस पसंद कर रहे हैं। एक्टर सुनील शेट्टी ने सन ऑफ सरदार 2 देखने के बाद फिल्म को लेकर अपनी राय दी है। आइए जानते हैं क्या बोले अभिनेता।

सुनील शेट्टी ने अपने एक्स अकाउंट पर एक ट्वीट किया है, जिसमें उन्होंने अपने बेटे अहान शेट्टी और अजय देवगन के साथ एक तस्वीर शेयर की है। इसके साथ ही अभिनेता ने पोस्ट के कैप्शन में लिखा कि उन्होंने अहान और अजय देवगन के साथ सन ऑफ सरदार 2 देखी। ये फिल्म हंसी का जोरदार धमाका है और उन्होंने अजय देवगन की एक्टिंग की तारीफ की। इसके अलावा सुनील शेट्टी ने कहा कि यह फिल्म हर पीढ़ी को हंसा सकती है। अजय देवगन की फिल्म सन ऑफ सरदार 2 का निर्देशन विजय कुमार अरोड़ा ने किया है। इसके निर्माता अजय देवगन, ज्योति देशपांडे, एन. आर. पचिसिया और प्रवीन टालरेजा हैं। फिल्म में अजय देवगन के अलावा मृणाल ठाकुर, कुबरा सैत, दीपक डोबरियाल, रवि किशन और विंदु दारा सिंह मुख्य भूमिका में हैं।

शूटिंग, मम्मी ड्यूटी और नींद की कमी...

देबिना ने बताया इन दिनों कैसी चल रही है जिंदगी

टीवी की मशहूर जोड़ी देबिना बनर्जी और गुरमीत चौधरी जल्द ही नए कपल रियलिटी शो पति पत्नी और पंगा में नजर आएंगे। इस बीच देबिना ने अपनी जिंदगी की एक झलक सोशल मीडिया पर साझा की। देबिना ने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर पोस्ट की और बताया कि

उनकी जिंदगी इन दिनों शूटिंग, मम्मी की ड्यूटी, और काम के बीच फंसी है। उन्होंने लिखा, आजकल मेरी जिंदगी शूटिंग, नींद की कमी, मां के फर्ज, तैयार होना और काम पर जाना जैसी चीजों से भरी हुई है। थकी हुई? हां, लेकिन उत्साहित हूं और आभारी भी हूं। देबिना और गुरमीत की शादी 2011 में हुई थी, लेकिन कपल 2021 में दोबारा शादी के बंधन में बंधे थे। उनकी पहली बेटी अप्रैल 2022 में और दूसरी बेटी नवंबर 2022 में पैदा हुई। देबिना ने बातचीत करते हुए बताया था कि इस शो में हिस्सा लेने की सबसे बड़ी वजह यह है कि उन्हें रोजाना गुरमीत के साथ काम करने का मौका मिलेगा। उन्होंने कहा, गुरमीत इस समय टीवी से दूर हैं, इसलिए कम से कम इस शो के जरिए हम साथ काम कर पा रहे हैं और मस्ती भी कर रहे हैं। गुरमीत और देबिना को सबसे ज्यादा पहचान 2009 के टीवी शो रामायण में राम और सीता के किरदार से मिली। इसके बाद गुरमीत ने कई टीवी शो और रियलिटी शोज में काम किया, जैसे गीत-हुई सबसे पराई, पुनर्विवाह, झलक दिखला जा, नच बलिये 6, और फियर फैक्टर- खतरे के खिलाड़ी सीजन 5। गुरमीत ने 2015 में बॉलीवुड में भी कदम रखा और साइकॉलॉजिकल थ्रिलर फिल्म खामोशियां में जयदेव का किरदार निभाया।

मंदिरा बेदी बरसों बाद टीवी पर करेंगी कमबैक !

एकता कपूर के सीरियल में निभा सकती हैं डॉक्टर का रोल

स्मृति ईरानी के बाद अब मंदिरा बेदी के टीवी पर कमबैक की चर्चा है। एक रपोर्ट में बताया गया है कि एकता कपूर के सीरियल में मंदिरा एक बार फिर से डॉक्टर की भूमिका में नजर आ

सकती हैं। टीवी और फिल्मों की मशहूर एक्ट्रेस मंदिरा बेदी बरसों बाद कमबैक कर सकती हैं। जी हां, नब्बे के दशक में दूरदर्शन के सीरिलय शांति से हर घर में पहचान बनाने वालीं मंदिरा एकता कपूर के शो क्योंकि सास भी कभी बहू थी रीबूट में नजर आ सकती हैं। 25 साल बाद यह शो टीवी पर फिर से शुरू हुआ है। स्मृति ईरानी को दोबारा तुसली वीरानी के किरदार में देखकर जहां फैंस फूले नहीं समा रहे हैं, वहीं तीन एपिसोड के बाद दर्शकों ने इसे मिला-जुला रेस्पॉन्स दिया है। मंदिरा बेदी के शो में कमबैक की खबर तीसरे एपिसोड के बाद इंटरनेट पर फैल रही है। हालांकि, मेकर्स या मंदिरा की ओर से अभी तक इस बारे में कोई घोषणा नहीं हुई है। मंदिरा ने सीरियल के पहले सीजन में डॉ. मंदिरा कपाड़िया का रोल निभाया था। उनके इस किरदार की वजह से वीरानी परिवार में खूब कलह पैदा हुई थी।

साभार एजेंसी